@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार 13 जून 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 213 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बड़ा विमान हादसा

गुजरात में विमान हादसा 200 से अधिक लोगों की मौत

अहमदाबाद विमान हादसा दिल दहलाने वाला: मोदी

नई दिल्ली, 12 जून (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर गहरा दुख जताया है और प्रभावित लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। श्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूँ जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।卐
गौरतलब है कि एयर इंडिया का एक ड्रीमलाइनर बोइंग 787 विमान आज अपराह्न अहमदाबाद से लंदन के लिये उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 230 यात्री, दो पायलट और चालक दल के 10 अन्य सदस्य सवार थे।

नई दिल्ली/अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में भयावह विमान हादसे में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई। अहमदाबाद एयरपोर्ट से एयर इंडिया का विमान गुरुवार को लंदन के लिए उड़ान भरने के दो मिनट बाद ही सरकारी बीजे मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर छात्रावास से टकरा गया। हादसे के दौरान विमान में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और क्रू सदस्यों समेत 242 लोग सवार थे। अहमदाबाद के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कनन देसाई ने बताया कि हादसे में 200 से अधिक लोगों के मारे जाने की पुष्ट हुई है। जानकारी के अनुसार विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और कनाडा के एक नागरिक के साथ 12 क्रू सदस्य सवार थे।

रुपाणी सीट नंबर 12 पर सवार थे। बताया जा रहा वे बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे। एयर इंडिया के अनुसार बोइंग 787 ड्रीमलाइनर एयरक्राफ्ट (एआई171) अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दोपहर करीब एक बजकर 39 मिनट पर लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए रनवे संख्या 23 से उड़ा। दो मिनट बाद ही विमान एयरपोर्ट के पास मेघानीनगर स्थित आवासीय क्षेत्र में एक घर से टकरा गया। घटना के वक्त विमान जमीन से 625 मीटर की ऊंचाई पर था। हादसे की खबर लगते ही एयरपोर्ट का संचालन रोक दिया गया। हालांकि घटना की सूचना के बाद अहमदाबाद पहुंचने वाले वीवीआईपी और जांच टीम के लिए एयरपोर्ट का संचालन जारी है।

नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बयान जारी कर बताया कि हादसे से पहले पायलट ने अहमदाबाद के एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) को मे-डे कॉल दिया था। इसके बाद एटीसी ने विमान को कई निर्देश दिए जिसका कोई जवाब नहीं मिला। अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त जीएस मलिक ने कहा कि लोगों के बचे होने की संभावना को दरकिनार नहीं कर सकते हैं। कुछ लोगों को अस्पताल भेजा गया है। राहत और बचाव कार्य जोरों पर जारी है। एएआईबी करेगा मामले की जांच हादसे की जांच के लिए विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के महानिदेशक, जांच निदेशक और सरकार की टीम अहमदाबाद पहुंच गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत आने वाला ये ब्यूरो विमानों के सुरक्षा मानदंडों के लिए जिम्मेदार है। भारतीय वायु क्षेत्र में रहने के दौरान अगर कोई विमान हादसे का शिकार होता है तो यही जांच करता है। ब्यूरो विमान सुरक्षा सुधार के लिए सलाह भी देता है।

सबसे पहले पहुंची सीआईएसएफ

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद विमान आग का गोला बन गया और चंद सेकंड बाद ही पूरा इलाका धुआं-धुआं हो गया। घटना की सूचना के बाद एनडीआरएफ की छह और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की दो टीमें राहत और बचाव कार्य के लिए पहुंच गईं। राहत और बचाव कार्य का मोर्चा सबसे पहले एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ की टुकड़ी ने संभाला। सीआईएसएफ के 150 जवानों को भी तैनात किया है।

तेज धमाके से दहशत मची

हादसे के प्रत्यक्षदर्शी जयेश पटेल ने बताया कि जब विमान हादसा हुआ तब मैं घटनास्थल से महज 500 से 600 मीटर दूर था। बहुत तेज धमाका हुआ और आग की ऊंची लपटें उठने के बाद पूरा इलाका धुएं से भर गया। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। धमाके की आवाज सुन लोग घर के बाहर निकल गए। हर कोई घटना स्थल की तरफ दौड़ा। वहां जो मंजर था वो बहुत भयावह था। हर तरफ मलबा ही मलबा हादसे के बाद का नजारा बेहद भयावह था। हर तरफ मलबा बिखरा हुआ था। विमान का नोज एक घर की छत पर टूटकर गिर गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि विमान जब मकान से टकराया तो आसपास के कई घरों को भी भारी नुकसान हुआ है। कई लोग घायल भी हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाका और आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पार्किंग में खड़ी कई गाड़ियों में भी आग लग गई।

कैप्टन सुमित कर रहे थे कमांड

डीजीसीए ने बताया कैप्टन सुमित सभरवाल विमान को फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर के साथ कमांड कर रहे थे। कैप्टन सुमित को 8200 घंटों का उड़ान का अनुभ्व था। वहीं को-पायलट के 1100 घंटे विमान उड़ाने का अनुभव था। विमान में दो पायलटों के साथ 10 क्रू सदस्य सवार थे। डीजीसीए दोनों पायलटों से जुड़ी और जानकारी जुटाने में जुटा है।

गुजरात में दूसरा हादसा

गुजरात में ये दूसरा भीषण विमान हादसा है। इससे पहले 19 अक्तूबर 1988 को इंडियन एयरलाइन्स का विमान अहमदाबाद एयरपोर्ट पर लैंडिंग से पहले ही दुर्घटना का शिकार हो गया था। इसमें 130 लोगों की जान चली गई थी। मुंबई से उड़ा ये विमान दृश्यता कम होने के कारण हादसे का शिकार हुआ था। हादसे के वक्त इस विमान की गति 300 किलोमीटर प्रतिघंटा थी।

शाह-नायडू अहमदाबाद रवाना

हादसे की सूचना मिलते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू अहमदाबाद रवाना हो गए। प्रधानमंत्री ने नायडू को पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद मुहैया करने के लिए निर्देश दिया है। साथ ही पल-पल की जानकारी साझा करने की बात कही है। हादसे के वक्त नायडू विजयवाड़ा में थे।

एयर इंडिया मदद में जुटा

एयर इंडिया के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि विमान हादसे की खबर से हम सब दुखी हैं। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा, हादसे का शिकार हुए लोगों के परिवारीजनों को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए इमरजेंसी सेंटर को सक्रिय कर दिया गया है। टीम लोगों की मदद में जुटी हैं। हादसे में जो भी लोग मारे गए एयर इंडिया उन पीड़ित परिवारों के साथ है। हम पूरी ताकत से लोगों की मदद में जुटे हैं।

गूगल पर अहमदाबाद को 4 घंटों में 1 मिलियन लोगों ने सर्च किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए एक दर्दनाक एयर इंडिया प्लेन क्रैश के बाद गूगल पर अहमदाबाद प्लेन क्रैश और अहमदाबाद कहां है जैसे सर्चेज की बाढ़ आ गई।अहमदाबाद को टेक्सटाइल, फार्मा और जेम्स-जूलरी इंडस्ट्री का सेंटर माना जाता है। 12 जून 2025 को दोपहर 1:38 बजे एयर इंडिया की फ्लाइट AI171 (बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर) अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट से लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए उड़ान भर रही थी। टेकऑफ के 5 मिनट बाद ही ये मेघनीनगर के रिहायशी इलाके में क्रैश हो गई। विमान में 242 यात्री और क्रू मेंबर्स सवार थे,जिनमें गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी शामिल थे।क्रैश के बाद आग लगने और धुएं के गुबार ने इलाके में दहशत फैला दी। 12 जून 2025 को दोपहर 1:38 बजे हादसे के बाद से गूगल पर अहमदाबाद जैसे कीवड्र्स की सर्च में भारी उछाल आया। गूगल पर हादसे के 30 मिनट बाद यानी 2:00 बजे से सर्च वॉल्यूम तेजी से बढ़ा। पिछले 4 घंटों सर्च स्कोर 100/100 पर पहुंच गया,जो गूगल ट्रेंड्स में मैक्सिमम इंटरेस्ट दिखाता है।इसके अलावा रिलेटेड सर्चेज में भारत और विदेशों में लोग अहमदाबाद की लोकेशन सर्च कर रहे हैं। दुर्घटनाग्रस्त विमान में पूर्व सीएम की मौजूदगी की खबर ने सर्चेज बढ़ाईं।

विमान हादसा : जाको राखे साइयां, मार सके न कोय, एक यात्री की जान बची

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए दिल दहला देनेवाले विमान हादसे में सभी 240 यात्रियों की मौत की खबर है। घटना के वक्त विमान में 242 लोग सवार थे। जिसमें से एक यात्री को बचा लिया गया है। विमान हादसे में जिंदा बचे रमेश विश्वास ने कहा कि उनका बचना किसी करिश्मे से कम नहीं हैं। रमेश विश्वास एयर इंडिया की फ्लाइट में 11ए सीट पर बैठे थे। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल रमेश विश्वास बताया कि टेकऑफ के 34 सेकेंट के बाद ही प्लेन जबर्दस्त आवाज के साथ क्रैश हो गया। जब मुझे होश आया तो मेरे आसपास लाशें ही लाशें थीं। फ्लाइट के टुकड़े चारों तरफ बिखरे हुए थे। मुझे किसी ने उठाया और एंबुलेंस में डाल दिया। रमेश विश्वास का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह पैदल चलते दिखाई दे रहे हैं। उनके चेहरे समेत शरीर गंभीर चोटें आई हैं। फिलहाल रमेश विश्वास का अस्पताल में इलाज चल रहा है। बता दें कि गुरुवार को अहमदाबाद में हुए भयानक विमान हादसे में 240 यात्रियों की मौत हो गई है। घटना के वक्त विमान में क्रू मेम्बर समेत कुल 242 लोग सवार थे। जिसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, ।पुर्तगाल, 1 कनाडाई और 12 क्रू मेम्बर शामिल हैं।

टाटा ग्रुप का बड़ा ऐलान, विमान हादसे के मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ की सहायता देगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद टाटा ग्रुप ने बड़ा ऐलान किया है। जिसके मुताबिक टाटा समूह ने विमान हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के परिवार को एक-एक करोड़ रुपए की सहायता देने की घोषणा की है। इसके अलावा टाटा समूह घायलों के इलाज का पूरा खर्च भी उठाएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उन्हें सभी आवश्यक देखभाल और सहायता मिले। इसके साथ ही, बी.जे. मेडिकल कॉलेज के छात्रावास के पुनर्निर्माण के लिए भी सहायता प्रदान की जाएगी।

विमान दुर्घटना : मृतकों की पहचान के लिए उनके परिजनों के डीएनए सैंपल लिए जाएंगे : स्वास्थ्य सचिव

अहमदाबाद (एजेंसी)। राज्य के स्वास्थ्य प्रमुख सचिव धनंजय द्विवेदी के अनुसार अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की पहचान के लिए उनके परिजनों के डीएनए नमूने लेने की व्यवस्था अहमदाबाद सिविल अस्पताल द्वारा की गई है। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के कसोटी भवन में इस डीएनए सैंपल को लेने की व्यवस्था की गई है। यह कसोटी भवन बी.जे. मेडिकल कॉलेज के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित है। सिविल अस्पताल प्रशासन ने रिश्तेदारों और दोस्तों से अनुरोध किया है कि वे अपने डीएनए सैंपल इसी कसोटी भवन में दें। मृतक के नजदीकी रिश्तेदार (माता-पिता या बच्चे) डीएनए सैंपल उपलब्ध करा सकेंगे। अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद, अस्पताल प्रशासन ने अहमदाबाद सिविल अस्पताल ट्रॉमा (आपातकालीन) केंद्र में रोगी-उन्मुख उपचार से संबंधित जानकारी के लिए संपर्क करने के लिए दो फोन नंबरों 6357373831 और 6357373841 की घोषणा की है। फिलहाल 50 घायलों का सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। सभी मरीज़ों की हालत स्थिर है।

विमान दुर्घटना : हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का भी निधन

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें सवार 240 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। अब तक हादसे में केवल दो लोगों के बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है। पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी गई है कि प्लेन की सीट नंबर 11-ए पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। वहीं एक और जिंदा बचा यात्री अस्पताल में भर्ती है। एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

करोड़ों युवाओं में क्रिकेट और ऑनलाइन सट्टे का नशा बना चिंता का कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के करोड़ों युवाओं के बीच क्रिकेट का जुनून अब मनोरंजन की सीमा से आगे निकल चुका है। यह खेल अब केवल स्टेडियम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि स्पोर्ट्स चैनलों, मोबाइल ऐप्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए दिन-रात युवाओं की दिनचर्या में शामिल हो गया है। खासकर आईपीएल जैसे टी20 फॉर्मेट ने क्रिकेट को रोमांच, पैसा और सट्टे का खतरनाक मिश्रण बना दिया है, जो तेजी से युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। इसके दुष्परिणाम भी अब सामने आने लगे हैं। यूं तो भारत में क्रिकेट का इतिहास सौ साल से भी ज्यादा पुराना है। प्रारंभ में राजा-महाराजाओं और कंपनी सरकार के लिए शौकिया खेल हुआ करता था, लेकिन बदलते दौर और वैश्विक घटनाक्रम के परिणाम स्वरुप क्रिकेट जेंटलमेन गेम बन गया। अब जबकि दुनियां के देश तकनीकी युग के चरम पर पहुंच चुके हैं तो क्रिकेट भी इससे अछूता नहीं है और अब यह युवाओं के जुनून में शामिल हो गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में क्रिकेट के दर्शकों की संख्या लगभग 69 करोड़ को पार कर चुकी है। यह संख्या सालभर क्रिकेट से जुड़े आयोजनों और उनके निरंतर प्रसारण के चलते बनी है। हर दिन किसी न किसी देश में क्रिकेट मैच खेला जा रहा होता है और स्पोर्ट्स चैनल्स इन्हें लाइव दिखाते रहते हैं। इससे युवाओं में एक नशे की तरह क्रिकेट देखने और उससे जुड़ने की आदत बनती जा रही है।

ऑनलाइन गैमिंग का बढ़ा चलन

हालांकि चिंता की बात यह है कि इस खेल के साथ-साथ सट्टेबाजी और ऑनलाइन गैमिंग का चलन भी तेजी से बढ़ा है। क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले युवाओं की संख्या हर साल बढ़ती जा रही है। फैंटेसी लीग से लेकर बेटिंग ऐप्स तक, युवाओं के मोबाइल में अब ये प्लेटफॉर्म आम हो चुके हैं। बेरोजगार युवा, जो पहले रोजगार की तलाश में समय लगाते थे, अब दिनभर क्रिकेट देखने और उस पर दांव लगाने में व्यस्त नजर आते हैं।

बांग्लादेश में उग्र भीड़ ने कचहरीबाड़ी वाले रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक आवास में की तोड़फोड़

ढाका (एजेंसी)। शाजादपुर स्थित नोबेल विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक निवास कचहरीबाड़ी में उग्र भीड़ ने जमकर तोड़फोड़ की। यह वही ऐतिहासिक इमारत है जहां टैगोर ने अपने जीवन की कई महत्वपूर्ण रचनाएं लिखी थीं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भीड़ ने 'टैगोर विरोधी' नारे लगाए और घर की खिड़कियों, दरवाजों और फर्नीचर को नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद कचहरीबाड़ी को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है।

साइट के संरक्षक मोहम्मद हबीबुर रहमान ने बताया कि सुरक्षा कारणों के चलते अब यहां पर्यटकों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा और पुरातत्व विभाग हालात की निगरानी कर रहा है। घटना की शुरुआत एक मामूली बहस से हुई थी। घटना के बाद बांग्लादेश सरकार की ओर से पुरातत्व विभाग ने तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है जो हमले के कारणों, जिम्मेदारों और सुरक्षा चूक की जांच करेगी। हालांकि, बांग्लादेश की

सांस्कृतिक बिरादरी और टैगोर प्रेमियों में इस हमले को लेकर गहरी नाराजगी है। कई साहित्यकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे राष्ट्रीय शर्म बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिनमें देखा जा सकता है कि कैसे भीड़ ने हॉल की खिड़कियां तोड़ीं और गेट को नुकसान पहुंचाया। सवाल यह भी उठ रहा है कि इतने महत्वपूर्ण स्थल की सुरक्षा व्यवस्था इतनी कमजोर कैसे छोड़ दी गई?

शाजादपुर स्थित कचहरीबाड़ी रवींद्रनाथ टैगोर के पुश्तैनी जमींदारी संपत्ति का हिस्सा थी। यह घर न केवल टैगोर परिवार के रेवेन्यू ऑफिस के रूप में काम करता था, बल्कि यही वो जगह थी जहां टैगोर ने अपनी कई प्रसिद्ध रचनाएं - कविताएं, गीत और कहानियां - लिखीं। यह इमारत आज भी बांग्लादेश की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक मानी जाती है। इतिहासकारों का कहना है कि टैगोर ने शाजादपुर में रहते हुए बंगला साहित्य को नई ऊंचाइयां दीं और ग्रामीण बांग्लादेश की झलक को अपनी लेखनी में जीवंत किया। ऐसे में इस स्थान पर हुई तोड़फोड़ न केवल एक सांस्कृतिक अपराध है, बल्कि यह पूरे उपमहाद्वीप की साझा विरासत पर सीधा हमला है।

दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर पश्चिम भारत भीषण गर्मी की चपेट में

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर पश्चिम भारत इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार, 12 और 13 जून को भीषण लू और धूल भरी आंधी के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने इन दो दिनों के लिए विशेष चेतावनी जारी की है।

मौसम विभाग के अनुसार, 12 जून को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हवा में नमी की मात्रा 25 प्रतिशत के आसपास रहेगी।

इस दिन गरज-चमक के साथ बारिश और धूल भरी हवाओं के साथ हीट वेव चलने की चेतावनी दी गई है। इसके लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

13 जून को भी तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है, लेकिन इस दिन गरज-चमक के साथ तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे) चलने और बारिश की संभावना के कारण तापमान में आंशिक गिरावट हो सकती है।

मौसम विभाग ने इस दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। 14 जून से तापमान में गिरावट शुरू हो सकती है। उस दिन अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 28 डिग्री रह सकता है।

बारिश की संभावना के बावजूद उस दिन किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है। इसके बाद, 15 से 18 जून तक मौसम में स्थिरता रहने की संभावना है, जहां आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और बारिश की हल्की गतिविधि संभव है। अधिकतम तापमान 38 डिग्री के आसपास रहने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने नागरिकों को लू से बचाव के लिए दोपहर के समय बाहर निकलने से परहेज करने, अधिक पानी पीने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है। विशेषकर बुजुर्ग, बच्चे और बीमार व्यक्तियों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी से जूझ रहा है, लेकिन 13 जून की रात से मौसम में बदलाव के संकेत हैं। इसके बाद गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, लोगों को अगले दो दिन विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

हिरासत में लिए गए दुनिया के सबसे बड़े टिकटॉक स्टार खाबी लेम, छोड़ना पड़ा अमेरिका

लास वेगास, एजेंसी। दुनिया के सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले टिकटॉक स्टार खाबी लेम ने अमेरिका छोड़ दिया है। उनको अमेरिका में इमिग्रेशन और कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) ने हिरासत में लिया था, जिसके बाद उन्होंने स्वेच्छा से देश छोड़ दिया। सेनेगल में जन्मे और इटली के नागरिक खाबी लेम का असली नाम सेरिंगे खाबाने लामे है। उनको 6 जून को लास वेगास के हैरी रीड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया था। आईसीई के प्रवक्ता के अनुसार, लामे ने अपने वीजा की शर्तों का उल्लंघन किया था, क्योंकि वे 30 अप्रैल को अमेरिका आए थे और निर्धारित समय से अधिक रुके थे।

क्या हुआ था : आईसीई के एक प्रवक्ता ने बयान में बताया, यूएस इमिग्रेशन और कस्टम्स एनफोर्समेंट ने 6 जून को 25 वर्षीय इटली के नागरिक सेरिंगे खाबाने लामे को लास वेगास, नेवाडा के हैरी रीड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन उल्लंघन के लिए हिरासत में लिया। लामे 30 अप्रैल को अमेरिका आए थे और अपने वीजा की अवधि से अधिक समय तक रुके। लामे को उसी दिन स्वैच्छिक प्रस्थान की अनुमति दी गई, जिसके तहत उन्हें बिना औपचारिक निर्वासन आदेश के देश छोड़ने की इजाजत मिली। यह प्रक्रिया किसी व्यक्ति को निर्वासन के रिकॉर्ड से बचने और भविष्य में कानूनी रूप से अमेरिका लौटने की संभावना बनाए रखने की अनुमति देती है।

खाबी लेम कौन हैं : खाबी लेम के टिकटॉक पर 162 मिलियन (16.2 करोड़) से अधिक फॉलोअर्स हैं। वह दुनिया के सबसे लोकप्रिय टिकटॉक स्टार हैं। वे अपने मजेदार और बिना शब्दों वाले वीडियो के लिए जाने जाते हैं, जिनमें वे जटिल लाइफ हैक वीडियो का मजाक उड़ाते हैं और अपनी सिग्नेचर बॉडी लैंग्वेज और चेहरे के हाव-भाव से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं। सेनेगल में 9 मार्च 2000 को जन्मे खाबी लेम एक साल की उम्र में अपने परिवार के साथ इटली के चिवासो चले गए थे। 2022 में उन्हें इटली की नागरिकता मिली। लेम ने कोविड-19 महामारी के दौरान टिकटॉक पर वीडियो बनाना शुरू किया, जब मार्च 2020 में उनकी फैक्ट्री की नौकरी छूट गई थी। उनके वीडियो, जो बिना संवाद के हास्य और व्यंग्य से भरे होते हैं, उन्होंने जल्द ही वैश्विक लोकप्रियता हासिल की। जून 2022 में उन्होंने चार्ली डी'अमेलियो को पछाड़कर टिकटॉक पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले क्रिएटर का खिताब हासिल किया और तब से यह स्थान बरकरार रखा है।

सोशल मीडिया और ब्रांड्स के साथ सहयोग : लामे ने अपनी लोकप्रियता का लाभ उठाकर कई बड़े ब्रांड्स के साथ साझेदारी की है, जिनमें फॉर्च्यून, सोनी पिक्चर्स, वॉलमार्ट, गूगल, स्टेट फार्म और पेप्सी शामिल हैं। फोर्ब्स के अनुसार, 2022 से 2023 के बीच उन्होंने ब्रांड डील्स से लगभग 16.5 मिलियन डॉलर कमाए। इसके अलावा, वे 2022 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में टिकटॉक शॉर्ट्स के जज, 2023 में इटालिया गॉट टैलेंट के जज रहे और 2024 में फिल्म बैड बॉयज : राइड ऑर डाई में कैमियो रोल में नजर आए।

आईसीई की कार्रवाई और ट्रंप की नीतियां : लेम की हिरासत उस समय हुई, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई सरकार ने आप्रवासन पर सख्ती बढ़ा दी है। ट्रंप ने अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए बड़े पैमाने पर निर्वासन अभियान शुरू किया है, जिसके तहत आईसीई ने पूरे अमेरिका में छापेमारी की है। लॉस एंजिल्स में हाल ही में हुई आईसीई की छापेमारी ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया, जहां प्रदर्शनकारियों ने हम नहीं जाएंगे और हम यहां विरोध करने आए हैं।

15 साल के किशोर ने मारी थी राष्ट्रपति उम्मीदवार को गोली, उरीबे पर हमला मामले में पुलिस का दावा

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया में बीते शनिवार को कंजर्वेटिव उम्मीदवार मिगुएल उरीबे टर्बे पर जानलेवा हमले मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। मामले में पुलिस ने 15 साल के एक किशोर पर उरीबे की हत्या की कोशिश का आरोप लगाया गया है। बता दें कि उरीबे को इस सप्ताहांत बोगोटा शहर के एक चुनावी रैली के दौरान सिर में गोली मारी गई थी। वे इस समय गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। अधिकारियों के अनुसार, हमले के बाद किशोर को बंदूक के साथ भागते हुए पकड़ा गया। हालांकि, अदालत में उसने खुद को निर्दोष बताया है। किशोर को भी गोली लगी थी और फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। ठीक होने के बाद उसे किशोर सुधार गृह भेजा जाएगा। कोलंबिया के कानूनों के अनुसार, नाबालिग अपराधियों को अपेक्षाकृत कम सजा मिलती है। किशोर को अधिकतम 8 साल तक की हिरासत हो सकती है। शनिवार को हुई इस घटना के बाद देशभर में आक्रोश का माहौल है। जहां लोग इसे लोकतंत्र पर हमला बताते हुए अपनी नाराजगी जता रहें है। इतना ही नहीं कुछ लोगों ने इस घटना की तुलना कोलंबिया के हिंसक राजनीतिक अतीत से की जा रही है। देश ने 20वीं सदी के अंत में लुइस कार्लोस गैलन और कार्लोस पिजारो सहित कई हाई-प्रोफाइल राजनीतिक हस्तियों की हत्याओं को झेला है।

इस्राइली नौसेना ने पहली बार यमन में किया हमला, हूतियों की सप्लाई चेन काटने की कोशिश

तेल अवीव , एजेंसी। इस्राइली नौसेना ने पहली बार यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमला किया। यह हमला यमन के पोत शहर होदेइदा में किया गया। इससे पहले मंगलवार की सुबह इस्राइली वायुसेना ने भी होदेइदा में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। अब नौसेना द्वारा भी होदेइदा को निशाना बनाया गया। होदेइदा शहर पर हूतियों का कब्जा है और माना जाता है कि यमन में राशन और अन्य जरूरी सामान की सप्लाई के लिए होदेइदा काफी अहम है। आरोप है कि होदेइदा से ही हूतियों को हथियारों की सप्लाई होती है। ऐसे में इस्राइली नौसेना के हमले में हूतियों की सप्लाई चेन काटने की कोशिश की गई।

अमेरिका ने भी बीते दिनों किए थे यमन पर हमले : हमले में होदेइदा को काफी नुकसान हुआ है। होदेइदा से होने वाली हथियारों की कथित सप्लाई संयुक्त राष्ट्र की पकड़ में भी नहीं आ पा रही थी। मंगलवार सुबह को हूतियों ने भी एक बार फिर इस्राइल पर मिसाइल हमला किया था। हालांकि इस्राइल के एयर डिफेंस ने मिसाइल को हवा में ही तबाह कर दिया। इससे पहले अप्रैल में अमेरिका ने भी यमन के हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे, जिनमें 74 लोग मारे गए थे। अब इस्राइल द्वारा हूतियों पर हमले किए जा रहे हैं। इस्राइल ने हूतियों को चेतावनी भी दी है कि अगर वे आगे भी इस्राइल पर हमले जारी रखते हैं तो इस्राइल द्वारा फिर मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। इस्राइली रक्षा मंत्री ने यमन का हवाई और समुद्री तौर पर ब्लॉक करने की धमकी दी।

संक्षिप्त समाचार

ग्रीस की संसद से तीन कट्टरपंथी सांसद निष्कासित, अपराधी नेता से जुड़े होने का आरोप

एथेंस, एजेंसी। ग्रीस में संसद ने मंगलवार को तीन कट्टरपंथी सांसदों को संसद से बाहर कर दिया। इन पर आरोप है कि इन्होंने ऐसे नेता के साथ संबंध बनाए रखे, जिसे एक आपराधिक संगठन का नेतृत्व करने के आरोप में पहले ही जेल की सजा हो चुकी है। कोर्ट ने पाया कि स्पार्टन्स पार्टी के नेता वासिलिस स्टिगास और दो अन्य सांसदों ने 2023 के आम चुनाव में मतदाताओं को गुमराह किया। इन तीनों को उस व्यक्ति का प्रॉक्सी माना गया, जो पहले गोल्डन डॉन नामक एक नव-नाजी विचारधारा वाली पार्टी से जुड़ा था और जिसे 2020 में 13 साल की जेल की सजा हुई थी। उस पर प्रवासियों और राजनीतिक विरोधियों पर हमले करवाने का आरोप था। ग्रीस की रूढ़िवादी सरकार ने इस फैसले का समर्थन किया है। अब संसद में कुल सीटें 300 से घटकर 297 रह जाएंगी। साथ ही, कानून पास कराने के लिए जरूरी बहुमत भी 151 से घटकर 149 हो गया है।

ईरान में आईएस के नौ आतंकियों को दी गई फांसी

तेहरान, एजेंसी। ईरान में इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह को नौ आतंकवादियों को फांसी पर चढ़ा दिया गया है। ईरान की न्यायपालिका की मिजान समाचार एजेंसी ने मंगलवार को इस बात की पुष्टि की है। ईरान का कहना है कि उसने 2018 के हमले के बाद हिरासत में लिए गए आईएस के नौ आतंकियों को फांसी दे दी है। आतंकवादियों को ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के साथ झड़प में पकड़ा गया था।

केन्या में 28 भारतीय पर्यटकों से भरी बस खाई में गिरी, पांच की गई जान

नैरोबी, एजेंसी। कतर में घूमने गए 28 भारतीय पर्यटकों की बस केन्या में खाई में गिर गई। हादसे में पांच भारतीयों की मौत हो गई। ये सभी कतर में रहते थे और यहां छुट्टियां मनाने आए थे। हादसा न्यांदारुआ काउंटी में ओल जोरोरोक-नाकुरू रोड पर हुआ। हादसे में घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सभी दक्षिण भारतीय थे और कतर में रह रहे थे। दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के बाद नैरोबी स्थित भारतीय उच्चायोग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। कतर स्थित भारतीय मिशन ने बताया कि वह दोहा में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय समुदाय कल्याण फोरम व अन्य समुदाय समूहों के संपर्क में है।

पुलिस स्टेशनों के बाहर हुए बम विस्फोट में चार लोगों की मौत

बोगोटा, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी कोलंबिया में विद्रोही समूहों द्वारा कैली शहर और पड़ोसी काउका प्रांत में पुलिस स्टेशनों के बाहर हुए कई बम विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई। सैन्य और पुलिस प्रवक्ता ने इन हमलों के लिए स्त्रस्ट-श्वस्ट को दोषी ठहराया है। अधिकारियों ने बताया कि विद्रोहियों ने पुलिस स्टेशनों के पास खड़ी कारों और मोटरसाइकिलों में बम रखे थे। बता दें कि पुलिस स्टेशनों पर हमले से कुछ दिन पहले ही राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार मिगुएल उरीबे को बोगोटा में एक रैली के दौरान गोली मारी गई थी।

थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री और सैन्य कमांडर सुचिंदा क्रापरायून का निधन

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख रहे सुचिंदा क्रापरायून का मंगलवार को 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनकी मौत की जानकारी थाईलैंड की सरकारी समाचार एजेंसी ने दी। बता दें कि सुचिंदा 1992 में थाईलैंड के प्रधानमंत्री बने थे, लेकिन उनका कार्यकाल महज सात हफ्तों का ही रहा। वे एक सैन्य तख्तापलट के बाद सत्ता में आए और उनके प्रधानमंत्री बनने को गैर-लोकतांत्रिक बताया गया, जिससे देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

भ्रष्टाचार मामले में अर्जेंटीना की पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज को 6 साल की सजा बरकरार

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना की सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को देश की पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज डी किर्शनेर को भ्रष्टाचार के मामले में सुनाई गई छह साल की जेल की सजा को बरकरार रखा है।क्रिस्टीना ने इस फैसले की समीक्षा की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। इस फैसले के चलते अब वे सितंबर में राजधानी से होने वाले चुनाव में हिस्सा नहीं ले सकेंगी, जहां वे विधायिका की सीट के लिए उम्मीदवार बनना चाहती थीं।

इजराइल ने ग्रेटा समेत 4 कार्यकर्ताओं को रिहा किया : अब भी हिरासत में 8 लोग

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग समेत 4 लोगों को मंगलवार को रिहा कर दिया। ये सभी इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट से फ्रांस रवाना हो गए। हालांकि, अभी भी 8 लोग इजराइल की हिरासत में हैं। इनमें रीमा हसन समेत बाकी लोग शामिल हैं। इन सभी के नाम अभी तक सामने नहीं आए हैं। इजराइली सेना ने 9 जून को गाजा के लिए राहत सामग्री लेकर जा रहे मैडलीन जहाज पर छापा मारकर स्पेन, फ्रांस, स्वीडन और तुर्की के 12 कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। इजराइल ने इन सभी को ऑप्शन दिया था कि वे चाहें तो डिपोर्टेशन कागज (रिहाई के दस्तावेज) पर साइन करके घर लौट सकते हैं।

जारी रहेगा ट्रंप का टैरिफ, कोर्ट ने दी इजाजत; भारत समेत अन्य देशों पर लगाया था तगड़ा टैक्स

वाशिंगटन, एजेंसी। मंगलवार को अमेरिका की एक संघीय अपील अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के प्रभावी रहने की मंजूरी दे दी है। डोनाल्ड ट्रंप ने बीते 2 अप्रैल को भारत, चीन और यूरोपीय संघ सहित दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर व्यापक रूप से आयात शुल्क लगाने की घोषणा की थी। फिलहाल इन टैरिफ को जारी रखने की इजाजत दे दी गई है। इससे पहले निचली अदालत ने ट्रंप के इस फैसले पर रोक लगाते हुए कहा था कि ट्रंप ने इन्हें लागू करने के लिए अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अदालत के इस फैसले का मतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप अभी के लिए अधिकांश देशों से लिबरेशन डे पर लगाए गए टैक्स को जारी रख सकते हैं। कोर्ट इस बात की जांच कर रही है कि टैरिफ लगाने के लिए जिन आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम का हवाला ट्रंप ने दिया है, वह उचित है या नहीं। इससे पहले ट्रंप ने अपने ऐलान के बाद परस्पर शुल्क पर 90 दिनों की रोक लगाने की घोषणा की थी। कोर्ट का यह फैसला इस अवधि के खत्म होने से एक महीने पहले आया है। जानकारों के मुताबिक 9 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति कई देशों के लिए टैरिफ दरों में भारी बढ़ोतरी कर सकते हैं।

अमेरिका हिंसा- 12 राज्यों के 25 शहरों में प्रदर्शन : लॉस एंजिलिस में शाम 6 बजे के बाद कर्फ्यू

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में 5 दिनों से जारी प्रदर्शन के कारण शाम 6 बजे के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया है। लॉस एंजिलिस की मेयर कैरन बैस ने इमरजेंसी की घोषणा की है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने के फैसले के खिलाफ हो रहा प्रदर्शन अमेरिका के 12 राज्यों के 25 शहरों तक फैल चुका है। सैन फ्रांसिस्को, डलास, ऑस्टिन, टेक्सास और न्यूयॉर्क जैसे शहरों में भी प्रदर्शन हो रहे हैं। हालात पर काबू पाने के लिए ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस में 4 हजार नेशनल गार्ड के अलावा 700 मरीन कमांडो को भी तैनात कर दिया है। उन्होंने कहा कि हालात खराब हो रहे हैं। जरूरत पड़ने पर वे पूरी ताकत से निपटेंगे। वहीं, सोमवार-मंगलवार को लॉस एंजिलिस पुलिस ने करीब 1100 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया।

ट्रम्प बोले- जरूरत पड़ने पर सैन्य बल का इस्तेमाल करूंगा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि अगर लॉस एंजिलिस में हिंसा जारी रही तो वे पूरे शहर में विद्रोह कानून लागू कर सकते हैं। यह कानून सरकार को हिंसा रोकने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल करने की इजाजत देता है। ट्रम्प ने कहा, पिछले 2 दिन से हालात बेहद बिगड़ रहे हैं, अगर बगावत

हुई तो मैं जरूर विद्रोह कानून लागू करूंगा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में होने वाली आर्मी परेड के दौरान प्रदर्शन को लेकर भी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर कोई प्रदर्शन करता है तो उसे सेना का सामना करना पड़ेगा। 14 जून को अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ और ट्रम्प का 79वां जन्मदिन भी है। इस हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। यह हिंसक प्रदर्शन अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने के फैसले के खिलाफ हो रहे हैं। फिलहाल लॉस एंजिलिस में हिंसा थमती नजर आ रही है। ट्रम्प की पार्टी का आरोप- प्रदर्शनकारियों को डेमोक्रेट और चीन पैसे दे रहे ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने लॉस एंजिलिस में प्रदर्शनों को लेकर डेमोक्रेट नेताओं और चीन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रिपब्लिकन सांसद बिल एसेयली ने एक पोस्ट में लिखा- इन प्रदर्शनों की फंडिंग डेमोक्रेट समर्थित संगठनों और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़ी संस्थाओं द्वारा की जा रही है।

ट्रम्प ने नेतन्याहू से गाजा जंग खत्म करने को कहा : ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर हमले को मंजूरी नहीं

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मंगलवार को फोन पर बातचीत की। इस दौरान ट्रम्प ने नेतन्याहू से गाजा में जंग को खत्म करने के लिए कहा है। इजराइल के चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने कहा कि गाजा में सीजफायर और बंधकों की रिहाई तक ही बात नहीं रुकनी चाहिए, बल्कि जंग को पूरी तरह खत्म किया जाए। इसके अलावा ट्रम्प ने ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर हमला करने को लेकर भी फिलहाल मंजूरी नहीं दी है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने यह भी कहा कि जंग रुकने से ईरान और सऊदी अरब के साथ चल रही बातचीत में मदद मिलेगी।

ईरान से परमाणु डील के लिए कोशिशें जारी : डोनाल्ड ट्रम्प ने नेतन्याहू से बातचीत में यह साफ किया कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु डील पर समझौते के लिए कोशिशें जारी हैं। हालांकि ट्रम्प ईरान के हालिया प्रस्ताव से सहमति नहीं है। उन्होंने कहा कि फिर भी

बातचीत के दरवाजे बंद नहीं हुए हैं। इसके जवाब में नेतन्याहू ने कहा कि ईरान पर हमेशा सैन्य दबाव बना रहना चाहिए। हालांकि ट्रम्प ने फिर भी ईरान पर सैन्य हमले को टालने पर जोर दिया। इस पर नेतन्याहू ने जवाब दिया कि ईरान पर हमेशा एक विश्वसनीय सैन्य दबाव बना रहना चाहिए। लेकिन ट्रम्प ने दोबारा दोहराया कि बातचीत के दौरान सैन्य हमले की संभावना को टाल देना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रम्प तब तक सैन्य कार्रवाई पर चर्चा नहीं करेंगे जब तक वे यह तय नहीं कर लेते कि कूटनीतिक प्रयास पूरी तरह विफल हो चुके हैं। ब्रिटेन-कनाडा समेत 5 देशों का इजराइल के दो मंत्रियों पर बैन ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूज़ीलैंड और नॉर्वे ने मंगलवार को इजराइल सरकार के दो कट्टर दक्षिणपंथी मंत्रियों इतामार बेन-गवीर और बेजालेल स्मोतरिच पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इन पर कब्जे वाले वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा भड़काने का आरोप है। दोनों मंत्री गाजा जंग को जारी रखने के पुरजोर समर्थक हैं। अब इन पर यात्रा प्रतिबंध और संपत्ति जब्त होने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं।

चौथी बार टला प्रक्षेपण, फाल्कन-9 रॉकेट में आई तकनीकी खराबी, नई तारीख का फिलहाल एलान नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य लोगों को आईएसएस लेकर जाने वाले अंतरिक्ष यान- एग्जियोम-4 का प्रक्षेपण फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। स्पेसएक्स ने यह एलान किया। स्पेसएक्स ने बताया कि पोस्ट स्टैटिक फायर बूस्टर के निरीक्षण के दौरान फाल्कन-9 रॉकेट में ऑक्सीजन लीक की समस्या पाई गई। जिसकी मरम्मत के लिए इंजीनियरों ने और समय मांगा है। ऐसे में प्रक्षेपण को फिलहाल टाल दिया गया है।

प्रक्षेपण की नई तारीख फिलहाल नहीं : स्पेसएक्स ने ट्वीट कर बताया कि अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना होने वाले फाल्कन 9 के एक्स-4 प्रक्षेपण को स्थगित किया जा रहा है। जिससे कि इंजीनियरों को पोस्ट स्टैटिक फायर बूस्टर के निरीक्षण के दौरान पहचाने गए एलओएक्स रिसाव की मरम्मत के लिए अतिरिक्त समय मिल सके। स्पेसएक्स ने कहा कि अब मरम्म होने के बाद हम जल्द ही एक नई लॉन्च तिथि जारी करेंगे।

चौथी बार टला प्रक्षेपण : गौरतलब है कि यह चौथी बार है जबकि यह बहुप्रतीक्षित मिशन टल गया है। सबसे पहले इसकी लॉन्चिंग की तारीख 29 मई तय की गई थी, फिर इसे बढ़ाकर आठ जून कर दिया गया। इसके बाद फिर इसके प्रक्षेपण की तारीख में बदलाव करके 10 जून को 5.30 बजे

कर दिया गया। फिर 10 जून से पहले ही नौ जून को भी मिशन को 11 जून तक टाल दिया गया था। तब इसरो ने इसका कारण खराब मौसम को बताया था। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने सोमवार शाम जारी बयान में कहा था, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले यान- एग्जियोम-4 मिशन का प्रक्षेपण 10 के बदले 11 जून 2025 तक स्थगित कर दिया गया है। अब चौथी बार फिर से एग्जियोम-4 का प्रक्षेपण स्थगित कर दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाले पहले भारतीय : इस महत्वाकांक्षी अभियान के तहत भारत जल्द ही ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाला है। भारत के शुभांशु शुक्ल अब अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बनने वाले हैं। इतना ही नहीं, वे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में पहुंचने वाले पहले भारतीय होंगे। इस मिशन को अमेरिका के अंतरिक्ष अभियानों से जुड़ी कंपनी एग्जियोम स्पेस और नासा के सहयोग से अंजाम दिया जा रहा है। साथ ही एलन मस्क की स्पेसएक्स इस मिशन में अहम भूमिका निभाएगी।

अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में सहमति, ट्रम्प-शी जिनपिंग की मंजूरी बाकी

लंदन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच चल रही व्यापार वार्ता पर लगभग सहमति बन गई है। सीबीसी न्यूज के मुताबिक दोनों देशों के अधिकारियों ने बताया कि वे एक व्यापार समझौते की रूपरेखा पर सहमत हो गए हैं। अब इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मंजूरी का इंतजार है। अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि दोनों देश जिनेवा में पहले हुए समझौते और नेताओं की आपसी बातचीत को अमल में लाने के लिए तैयार हो गए हैं। चीन के व्यापार मामलों के वरिष्ठ अधिकारी ली चेंगगांग ने भी यही बात दोहराई। दरअसल, हाल ही में दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच फोन पर बातचीत हुई थी, जिससे दोनों के बीच चल रहा तनाव थोड़ा कम हुआ। इससे पहले दोनों एक-दूसरे पर व्यापार समझौते के नियम तोड़ने का आरोप लगा रहे थे। इसी साल मई में स्विट्जरलैंड में हुई एक बैठक में यह तय हुआ था कि अप्रैल में जोड़े गए नए टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोका जाएगा और कुछ पुराने फैसले भी वापस लिए जाएंगे। इस डील से अमेरिका को अर्थ मिनरल्स मिलने की उम्मीद अमेरिकी कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक ने मंगलवार को कहा कि इस सहमति से रेयर अर्थ मिनरल्स और मैग्नेट्स से जुड़ी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि यह फ्रेमवर्क पिछले महीने जेनेवा में हुए समझौते को मजबूती देता है। लुटनिक ने बताया इस समझौते में कुछ अमेरिकी एक्सपोर्ट रिस्ट्रिक्शन को हटाने की भी बात हुई। उन्होंने ने कहा, हम इस फ्रेमवर्क को राष्ट्रपति ट्रम्प के पास ले जाएंगे और उनकी मंजूरी के बाद इसे लागू करेंगे। दूसरी ओर,

चीन इसे राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सामने रखेगा। इस डील से अमेरिका को रेयर अर्थ मिनरल्स मिल सकते हैं, जिनका इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहनों और सेफ्टी इक्यूपमेंट के लिए होता हैं। हालांकि यह फ्रेमवर्क अभी अंतिम नहीं है। अगर किसी एक ने भी इसे खारिज किया, तो ये प्रक्रिया फिर रुक सकती है। अमेरिका और चीन के बीच लम्बे समय से जारी ट्रेड वॉर ने वैश्विक सप्लाई चेन को प्रभावित किया था। यह समझौता इसे सुधार सकता है। चीन के अर्थशास्त्री जियानवेई जू ने कहा कि नेताओं तक रूपरेखा भेजना इस बात का संकेत है कि सभी बातें अभी पूरी तरह तय नहीं हुई हैं। फिर भी यह कदम दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को कम करने और बातचीत जारी रखने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। लेकिन यह अभी साफ नहीं है कि यह समझौता आगे चलकर कितनी बड़ी सफलता साबित होगा। अमेरिका और चीन ने टैरिफ में कटौती का ऐलान किया था इससे पहले अमेरिका और चीन के बीच 11 मई को जेनेवा में ट्रेड डील पर सहमति बनी थी। दोनों देशों ने टैरिफ में 115प्रतिशत कटौती का ऐलान किया था। जिनेवा में दोनों देशों के बीच हुए समझौते के मुताबिक अमेरिका, चीनी सामानों पर 30प्रतिशत टैरिफ लगाएगा।

8 वर्षों में बदली प्रदेश की स्कूली शिक्षा की तकदीर और तस्वीर: सीएम योगी

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 12 जून (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ में केंद्र व राज्य स्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त मेधावियों का सम्मान करने और टैबलेट वितरण के साथ ही 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता 2024-25 में प्रदेश के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री विद्यालयी खेल पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि पिछले 8 वर्ष में हम माध्यमिक शिक्षा और स्कूली शिक्षा की तकदीर और तस्वीर को बदलने में सफल हुए हैं। 2017 के पहले बेसिक एजुकेशन लगभग बंदी की ओर जा रही थी। लगातार छात्र संख्या में गिरावट आ रही थी। माध्यमिक शिक्षा नकल का अड्डा बन गई थी। आप सौभाग्यशाली हैं कि ऐसे समय में करियर को बना रहे हैं जब प्रदेश के नौजवानों के सामने पहचान का संकट नहीं है। आज का उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य से भारत का ग्रोथ इंजन बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने उत्तर प्रदेश में दो नए बिजनेस खोले थे। एक नकल के नाम पर और दूसरा ट्रांसफर पोस्टिंग का। प्रदेश में थोक के भाव में नकल के अड्डे संचालित होते थे। बाहरी छात्र केवल फॉर्म भरते थे और उनके नाम पर कोई दूसरा परीक्षा दे देता था। वहीं, ट्रांसफर-पोस्टिंग का भी एक उद्योग चलता था। डबल इंजन की सरकार ने इन दोनों प्रकार के अनाचार को रोक करके पारदर्शी और निष्पक्ष प्रणाली को प्रदेश में अपनाया। आज प्रदेश में हमने तय किया है कि परीक्षा वहीं होगी जहां सीसीटीवी कैमरे होंगे बाउंड्री वाल होगी, इंफ्रास्ट्रक्चर और फर्नीचर होगा। अब परीक्षा 2-3 महीने नहीं चलती, बल्कि 13-14 दिन के अंदर संपन्न होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हर एक क्षेत्र में 8 लाख से अधिक युवाओं को हमने पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरी दी है। 15 जून को 60 हजार 244 पुलिस कार्मिकों की नियुक्ति का कार्यक्रम करने जा रहे हैं, जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जी मुख्य अतिथि होंगे। इन 60000 में 12000 से अधिक बेटियां हैं। 1947 से 2017 के बीच केवल 10000 बेटियों की भर्ती हुई थी, लेकिन यहां एक बार में ही 12000 से अधिक बेटियां भर्ती हो रही हैं। यह दिखाता है सरकार में काम करने की इच्छा शक्ति होनी चाहिए। परीक्षा छात्रों को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि उनके अंदर एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का भाव पैदा करने का माध्यम होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने हंगामा करने वाले छात्रों को नसीहत देते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव भी होना चाहिए। समाज के प्रति और राष्ट्र के अपनी जिम्मेदारियों का भाव होना चाहिए। राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। जो नुकसान करता है उसको टोकिए। अगर कमजोर पड़ रहे हैं तो उसकी कंप्लेंट करिए। उसकी फोटो वायरल करिए, बाकी उसकी वसूली हम कर लेंगे। यह सार्वजनिक संपत्ति राष्ट्र की संपत्ति है और हम सब की सामूहिक जवाबदेही का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परिणाम बड़े चौंकाने वाले रहे हैं। नतीजे बताते हैं कि बालिकाएं ज्यादा मेहनत करती हैं, जबकि बालक मेहनत करने में थोड़ा पीछे हैं। जिन छात्रों ने यहां पर मेरिट में स्थान प्राप्त किया है उन्हें ?100000 नकद, एक टैबलेट, एक प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान किया गया है। इसी तरह, जनपद स्तर पर मेरिट में आए बच्चों को ?21000 धनराशि, एक टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान किया जा रहा है। यही नहीं, हमारी युवा प्रतिभा ने प्रधानमंत्री जी के खेलो इंडिया खेलो और फिट इंडिया मूवमेंट से प्रेरित होकर नेशनल लेवल के गेम्स में

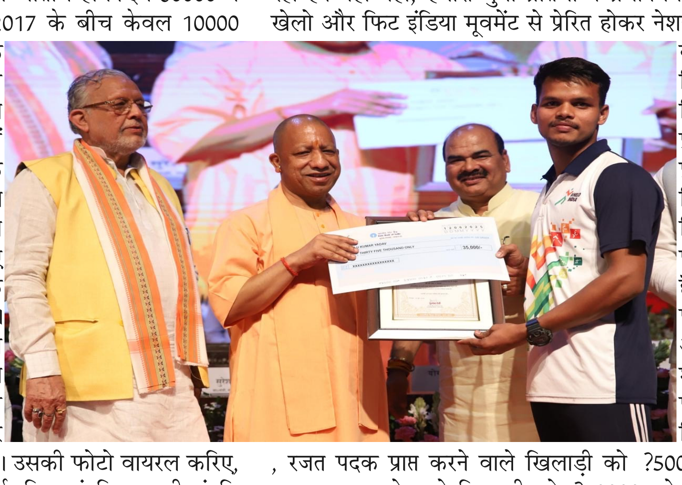

बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। 68वीं राष्ट्रीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के 363 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें 179 पदक इन्होंने प्राप्त किए हैं। इसमें 51 स्वर्ण पदक, 46 रजत पदक और 82 कांस्य पदक शामिल हैं। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को ?75000, रजत पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को ?50000 रुपए और कांस्य पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को ?30000 प्रदेश सरकार की ओर से प्रोत्साहन के रूप में प्रदान किए जा रहे हैं। टीम गेम्स में जिन छात्रों ने स्वर्ण पदक जीता, उन्हें 35000 रुपए, रजत पदक पर ?25000 और कांस्य पदक पर ?15000 की राशि प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद और माध्यमिक संस्कृत शिक्षा निदेशालय के नए भवन की आधारशिला भी रखी गई है। 2001 में माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद का गठन हुआ था, लेकिन पिछले 24 वर्षों में इसके पास अपना भवन नहीं था। इस पर 42 करोड़ 42 लाख 20000 रुपए खर्च होंगे। इसमें संस्कृत की भव्य लाइब्रेरी भी होगी, जिसमें संस्कृत से जुड़ी रोचक जानकारियां होंगी और प्रशिक्षण, संभाषण समेत अन्य कार्यक्रम भी यहां पर होंगे। लखनऊ में जगत नारायण रोड पर जो राजकीय बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज है, प्रोजेक्ट अलंकार के तहत उसका नवीन भवन 48 करोड़ 92 लाख 80000 रुपए से बनने जा रहा है। ऐसे ही राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मलिहाबाद के नवीन भवन के लिए 10 करोड़ 36 लाख रुपए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। चंदौली और भदोही में संस्कृत के दो नवीन विद्यालय (छात्रावास के साथ) के लिए भी करीब 20 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। यह संस्कृत के उन्नयन और उत्थान के लिए सरकार के द्वारा अपनी ऋषि संस्कृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का प्रयास है। संस्कृत को प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है। यह भारतीय संस्कृति की आत्मा और आधारशिला है। उन्होंने कहा कि माध्यमिक शिक्षा परिषद और टाटा नेल्को व जापान की कंपनी यासकावा के साथ एक एमओयू भी किया है। यह एमओयू प्रधानमंत्री मोदी जी के विजन के अनुरूप है, जिसमें आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ स्किल डेवलपमेंट को भी अंगीकार किया गया है। यानी स्केल के साथ स्किल को भी सीखने का अवसर मिलेगा। इसके अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा से जुड़े सरकारी विद्यालयों में डिजाइन, रोबोटिक और इलेक्ट्रॉनिक्स लैब की स्थापना का कार्य होगा। लगभग 162 करोड़ 72 लाख रुपए से यह कार्यक्रम चलेगा। यह हब एंड स्पोक मॉडल पर आधारित होगा,जिसके तहत एक संस्थान में लैब स्थापित होगी और उसे तीन संस्थानों से जोड़ा जाएगा। इसके माध्यम से यहां का नौजवान ट्रेंड होकर स्किल मैनपॉवर के रूप में खुद को स्थापित कर पाएगा। यह एक नया अभियान है, एक नया अभिनव प्रयोग है।

अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर जा रहे जवानों को जर्जर ट्रेन देने का मामला

नई दिल्ली, 12 जून। अमरनाथ यात्रा में ड्यूटी के लिए जा रहे बीएसएफ के 1200 जवानों को रेलवे की ओर से खस्ताहाल ट्रेन दी गई थी। ट्रेन का हाल देखकर जवानों ने उसमें चढ़ने से इनकार कर दिया था। अमर उजाला ने इस मामले को प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया था। जिसके बाद रेल मंत्री ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए चार अधिकारियों पर कार्रवाई की है। अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा ड्यूटी पर जा रहे बीएसएफ के 1200 जवानों को जर्जर ट्रेन देने के मामले में गाज गिर गई है। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बुधवार को कैबिनेट की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान बताया कि खराब रैक देने के मामले में रेलवे के चार अधिकारी सस्पेंड कर दिए गए हैं। यह स्पेशल ट्रेन छह जून को बीएसएफ जवानों को लेकर त्रिपुरा के उदयपुर रेलवे स्टेशन से जम्मू तवी स्टेशन के लिए रवाना होनी थी। अमर उजाला डॉट कॉम ने मंगलवार को इस खबर को प्रमुखता से %अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी पर जा रहे बीएसएफ के 1200 जवानों को मिली जर्जर ट्रेन, जवानों ने गाड़ी में चढ़ने से किया इनकार% शीर्षक से प्रकाशित किया था। मंत्रालय ने रैक बदलने के साथ ही इस गलती के लिए जिम्मेदार अलीपुरद्वार मंडल के चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। बता दें कि बीएसएफ के जवानों को भारतीय रेलवे ने एक ऐसी ट्रेन मुहैया करा दी कि उसकी जर्जर हालत देखकर जवान दंग रह गए। ट्रेन की हालत देखकर ऐसा लग रहा था कि जैसे उसे लंबे समय से इस्तेमाल ही न किया गया हो। खिड़की, दरवाजे, बिजली उपकरण व टॉयलेट, सब जर्जर हालत में थे। बीएसएफ जवानों ने अपने आला अधिकारियों को उक्त घटना से अवगत कराया। चार दिन बाद मंगलवार को एनएफआर जोन ने दूसरी ट्रेन उपलब्ध कराई। बीएसएफ जवानों को अमरनाथ यात्री की ड्यूटी के लिए कश्मीर पहुंचना था। ऑपरेशन सिंदूर% के दौरान सीमा सुरक्षा बल %बीएसएफ% के जवानों की वीरता को खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी माना है। बीएसएफ जवानों ने सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया था। अमित शाह ने जम्मू में बीएसएफ जवानों की पीठ थपथपाते हुए कहा था कि %ऑपरेशन सिंदूर% के दौरान जब पाकिस्तान ने हमारे नागरिक रियाहशी इलाकों पर हमला किया, तब अकेले बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर ने 118 से ज्यादा पाकिस्तान की पोस्ट तबाह कर दी। उन्हें भारी नुकसान पहुंचाया गया। दुश्मन की संपूर्ण निगरानी प्रणाली को चुन-चुन कर ध्वस्त किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था, उसे खड़ा करने में दुश्मन को शायद चार-पांच साल का समय लगे। बीएसएफ आईजी गुवाहाटी फ्रंटियर की ऑपरेशन ब्रांच द्वारा एनएफ रेलवे मालेगांव गुवाहाटी (असम) से एक स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था करने का आग्रह किया गया था। इस गाड़ी में बीएसएफ के लगभग 12 सौ जवान सवार होने थे। इनमें त्रिपुरा फ्रंटियर बीएसएफ की सात कंपनी, गुवाहाटी फ्रंटियर से तीन कंपनियां और एम एंड सी फ्रंटियर की भी तीन कंपनियां शामिल हैं। इन सभी कंपनियों के 12 सौ जवानों को एडहॉक 12 व 13 बटालियन के हिस्से के तौर पर अमरनाथ यात्रा 2025 की ड्यूटी के लिए रवाना होना था। यह स्पेशल ट्रेन उदयपुर रेलवे स्टेशन (त्रिपुरा) से छह जून को जम्मू तवी रेलवे स्टेशन के लिए चलनी थी। बीएसएफ की तरफ से जवानों की सुगमता के मद्देनजर, रेलवे से एसी 2 वाले दो कोच, एसी 3 के दो कोच, स्लीपर के 16 कोच और 4 जीएस/एसएलआर मुहैया कराने की मांग की गई। उदयपुर (त्रिपुरा), अमबासा (त्रिपुरा) बदरपुर (असम), गोलपारा और कूचविहार (पश्चिम बंगाल) रेलवे स्टेशन से बीएसएफ जवानों को %स्पेशल ट्रेन% नंबर 00709 में सवार होना था। बीएसएफ के कंपनी कमांडर ने उदयपुर से चलने वाली स्पेशल ट्रेन का निरीक्षण किया कि वह जवानों की सुरक्षा एवं दूसरी आवश्यकताओं के हिसाब से ठीक है या नहीं। निरीक्षण के दौरान ट्रेन के हालात देखकर बीएसएफ के अधिकारी और जवान हैरान रह गए। सूत्रों के मुताबिक, ट्रेन के वैगनों की स्थिति अमानवीय और दयनीय थी। इसका उपयोग जवानों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए नहीं किया जा सकता। जांच के बाद पता चला कि महीनों से वैगन का इस्तेमाल नहीं किया गया था। प्रत्येक वैगन में हर जगह टूटी हुई वस्तुएं पड़ी थीं। ट्रेन की खिड़कियों और दरवाजों में छेद बने हुए थे। टॉयलेट सीटें, टूटी पड़ी थी। ट्रेन के फर्श पर सैकड़ों कॉकरोच दौड़ रहे थे। अधिकांश सीटों पर गंदगी फैली हुई थी। ट्रेन के कई वैगनों में बल्ब या बिजली का कनेक्शन ही नहीं था। ट्रेन में एक कंपनी के ?शस्त्र/आवास, भंडार और जवानों के बिस्तर के लिए उपलब्ध कराई गई जगह पर्याप्त नहीं थी।

पानीपत में न्यू मॉडल टाउन में मकान पर अंधाधुंध फायरिंग

पानीपत (हरियाणा), 12 जून। पानीपत के न्यू मॉडल टाउन में गुरुवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब अज्ञात हमलावरों ने एक मकान पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस घटना में मकान की दीवार, एक कार और पानी की टंकी को गोलियां लगीं। घटना की सूचना मिलते ही मॉडल टाउन पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह घटना न्यू मॉडल टाउन के एक रिहायशी इलाके में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई दी, जिससे आसपास के लोग दहशत में आ गए। मकान की दीवार पर कई गोलियों के निशान पाए गए हैं, जबकि वहां खड़ी एक कार और पानी की टंकी भी क्षतिग्रस्त हुई है। मॉडल टाउन पुलिस थाना प्रभारी ने बताया कि घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम सबूत जुटा रही है। अभी तक हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

ठंडक पाने के लिए ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पहुंच रहे पर्यटक

शिमला/धर्मशाला, 12 जून। मैदानी इलाकों में चिलचिलाती गर्मी के बीच पर्यटकों ने पहाड़ों का रुख कर लिया है। अमूमन शिमला, मनाली और धर्मशाला पहुंचने वाले सैलानी इस बार और ऊंचे इलाकों में सकून पाने पहुंच रहे हैं। प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भी गर्मी से तप रहे हैं। राजधानी शिमला के बजाय सैलानी मशोबरा, हाटू पीक, डोडरा क्वार और मनाली के बजाय बारालाचा-जिस्पा और धर्मशाला के बजाय धर्मकोट, करेरी-त्रियूंड की ठंडी वादियों में पहुंच रहे हैं। यहां के होटल और होम स्टे पैक हो गए हैं। वहीं, गर्मी बढ़ने से शिमला, धर्मशाला, मनाली के होटलों में ऑक्यूपेंसी 70 फीसदी से ज्यादा तक पहुंच गई है। इन क्षेत्रों में भी गर्मी बढ़ने से अब सैलानियों ने और ठंडे इलाको को तवज्जो देना शुरू कर दिया है। राजधानी शिमला के होटलों में भी ऑक्यूपेंसी 80 फीसदी से अधिक चल रही है। शहर के माल रोड और रिज मैदान पर शाम ढ़लते ही भारी संख्या में सैलानी चहलकदमी कर रहे हैं। दिन के समय सैलानी कुफरी और नालदेहरा घूम रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से बढ़े तापमान और मैदानी राज्यों में गर्मियों की छुट्टियों के चलते इस सप्ताह पर्यटन नगरी धर्मशाला-मैक्लोडगंज में पर्यटकों की खासी भीड़ उमड़ रही है। बुधवार को भी क्षेत्र के होटलों में 80 फीसदी तक ऑक्यूपेंसी रही। मैक्लोडगंज में दलाई लामा टेंपल, भागसूनाग वाटर फॉल, कांगड़ा किला, युद्ध संग्रहालय, शक्तिपीठों, पालमपुर और धर्मशाला के टी-गार्डन, बीड़ बिलिंग के अलावा त्रियूंड और आदि हिमानी चामुंडा में ट्रैकिंग के लिए पहुंच रहे हैं। होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन स्मार्ट सिटी धर्मशाला के अध्यक्ष राहुल धीमान ने बताया कि इस सप्ताह ऑक्यूपेंसी बेहतर चल रही है और बुधवार को भी 80 फीसदी ऑक्यूपेंसी रही। कुल्लू में भी भारी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। यहां होटलों की ऑक्यूपेंसी 80 फीसदी से ऊपर चल रही है। बंजार के तीर्थन, सोझा, जीभी में होटल व होम स्टे पूरी तरह से पैक चल रहे हैं। पर्यटन सीजन के डेढ़ माह में अटल टनल रोहतांग दर्रा होकर करीब तीन लाख वाहन आर-पार हुए हैं। 21 अप्रैल से लेकर आठ जून 2025 तक पुलिस ने यह आंकड़े जारी किए हैं। इस दौरान सबसे अधिक वाहन दो से आठ जून तक 73,706 वाहन टनल के आरपार गुजरे। डेढ़ माह में 1,59000 वाहन मनाली से लाहौल की तरफ निकले है। जबकि 1,43000 से अधिक वहां लाहौल की तरह से मनाली की ओर रवाना हुए। पुलिस के अनुसार 21 अप्रैल से 27 अप्रैल तक के पहले हफ्ते में टनल के पार होकर 25,865 वाहन लाहौल घाटी पहुंचे। 28 अप्रैल से 4 मई तक 24,459 वाहन, 5 में 11 मई तक 19,986 वाहन, 12 से 18 मई तक 16,037 वाहन, 19 से 25 मई तक 20,728 वाहन टनल के पार रवाना हुए।

दिल्ली के शिवाजी ब्रिज के पास निजामुद्दीन-गाजियाबाद ईएमयू डिरेल

दिल्ली, 12 जून। यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से चलकर तिलक ब्रिज होते शिवाजी ब्रिज जा रही थी। रास्ते में दोपहर 4.10 बजे ट्रेन पटरी से उतर गई। सूचना पर रेलवे के कर्मचारी आनन-फानन घटनास्थल पर पहुंचे। दिल्ली में गुरुवार दोपहर को एक बड़ा ट्रेन हादसा होने से बच गया। यहां शिवाजी ब्रिज के पास हजरत निजामुद्दीन से गाजियाबाद जाने वाली (64419- ईएमयू) ट्रेन पटरी से उतर गई। हादसे के बाद मरम्मत का काम चल रहा है। उत्तर रेलवे के मुताबिक, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से चलकर तिलक ब्रिज होते हुए शिवाजी ब्रिज जा रही थी। रास्ते में दोपहर 4.10 बजे ट्रेन का एक कोच पटरी से उतर गया। सूचना पर रेलवे के कर्मचारी आनन-फानन घटनास्थल पर पहुंचे। उत्तर रेलवे के सीपीआरओ हिमांशु शेखर उपाध्याय ने कहा, निजामुद्दीन से गाजियाबाद जा रही इस मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (एमईएमयू) ट्रेन का एक कोच पटरी से उतर गया। फिलहाल मरम्मत का काम चल रहा है। किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। पटरी से उतरने के कारणों का पता लगाने के लिए एक जांच समिति बनाई गई है और उसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लुटेरा निकला आशिका तीन साल से लिव इन में रह रहा था

ग्रेटर नोएडा, 12 जून। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की विक्ट्री वन सेंट्रल सोसाइटी में रहने वाली एक युवती ने अपने प्रेमी पर मारपीट और सामान लेकर भागने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने इकोटेक-3 कोतवाली में शिकायत दी है। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। आरोप है कि प्रेमी ने शराब के नशे में मारपीट की थी। मूलरूप से गुजरात के वडोदरा की रहने वाली युवती रोक्सेन रीमीडयस ने पुलिस को बताया कि वो महाराजगंज के धनेवा धनय निवासी प्रतीक सिंह के साथ तीन साल से आपसी सहमति संबंध में रह रही थी। आरोप है कि 23 मई को शराब के नशे में उसने मारपीट की। छह जून को वो इसकी शिकायत करने थाने आई थी। आरोप है कि तभी आरोपी फ्लैट में रखा उसका सामान लेकर फरार हो गया। तभी से वो होटल में रह रही है। आरोपी ने उसका मोबाइल नंबर भी ब्लॉक कर दिया है। उसके माता-पिता को भी इसकी जानकारी है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस का कहना है कि दोनों के बीच शादी को लेकर विवाद हुआ था। युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

ऋषिकेश-गंगोत्री हाईवे पर हादसा, टैंपो और कार की भिडंत

कंडीसौड़, 12 जून। ऋषिकेश -गंगोत्री हाईवे पर गुरुवार को दर्दनाक हादसा हो गया। सरोट मंदिर के गेट के पास टैंपो ट्रैवलर और एक कार की भिडंत हो गई। हादसे में कई यात्री घायल हुए हैं। तीन यात्रियों को गंभीर घायल होने पर हायर सेंटर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरनगर -नोएडा के कार सवार यात्री गंगोत्री- यमुनोत्री से यात्रा कर केदारनाथ -बदरीनाथ धाम जा रहे थे। अचानक सरोट मंदिर के पास टैंपो (।।क्र5,ह 9647) और कार(क्क2 क्क्ह 3833) में आमने सामने से भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में किया कार सवार सात लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची छाम थाना पुलिस के द्वारा 108 की सहायता से दुर्घटना में घायल लोगों को नजदीकी अस्पताल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छाम पहुंचाया गया। जिसमें से तीन यात्रियों को रेफर किया गया है।

हरियाणा के मंत्री का दावा, परीक्षा से वंचित नहीं रहेंगे प्रदेश के युवा

कैथल, 12 जून। खनन एवं पंचायत मंत्री कृष्ण पंवार ने गुरुवार को भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के दौरान सीईटी, हरियाणा रिहायशी प्रमाण पत्र और सरल पोर्टल बंद होने की समस्या पर बयान दिया। उन्होंने युवाओं को आश्वासन दिया कि इन मुद्दों के समाधान के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी से दोबारा चर्चा की जाएगी। मंत्री ने कहा कि कोई भी युवा परीक्षा देने से वंचित नहीं होगा। मंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा कि हरियाणा में रिहायशी प्रमाण पत्र न बनने और सरल पोर्टल बंद होने की समस्या मुख्यमंत्री के संज्ञान में है। फिर भी एक बार दोबारा मुख्यमंत्री से इस समस्या के समाधान पर बातचीत की जाएगी। हरियाणा में कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया 28 मई से शुरू हो चुकी है, लेकिन सरल पोर्टल के ठप होने और रिहायशी प्रमाण पत्र न बनने के कारण छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीईटी 2025 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 12 जून 2025 (रात 11:59 बजे तक) निर्धारित की है, जबकि आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 14 जून 2025 (शाम 6 बजे तक) है। हालांकि, सरल पोर्टल के बार-बार क्रैश होने और सर्वर की व्यस्तता के कारण छात्रों को जाति प्रमाण पत्र, रिहायशी प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज बनाने में कठिनाई हो रही है।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Amarjeet Singh S/O Ratan Singh Dabas, R/O NEAR DADA GHANTAL DEV MANDIR, 228, VILLAGE, Rani Khera, North West Delhi, Delhi-110081,declare that name of mine and my father has been wrongly written as Amarjit Singh Dabas and Rattan Singh Dabas in my Arms Licence no NWKN/7/2000/17.The actual name of mine and my father are Amarjeet Singh and Ratan Singh Dabas. Respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SONAM BAGDI spouse of No.GS-194365A Rank-JUNIOR ENGINEER (CIV) Name- DEVENDRA KUMAR KHATIK UNIT ADD.- HQ DGBR SEEMA SADAK BHAVAN, RING ROAD DELHI CANTT, NEW DELHI-110010, R/o WARD No.14 ABDA DARWAJA JATARA, POST OFFICE-JATARA, TEHSIL-JATARA, DISTRICT-TIKAMGARH, STATE MADHYA PRADESH,PIN-472118 have changed my name from SONAM BAGDI to SONAM KHATIK For All Future Purposes. Vide Affidavit Dated 12.06.2025 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

PUBLIC NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Sh. Sanjay Kumar So Mangal Shah, Rio H.No. E-1/133, Block ATO-F. Prem Nagar-3, VTC Kirari Suleman Nagar, District. North West Delhi, Delhi-110086, all her relatives have severed their relations with her son Sh. Sudhanshu Kumar So Sanjay Kumar, R/o H.No. E-1/133, Block ATO-F. Prem Nagar-3. VIC: Kirari Suleman Nagar, District: North West Delhi, Delhi-110086. Now my Client has no relation, whatsoever with the above-said her son namely Sudhanshu Kumar and disowns/dehar him from all her movable and immovable properties. Any person dealing with him in any manner shall be doing so at his own risk and consequences. My client shall not be responsible in any manner whatsoever for the acts and deeds done by Sudhanshu Kumar.
GAURAV RAGHAV Advocate
757, Lawyers Chambers, Dwarka Court Complex, Sector 10, New Delhi-110075

सार्वजनिक सूचना
मै, मो. नासिर S/O बशीरुद्दीन House No. 7557 पनचक्की, सदर बाजार, दिल्ली-110006 मैंने अपने भतीजे शाहरूख पता- 510 शाहिद, H.No. 7557 पनचक्की, सदर बाजार, दिल्ली-110006 को 2011 मे Activa Scooter दिलवाया था, जिसका NO. DL6SAH3055 उसने Scooter 2013 Saraswati Motors मे जो कि स्द्धश्शक्ष ह्रश. 1735/55, Nai Walan, Karol Bagh,Delhi-110005 है, 2013 को बेच दी थी। 2013 से 2025 तक मेरा उस Scooter से किसी भी तरह का कोई संबंध नहीं है।

सार्वजनिक सूचना
मेरे मुवक्किल श्री जोगिंदर सिंह पुत्र श्री स्व. करतार सिंह और उनकी पत्नी श्रीमती संतोष पत्नी श्री जोगिंदर सिंह निवासी WZ-5, बाल्मिकी विहार, नसीर पुर रोड, पालम गांव, जिला: दक्षिण पश्चिम दिल्ली, 110045, ने अपने पुत्र अरविंद कुमार को अपनी तमाम चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर समस्त संबंध विच्छेद कर लिये है। उसके द्वारा किये गये किसी कार्य के लिये मेरे मुवक्किल या उसके परिवार के अन्य लोग जिम्मेदार नहीं होंगे
प्रतीक भारद्वाज अधिवक्ता
कार्यालय: चैम्बर नंबर 425, अधिवक्ता चैंबर सेक्टर-10, द्वारका नई दिल्ली 110075

सार्वजनिक सूचना
यह जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि गुरुकुल स्कूल ऑफ एजुकेशन, इसकी प्रबंधक श्रीमती सरोज तिवारी, पत्नी श्री विनोद कुमार तिवारी के माध्यम से, ग्राम सकरौर, परगना ग्यारिच, तहसील करनैलगंज, जनपद गोंडा, उत्तर प्रदेश स्थित गैर कृषि भूमि, जिसका कुल क्षेत्रफल 0.162 हेक्टेयर (0.0810 + 0.0810 हेक्टेयर) है, जो कि खसरा संख्या 2070 का हिस्सा है, की स्वामित्वधारी है। उपरोक्त भूमि का स्वामित्व निम्नलिखित दो रजिस्टर्ड बिक्री विलेखों के आधार पर स्थापित है- (1) बिक्री विलेख दस्तावेज संख्या 513, बुक संख्या 01, वॉल्यूम संख्या 6698, पृष्ठ संख्या 395-414, दिनांक 17.01.2020, पंजीकृत उप-पंजीयक कार्यालय (SRO), करनैलगंज, गोंडा। (2) बिक्री विलेख दस्तावेज संख्या 21, बुक संख्या 01, वॉल्यूम संख्या 8349, पृष्ठ संख्या 379-406, दिनांक 02.01.2023, पंजीकृत उप-पंजीयक कार्यालय (SRO), करनैलगंज, गोंडा। गुरुकुल स्कूल ऑफ एजुकेशन, अपनी प्रबंधक श्रीमती सरोज तिवारी के माध्यम से, उपरोक्त वर्णित संपत्ति को यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, जिसका पता 102 स्काई हाई, पार्क रोड, हजरतगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226001 है, के पक्ष में ऋण/क्रेडिट सुविधा हेतु बंधक रख चुकी है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE
All concerned are hereby informed through this Public Notice that my client Smt Bala W/o Late Sh Jai Pal R/o 1558-A, Valmiki Mohalla, Som Bazar Main, Najafgarh, South-West Delhi, Delhi-110043, have disowned and debarred her son Sh Nand Kishore and his wife Smt Seema i.e. the daughter in law of my client from all her moveable and immoveable property/ies and cancelled all her relations with them as the above said son and daughter-in-law of my client used to harass, torture, abuse and quarrels my client and are totally out of her control. My client shall not be held responsible for any of their acts, deed and things in whatsoever in any manner and if anyone deals with them shall be deal as per his/her own risk, cost and consequences.
A.K. SINGH ADVOCATE
CHAMBER NO.620
DWARKA COURT COMPLEX, SECTOR-10, DWARKA, NEW DELHI-110075

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Mrs. Shakuntla** was the owner of Property bearing no. XVIII/439, Land area measuring 50 Sq. Yds, situated at Kashmiri Bagh, Kishan Ganj, Delhi – 110007 vide sale deed dated 17.06.2005 doc. No. 3848. She executed Regd. Will dated 22.11.2014 doc. No. 7062 in favour of Mr. Anil Kumar in respect of Said Property. Unfortunately, Mrs. Shakuntla and Mr. Anil Kumar expired and as per SMC shared with us Mr. Anil Kumar left behind his legal heirs are Anju Bala, Akanksha and Anshul Kumar who became owner of the said Property by way of succession. **Anju Bala, Akanksha and Anshul Kumar** intends to transfer the ownership of above-mentioned property by way of Sale Deed to **Vijay Parkash Mishra & Savita Mishra.** Subsequently, **Vijay Parkash Mishra & Savita Mishra** are in the process of mortgaging the said floor with **SMFG India Home Finance Co. Ltd.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting
Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683, E-mail: accounts@lvnorth.in

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHANRAJ S/o DURAISAMY R/o J-3/251 S/F, DDA Flat, Kalkaji, PO: Kalkaji, South Delhi, Delhi - 110019, declare that name of my wife has been wrongly written as PRIYA RAVA in my minor Daughter's Namely AVANTIKA MOHANRAJ aged 7 Years in her School Record. The actual name of my wife is PRIYA RABHA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, ARATIKOTLA APPLANARASAMMA mother of No-15442901N Rank-NK Name-ARATIKOTLA SUTTI BABU residing at 4-56-107, KUMMARIVEEDI, VILL-TAGARAPUVALASA, PO-CHITTIVALASA, TEHSIL-BHEEMUNIPATNAM, DIST-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531162, have changed my name from ARATIKOTLA APPLANARASAMMA to ARATIKOTLA APPALANARASAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 09/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-332568L, Rank-SUB MAJ Name-RAM BABU SHUKLA Residing at VILL-BAIRGAON, PO-BASUHAR, TEHSIL-CHAIL, DISTT-KAUSHAMBI, UTTAR PRADESH-212216, have changed my wife's name from VINITA SHUKLA to VINEETA SHUKLA for all future purposes vide Affidavit dated 12/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as HEMA KAUR GUPTA alias HEMA KAUR D/O JOGINDER SINGH R/O HOUSE NO – 484, E-2 BLOCK, SULTAN PURI, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086 have changed my name and shall hereafter be known as HEMA KAUR.

NAME CHANGE
I, Bhavna Saini / Bhawana / Bhawana Verma W/o Satish Chandra Verma R/o E-59, Phase-1, New Palam Vihar, Choma(62), Gurgaon, Haryana-12201 Have Changed My Name To Bhawna Verma For All Future Purposes

NAME CHANGE
I Sonam Phogaat W/o Rohit Phogaat R/o H.No-1713, B-1, Vasant Kunj, South West Delhi, Delhi-110070 have changed the name of my minor son Rudransh Phogaat aged 9 years and he shall hereafter be known as Rudrransh Rohit Phogaat.

NAME CHANGE
I Sonam Phogaat W/o Rohit Phogaat R/o H.No-1713, B-1, Vasant Kunj, South West Delhi, Delhi-110070 have changed the name of my minor daughter Ryana Phogaat aged 13 years and she shall hereafter be known as Rryanna Phogaat.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Mohd Asif Khan S/O Ibrahim Ali Khan R/O Flat No-S1 2nd Floor, Plot No-89/90, B Block, Hayat Enclave, Loni PO Loni, Dist Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 declare that name of mine has been wrongly written as MD Asif Khan in my 10th class educational documents. The actual name of mine is Mohd Asif Khan which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, LOKESH S/o VED PRAKASH, R/o 1528, Nawada Bazar, Najafgarh, South West Delhi, Delhi - 110043, declare that name of mine, my wife and my minor son has been wrongly written as LOKESH ROHILLA, ANJALI ROHILLA and MEET ROHILLA in my minor Son MEET aged 15 years in his School Record. The actual name of mine, my wife and my minor Son are LOKESH , ANJALI and MEET, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I hitherto known as Kirti D/O Ritu, R/O 517-518, BLOCK P - 4, SULTANPURI, PO: Sultanpuri C Block, DIST: North West Delhi, Delhi - 110086 have changed my name and shall hereafter be known as PIHU.

NAME CHANGE
I, No.-4592443A, Rank-NK Name-DIGAMBAR SAHU Residing at-VILL-NUAGAN, PO-BADAKANTAKUL, TEHSIL-ANGUL, DISTT-ANGUL, ODISHA-759129, have changed my father's name from SATRUGHN SAHU to SATRUGHNA SAHU for all future purposes vide Affidavit dated 12/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.-4592443A, Rank-NK Name-DIGAMBAR SAHU Residing at-VILL-NUAGAN, PO-BADAKANTAKUL, TEHSIL-ANGUL, DISTT-ANGUL, ODISHA-759129, have changed my mother's name from SAROJINEE SAHU to SAROJINI SAHU for all future purposes vide Affidavit dated 12/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-16123848W, Rank-NK Name-THIRUNAVUKARASA R Residing at 64/2, ARASAMARA STREET, VILL-CHENRAYANKOTTAI, PO-ONGAPADI, TEHSIL-ANAICUT, DISTT-VELLORE, TAMIL NADU-632101, have changed my mother's name from RAJESHWARI R to RAJESWARI R for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 22/03/1975 instead of her correct date of birth as 10/09/1972 vide Affidavit dated 12/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-313750W Rank-SUB Name-A ANTO legal father A AJIN Residing at-1513, NELIYAPATTU VILLA, SILUVAIPURAM, KOLLEMCODE, VTC: VILANCODE, PO-KOLLANGODE, SUB DIST-VILAUANCODE, DISTT-KANNIYAKUMARI, TAMIL NADU-629160, have changed my minor son's name from A AJIN to AJIN A for all future purposes vide affidavit dated 12/06/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 2609095W Rank-HAV Name-SRIDHAR GAVARA legal father of PRASANTH KUMAR G residing at VPO-PEDDADIMILI, TEH-BHAMINI, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532455, have changed my minor son's name from PRASANTH KUMAR G to PRASANTH KUMAR GAVARA for all future purposes vide affidavit dated 12/06/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JAYALAXMI mother of No. 2609095W Rank-HAV Name-SRIDHAR GAVARA residing at VPO-PEDDADIMILI, TEH-BHAMINI, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532455, have changed my name from JAYALAXMI to GAVARA JAYALAXMI for all future purposes vide Affidavit dated 12/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-15425994X, Rank-HAV Name-RAJESH KUMAR RAY residing at VILL-GOIYANAR, PO-PIPRA KALAN, TEHSIL-BHAGWANPUR HAT, DIST-SIWAN, BIHAR-841244, have changed my mother's name from SUNAINA KUNWAR to SUNAINA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 12/06/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, Shubham Gangani S/O Ravi Shanker Gangani R/O D-23, Flat No.-303, 3rd Floor, Back Side, D-Block, Chanakya Place Part-1, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi -110059, have changed the name of my minor son namely Shivansh Gangani aged 05 years and he shall hereafter be known as Shobhit Gangani.

NAME CHANGE
I, Satyam S/O Mohan R/O E-96, MCD Flats Nand Nagri , North East Delhi, Delhi -110093, have changed my name and shall hereafter be known as Sandeep

NAME CHANGE
I, Mohamad Sahrukh khan S/O Mohd. Anis Khan R/O H. No. 245/40 School Block Allha Colony, Street No -4, Near Masjid, Mandawali Fazalpur, Mandawali, East Delhi, Delhi -110092, have changed my name and shall hereafter be known as Shahrukh Pathan

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Nasibuddin** is/are the owner of BUILT- UP RESIDENTIAL FLAT ON FIRST FLOOR, upto the extent level i.e. without roof rights, Area Measuring 100 Sq.Yds., i.e. 83.61 Sq. Mtrs., Part of Khasra No.390/263/1/2, of Property Bearing No.B-298, SITUATED in the area of VILLAGE Chilla Saronda Banger in the abadi of Block- B, New Ashok Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi-110096. Vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 12.05.1999 and intend to get the financial assistance from **SMFG India Home Finance Company Limited.** If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048, Ph. No: 011-49774545

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

गैंगस्टर हिमांशु भाऊ गैंग के तीन गुर्गे गिरफ्तार, बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे तीनों

पलवल . पलवल एसटीएफ के हाथ बड़ी सफलता लगी है। टीम ने कुख्यात नीरज फरीदपुरिया-हिमांशु भाऊ गैंग के लंबे समय से फरार तीन ईनामी बदमाश- नीरज उर्फ गंजा पुत्र चंदरपाल, सोनू पुत्र कमल निवासीगण फतेहपुर बिल्लौच थाना सदर बल्लभगढ जिला फरीदाबाद व विनीत उर्फ गोलू पुत्र लोकेंद्र निवासी मुकीमपुर मंढैया थाना भोजपुर जिला गाजियाबाद को काबू किया है।

आरोपी नीरज उर्फ गंजा व सोनू पर 10-10 हजार व विनीत उर्फ गोलू पर 1 लाख रुपए का ईनाम घोषित है। उपरोक्त बदमाश नीरज फरीदपुरिया-हिमांशु भाऊ गैंग के शूटर हैं। आरोपी नीरज उर्फ गंजा व सोनू मंजीत निवासी डीघल की हत्या में शामिल थे तथा वारदात के बाद से अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग जगह पर छिपकर रह रहे थे जिनको एसटीएफ हरियाणा इकाई पलवल की टीम ने कोलकाता से काबू करने में सफलता प्राप्त की है।

बड़ी वारदात को अंजाम देने वाले थे तीनों

दोनों बदमाशों की गिरफ्तारी पर,छ्ठत्क्करोहतक रेंज ने 10-10 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया हुआ है। आरोपी विनीत उर्फ गोलू नीरज फरीदपुरिया-हिमांशु भाऊ गैंग का शूटर है जो हत्या के मुकदमें में सुनवाई के दौरान माननीय न्यायालय गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से चकमा देकर फरार हो गया था जिसकी गिरफ्तारी पर 1 लाख रुपए का ईनाम घोषित कर रखा था। विनीत उर्फ गोलू उपरोक्त गैंग के हैंडलर नीरज फरीदपुरिया के दिशानिर्देशों के अनुसार गैंग के अन्य सदस्यों नीरज उर्फ गंजा व सोनू के साथ पहचान छिपाकर कोलकाता में रह रहा था। तीनों आरोपी पलवल में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने कि फिराक में थे। एसटीएफ की टीम ने तीनों आरोपियों को वारदात को अंजाम देने से पहले ही कोलकाता शहर से काबू करके सफलता हासिल की है।

हरियाणा में महंगी हुई शराब, जानें कितने बढ़े दाम

हरियाणा डेस्क. हरियाणा में शराब के शौकीनों के लिए बुरी खबर आई है। आज से शराब पीने वालों को अपनी जेब और ढीली करनी पड़ेगी। राज्य सरकार की नई आबकारी नीति बुधवार आधी रात से लागू हो गई है, जिसके चलते देसी, अंग्रेजी शराब और बीयर के दामों में बढ़ोतरी की गई है। शराब ठेकों के संचालन समय को भी बदला गया है। गांवों में अक्टूबर तक सुबह 8 बजे से रात 11 बजे तक और नवंबर से मार्च तक सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक ठेके खुलेंगे। शहरों में सुबह 8 बजे से रात 12 बजे तक ठेके खुलेंगे।

इतनी महंगी हुई शराब

देसी शराब- देसी शराब अब 10 से 15 रुपये तक महंगी हो चुकी है। नई नीति के तहत देसी शराब की सभी यूनिट्स पर कीमतें बढ़ा दी गई हैं। अब बोतल रुपये 175 से बढ़कर 190 रुपये हो गई है।

अंग्रेजी शराब- अंग्रेजी शराब की प्रीमियम से डीलक्स तक कीमतों में इजाफा हुआ है। भारत में निर्मित विदेशी शराब के विभिन्न वर्गों में 1.6त्न से लेकर 20त्न तक की बढ़ोतरी की गई है।

बीयर. बीयर की कीमतों में भी 23त्न से 44त्न तक महंगी हुई है। 650 एमएल की बीयर पर कीमतों में जबरदस्त इजाफा हुआ है। सामान्य बीयर 90 से 130 रुपये की हो गई है। माइल्ड बीयर अब 110 रुपये की जगह 150 रुपये में मिलेगी। स्ट्रॉन्ग बीयर की कीमत में 30 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब यह 160 रुपये में मिलेगी।

राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा का डोनाल्ड पर विवादित बयान, बोलीं- ट्रंप का बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना जैसा हाल

यमुनानगर . हरियाणा की राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियां का गुणगान करते समय डोनाल्ड ट्रंप को लेकर विवादित बयान दिया। हरियाणा के यमुनानगर जिले के युवक को अमेरिका में पीटने को लेकर भी उन्होंने कहा कि भारत का विदेश मंत्रालय परिवार के संपर्क में है।

दरअसल, हरियाणा की राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा आज यमुनानगर बीजेपी दफ्तर पहुंची। रेखा शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता के बीच रखा। रेखा शर्मा ने डोनाल्ड ट्रंप को लेकर एक बड़ा और विवादित बयान दिया। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मध्यस्थता को लेकर कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच कोई मध्यस्थता नहीं कराई वह तो बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाने जैसे दिखाई दिए।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के दूतावास के अधिकारियों के बीच बातचीत हुई और उसके बाद सीजफायर हुआ। रेखा शर्मा ने आगे कहा की डोनाल्ड ट्रंप भी भारत की लीडरशिप और उभरते भारत को देखकर डरने लगा है। वह नहीं चाहता कि भारत अमेरिका के बराबर खड़ा हो इसलिए वह पाकिस्तान के साथ अपने तालुकात बेहतर बनाने में लगा हुआ है। रेखा शर्मा ने अल्पसंख्यकों को लेकर बीजेपी का विजन क्लियर किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष भ्रम फैलाता है कि बीजेपी अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। लेकिन ऐसा नहीं है।अमेरिका में यमुनानगर के युवक की बेरहमी से पिटाई और अवैध तरीके से अमेरिका पहुंचने पर उन्होंने कहा कि भारत का विदेश मंत्रालय परिवार के संपर्क में है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले हरियाणा विस स्पीकर हरविंदर कल्याण, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

चंडीगढ़ . हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ आधिकारिक बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच गुरुग्राम में होने वाले शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर चर्चा हुई। बैठक में यह तय हुआ कि शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आगामी 3 और 4 जुलाई को गुरुग्राम में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी हरियाणा विधानसभा करेगी।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने हरियाणा विधानसभा की ओर से मेजबानी का अवसर प्रदान करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। कल्याण ने कहा कि इस सम्मेलन में देशभर से शहरी स्थानीय निकायों से जुड़े जनप्रतिनिधि, विशेषज्ञ और नीति निर्माता भाग लेंगे। यह सम्मेलन शहरी विकास, स्थानीय स्वशासन और नागरिक सेवाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित होगा।

गौरतलब है कि हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन को कामयाब बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। इस सिलसिले में उन्होंने बीते सोमवार को विधान सभा सचिवालय में प्रदेश सरकार और हरियाणा विधान सभा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रत्येक व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की थी। इस बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता, अतिरिक्त निदेशक वाई. एस. गुप्ता, सूचना, जनसंपर्क, कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग समेत अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे थे। इससे पूर्व 5 जून को गुरुग्राम में इस सम्मेलन की तैयारियां को लेकर बैठक की गई थी। इस बैठक में सम्मेलन की व्यवस्था को लेकर बारीकी से चर्चा की गई थी। प्रत्येक व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जा रहे हैं।

सावधान! अब ठगों ने Haryana में CET के नाम से बनाया फर्जी पेज, रजिस्ट्रेशन की डेट बढ़ाने की फैलाई अफवाह

हरियाणा डेस्क . हरियाणा में CET के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया चल रही है। कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) रजिस्ट्रेशन का आज अंतिम दिन है। आज रात 12 बजे तक युवा अप्लाई कर पाएंगे। इसके बाद 14 जून तक कैंडिडेट्स फीस जमा करवा सकते हैं। अब साइबर ठगों ने सीईटी के लिए फर्जी पोर्टल के बाद सोशल मीडिया पर फर्जी पेज बनाने शुरू कर दिए हैं। साथ ही इन पेजों पर अफवाह फैलाई जा रही है कि CET रजिस्ट्रेशन के लिए डेट बढ़ा दी गई है।

हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (HSSC) के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने बताया कि 50 फर्जी पेज बनाए गए हैं। हमने इसके खिलाफ FIR दर्ज करवा दी है। कमीशन का सोशल मीडिया पर कोई भी ऑफिशियल पेज नहीं है।

वहीं हिम्मत सिंह ने कहा है कि एक अभ्यर्थी द्वारा सीईटी रजिस्ट्रेशन के दौरान एक ही समय पर 3 से ज्यादा बार ह्र्ड्डक्क रिक्वेस्ट की गई थी, जिसकी वजह से सॉफ्टवेयर ने इस यूजर को एक घंटे के लिए ब्लॉक कर दिया है। अन्य अभ्यर्थी ध्यान दें कि सीईटी रजिस्ट्रेशन पोर्टल सही तरीके से काम कर रहा।

आग उगलता June, हरियाणा के 9 जिलों में लू का अलर्ट...जानें कब मिलेगी राहत

हरियाणा डेस्क . हरियाणा में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। आधे से ज्यादा जिलों में 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तापमान पहुंच गया है। सूबे में लू चल रही है जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। इस बीच मौसम विभाग ने 13 जून यानि कल तक 9 जिलों में लू का रेड अलर्ट जारी किया है। अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वहीं 14 से 16 जून के बीच धूलभरी हवा और बूंदाबांदी के आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार हरियाणा में 3 दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि इसके बाद तापमान में गिरावट देखी जा सकती है। उधर गुरुग्राम के छ्ठ्ठ ने अगले कुछ दिनों तक लोगों को सुबह 11 से शाम 4 बजे तक घरों में रहने की एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि जरूरी काम हो तभी घर से बाहर निकले। अगर आप बाहर निकल रहे हैं तो अपना चेहरा और सिर ढककर ही बाहर जाएं।

सबसे गर्म जिला रहा सिरसा

वहीं हरियाणा के अधिकतम तापमान में बुधवार को 0.9 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश का अधिकतम तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच गया है। सबसे गर्म जिला सिरसा रहा।

मेरा पति अभी जिंदा है... सी.एस.सी. संचालक ने बनावा दी महिला की विधवा पैंशन

जींद . नरवाना में सी.एस.सी. संचालक ने पति के जिंदा होने के बाद भी महिला की विधवा पेंशन बनवा दी जबकि महिला का पति बुढ़ापा पैंशन ले रहा था। सी.एस.सी. संचालक ने दम्पति से पैंशन की एवज में 40 हजार रुपए लिए थे। मामले का भंडाफोड़ होने के बाद शहर थाना नरवाना पुलिस ने सी.एस.सी. संचालक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक गांव हरनामपुरा निवासी जसबीर व उसकी पत्नी कांता ने पुलिस को बताया कि वह दोनों अनपढ़ हैं। गांव का ही दीपक फौजी नरवाना में सी.एस.सी. सैंटर चलाता है। वर्ष 2021 में दीपक उनके घर आया और कहा कि वोटर कार्ड के हिसाब से उनकी उम्र 60 साल बन रही है। वह दोनों की बुढ़ापा पैंशन बनवा देगा। जिसके लिए दीपक से उनसे 40 हजार रुपए ले लिए। उनकी पैंशन भी शुरू हो गई। फर्जीवाड़े का भंडा अब उस दौरान फूटा जब आंगनबाड़ी वर्कर ने घर पहुंच कर कांता से उसके पति जसबीर का मृत्यु प्रमाण पत्र मांगा। जिस पर कांता ने कहा कि उसका पति अभी जिंदा है और स्वस्थ्य के साथ बुढ़ापा पैंशन भी ले रहा है। जसबीर व कांता ने आरोप लगाया कि सी.एस.सी. संचालक दीपक ने उन्हें गुमराह करके फर्जीवाड़े को अंजाम दिया है। सदर थाना नरवाना के जांच अधिकारी पवन कुमार ने बताया कि पुलिस ने जसबीर व उसकी पत्नी कांता की शिकायत पर आरोपी सी.एस.सी. संचालक दीपक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिग्विजय ने HAU में छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना को बताया बेहद शर्मनाक, बोले- सरकार कार्रवाई कर दोषियों को दे सजा

चंडीगढ़. जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में सुरक्षाकर्मियों द्वारा छात्रों पर बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज और अभद्रता करने की घटना की कड़ी आलोचना की है। दिग्विजय चौटाला ने घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे बेकसूर छात्रों पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सरासर दमनकारी नीति अपनाई, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस घटना पर तुरंत एक्शन लें और उच्च स्तरीय जांच करवाकर दोषी अधिकारियों, सुरक्षाकर्मियों पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही छात्रों की आवाज दबाने की बजाय उनकी मांगों को तुरंत सुना जाए और उनका समाधान करवाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटनाक्रम में पुलिस ने कई लोगों पर एफआईआर दर्ज करके केवल खानापूर्ति की है, जिससे पीड़ित छात्र संतुष्ट नहीं है इसलिए घटना के जिम्मेदार सभी अधिकारियों, सुरक्षाकर्मियों पर ठोस कार्रवाई हो। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जेजेपी पूरी तरह एचएयू के पीड़ित छात्रों के साथ खड़ी है और जेजेपी नेताओं ने मुख्यमंत्री से इस पूरे घटनाक्रम को लेकर तुरंत कदम उठाने की मांग की है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जेजेपी ने सरकार से मांग की है कि इस पूरी घटना की जांच कम से कम आईजी स्तर के अधिकारी से करवाएं और लाठीचार्ज, धक्के मारने और जानलेवा हमले की घटना के दोषियों पर सख्त कार्रवाई करें। इतना ही सरकार द्वारा इस आंदोलन में छात्रों द्वारा उठाई गई मांगों पर भी विश्वविद्यालय प्रशासन को सकारात्मक रूख अपनाने के निर्देश दिए जाए

जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कहा कि मंगलवार दोपहर को एचएयू के छात्र स्कॉलरशिप और अन्य मांगों को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन से मिलना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने उनकी आवाज सुनने की बजाय सुरक्षाकर्मियों द्वारा बल प्रयोग करवाकर युवाओं पर तानाशाही रवैया अपनाया।

दिग्विजय चौटाला ने कहा कि छात्रों की मांगों को गंभीरता से लेना तो दूर प्रशासन द्वारा दोबारा देर रात छात्रों के साथ मारपीट करवाई गई, जिसमें अनेक छात्रों को गंभीर चोटें लगी। उन्होंने कहा कि बड़ी शर्म की बात है कि प्रशासन द्वारा स्थिति नियंत्रण करने की बजाय दोबारा देर रात टकराव के हालात पैदा किए गए और छात्रों पर लाठियां चलाकर उन्हें लहूलुहान किया गया।

दिग्विजय ने कहा कि यह युवा छात्रों के उच्च शिक्षा के सपनों को तोड़ने वाला और उन्हें एक बुरे सपने की तरह अनुभव करवाने वाला घटनाक्रम है। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्याओं के समाधान की बजाय छात्रों पर दमनकारी तरीके से लाठियां चलवाना शिक्षा के मंदिर में एक अनहोनी जैसा है, जिसे जानबूझ कर अंजाम दिया गया है।

हरियाणा के इस शहर तक होगा ग्रीन लाइन मेट्रो का विस्तार, यात्रियों को मिलेगी राहत

दिल्ली मेट्रो के चौथे फेज में इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ एक ग्रीन लाइन का विस्तार किया जाएगा। इस ग्रीन लाइन का निर्माण कार्य 2029 तक पूरा होगा। इससे बहादुरगढ़ से दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

बहादुरगढ़ . दिल्ली मेट्रो के चौथे फेज में इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ एक ग्रीन लाइन का विस्तार किया जाएगा। इस ग्रीन लाइन का निर्माण कार्य 2029 तक पूरा होगा।

इससे बहादुरगढ़ से दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) ने इसके डिजाइन और निर्माण के लिए टेंडर आमंत्रित किया है।

DMRC के अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो के चौथे फेस के तहत इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ तक 12.3 किलोमीटर तक विस्तार किया जाएगा।

इस रूट पर 10 नए मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इसमें लाजपत नगर से साकेत त्न-ब्लॉक का विस्तार 8 किलोमीटर लंबा भाग अब गोल्डन लाइन का हिस्सा बनेगा। इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ तक ग्रीन लाइन के विस्तार से हरियाणा के लोगों को भी फायदा होगा। इस लाइन से बहादुरगढ़ से यात्री ग्रीनलाइन के जरिए इंद्रप्रस्थ से दिल्ली के अलग-अलग इलाकों तक पहुंच सकेंगे।

पानीपत में 3 मकानों पर चलाई गोलियां, एक ही एंगल में की फायरिंग, पुलिस जांच में खुला बेहद चौकाने वाला राज

पानीपत .पानीपत शहर में बीती रात 3 अलग-अलग मकानों पर गोलियां चलाई गईं। घटना का पता गुरुवार सुबह तब चला, जब स्थानीय लोगों ने गोलियों के खोल और मकानों को हुए नुकसान को देखा। लोगों ने रात को गोलियां चलने की आवाज भी सुनी थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। फायरिंग का एक ही एंगल है और जहां से गोलियां चलाने का शक है, वहां मकान में 4 कपल लिव इन में रहते हैं।

पुलिस और स्नस्रु की टीमों ने संयुक्त जांच में पाया कि तीनों मकानों पर एक ही एंगल से गोलियां चलाई गई हैं, जो एक महत्वपूर्ण सुराग माना जा रहा है। दोनों टीमों ने मौके से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। घटना की जांच के लिए पुलिस की कई टीमें अलग अलग एंगल पर काम कर रही हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस जल्द ही इस रहस्यमय घटना का खुलासा करने का दावा कर रही है।

पहले एक जगह गोली चलने की थी सूचना

मिली जानकारी के अनुसार शहर के न्यू मॉडल टाउन में ये वारदात हुई है। सुबह पुलिस को स्थानीय निवासी कुलदीप ने गोली चलने की सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जब पुलिस ने स्नस्रुटीम के साथ मौके पर जांच-पड़ताल करनी शुरू की, तो मौके से एक खाली खोल बरामद हुआ। मामले की जांच करते हुए पुलिस को पता लगा कि एक नहीं, बल्कि तीन जगहों पर गोलियां चली है। पुलिस ने मौके से कई बुलेट भी बरामद किए है

जांच में सामने आया कि एक खाली प्लॉट में खड़ी कुलदीप की गाड़ी में गोली लगने से शीशा टूटा है। वहां से पुलिस ने सबसे पहले खोल बरामद किया। इसके बाद वहीं, पड़ोस में देखा कि प्रवीन के मकान के शीशे भी टूटे हुए थे।

NAME CHANGE

I, Aishwarya Theppadagandi Suryanarayana Gogate D/o Suryanarayana Gogate R/o 3rd floor, 2331, Sector 43, Gurgaon, PO: Gurgaon, Dist: Gurgaon, Haryana - 122001 have changed my name and shall hereafter be known as Aishwarya Gogate

NAME CHANGE

I, Jyoti Verma D/o Naresh Verma R/o 1682, Gali No-10 Sanjay Colony, 22 Foot Road Sector-23, Faridabad Sector-22, Faridabad Haryana-121005 hereby undertake that I Jyoti Verma want to change my name to Mihir Verma and gender as male. I Jyoti Verma henceforth be known as Mihir Verma S/o Naresh Verma

भारत में ग्रीन हाइड्रोजन होगा 40 प्रतिशत सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में ग्रीन हाइड्रोजन की लागत में आने वाले समय में बड़ी गिरावट हो सकती है। भारत ने 2030 के अंत तक 5 मिलियन टन की हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

भारत में ग्रीन हाइड्रोजन की लागत में 40 प्रतिशत तक गिरावट आने की संभावना है। इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े लक्ष्य रखने वाले भारत में ग्रीन हाइड्रोजन की लागत कम हो सकती है। यह गिरावट सरकार के समर्थन से होगा। ग्रीन हाइड्रोजन बनाने की औसत लागत धीरे-धीरे गिरकर 260 से 310 प्रति किलोग्राम के बीच आ सकती है, यानी लगभग 3 से 3.75 डॉलर प्रति किलोग्राम।

भारत हाइड्रोजन निर्माताओं को सस्ती अक्षय बिजली प्रदान करते आ रहा है, ओपन एक्सेस के लिए अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन शुल्क माफ किया है

सरकार की नीतियों से लागत में बड़ी गिरावट की संभावना

और वितरण और ट्रांसमिशन शुल्क कम किया गया है। साथ ही, हाइड्रोजन के लिए जीएसटी दर को घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है।

इसके अलावा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इलेक्ट्रोलाइजर निर्माताओं के कुल सिस्टम लागत में 7 से 10 प्रतिशत की गिरावट आएगी। इलेक्ट्रोलाइजर एक ऐसा उपकरण है जो बिजली का उपयोग करके पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में अलग करता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भले ही हरित हाइड्रोजन योजना भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन दीर्घकालिक निवेश और परियोजना को बढ़ावा देने के लिए इसमें सुधार की जरूरत है। इसमें कहा गया कि भारत में हरित हाइड्रोजन मिशन को उद्योग जगत ने उत्साह के साथ अपनाया है। हालांकि, इस क्षेत्र में स्टार्टअप को आकर्षित करने और वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनने के लिए आपूर्ति श्रृंखला बनाने और मांग को सुरक्षित करने की योजना को बेहतर बनाना होगा। अगर यह सफल रहा, तो यह कृषि, परिवहन और विनिर्माण सहित कई क्षेत्रों के लिए लाभ पहुंचाएगा। साथ ही, भारत के हरित हाइड्रोजन उद्योग को बनाने में मदद कर सकता है।

20 रुपए से कम का शेयर बना रॉकेट, निवेशकों पर बरसा रहा पैसा

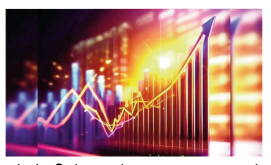

नई दिल्ली, एजेंसी। रतनइंडिया पावर लिमिटेड के शेयरों में जबरदस्त तेजी जारी है। बुधवार को बाजार खुलने के महज आधे घंटे के भीतर शेयर ने एक बार फिर जोरदार उछाल दर्ज किया। इससे पहले मंगलवार को भी यह स्टॉक करीब 18 प्रतिशत तक चढ़ा था। 20 रुपए से कम कीमत वाला यह स्टॉक इस सप्ताह अब तक 40 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दे चुका है, जिससे निवेशक और विश्लेषक दोनों ही हैरान हैं। बुधवार सुबह शेयर ने तेजी के साथ शुरुआत की और 12.70 प्रतिशत की उछाल के साथ 16.14 के स्तर तक पहुंच गया, जबकि मंगलवार को यह 14.32 पर बंद हुआ था। हालांकि इसके बाद मामूली मुनाफावसूली देखी गई और सुबह 10 बजे यह शेयर करीब 10.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 15.78 पर ट्रेड कर रहा था। इस शेयर में इस हफ्ते यानी सोमवार से लेकर अब तक जबरदस्त तेजी आई है। शुक्रवार को यह 11.19 रुपए पर बंद हुआ था। आज यानी बुधवार को यह अधिकतम 16.14 रुपए पर पहुंच गया।

1 जुलाई से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे तत्काल टिकट, रेल मंत्रालय का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। 10 जून, 2025 के एक परिपत्र में मंत्रालय ने सभी क्षेत्रों को सूचित किया कि यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि तत्काल योजना का लाभ आम अंतिम उपयोगकर्ताओं को मिले। इसके तहत अब केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही तत्काल टिकट बुक करवा सकेंगे। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। रेल मंत्रालय ने बताया है कि एक जुलाई 2025 के बाद से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही तत्काल योजना के तहत टिकट बुक कर सकेंगे। 10 जून, 2025 के एक परिपत्र में मंत्रालय ने सभी क्षेत्रों को सूचित किया कि यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि तत्काल योजना का लाभ आम अंतिम उपयोगकर्ताओं को मिले। मंत्रालय ने कहा, 01-07-2025 से तत्काल योजना के तहत टिकट भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट/इसके ऐप के माध्यम से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे। इसके बाद, 15 जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा।

सरकार चलाएगी अभियान

बैंकों में जमा हजारों करोड़ रुपए लौटाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के बैंकों में हजारों करोड़ रुपए वर्षों से लावारिस पड़े हैं, जिन पर किसी ने अब तक दावा नहीं किया है। अब केंद्र सरकार इस दिशा में गंभीर होती दिख रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी वित्तीय नियामकों और संबंधित विभागों को इन जमाओं के असली मालिकों की पहचान कर राशि लौटाने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि सही दावेदारों तक इन जमाओं को पहुंचाने और केवाईसी प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाने की जरूरत है। इसके लिए सभी नियामकों को जिला स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने को कहा गया है।

सीतारमण ने कहा कि जिला स्तर पर विशेष शिविरों के जरिए इस राशि को सही मालिकों तक पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। यह अभियान भारतीय रिजर्व बैंक, सेबी, बीमा नियामक, पेंशन नियामक, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय और बैंकिंग संस्थाओं के सहयोग से चलाया जाएगा।

दावा न किए गए फंड्स में सिर्फ बैंकों की जमा राशि ही नहीं, बल्कि शेयर,

लाभांश, बीमा और पेंशन कोष की भी बड़ी हिस्सेदारी है।

आरबीआई की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 के अंत तक बैंकों में दावा न की गई जमा राशि 26 फीसदी बढ़कर 78,213 करोड़ रुपए हो गई थी। यह रकम वर्षों से निष्क्रिय खातों, मृतक खाताधारकों की राशि या अधूरी केवाईसी प्रक्रियाओं के कारण अटकी हुई है। वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, अनिवासी भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों के लिए भी डिजिटल केवाईसी सुविधा को आसान बनाने पर चर्चा हुई। बैठक में केवाईसी को लेकर एक समान मानदंड और डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

यह चर्चा वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद की बैठक में हुई, जिसकी अध्यक्षता खुद वित्त मंत्री सीतारमण ने की। बैठक में आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास, सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे, वित्त सचिव अजय सेठ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सरकार ने लिया ऐसा फैसला, स्वदेशी शराब वाले स्टॉक 18% तक उछले

विदेशी लिकर से जुड़े शेयर बुरी तरह गिरे

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार के एक फैसले से शराब कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। दरअसल, राज्य सरकार ने भारत में निर्मित विदेशी शराब पर एक्साइज ड्यूटी में बढ़ोतरी कर दी है। इस वजह से शराब कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई। हालांकि, कुछ शराब बनाने वाली कंपनियों के

शेयर तेजी से चढ़े हैं।

आज बाजार खुलने के बाद यूनाइटेड ब्रुवरीज, एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स, रेडिको खेतान और यूनाइटेड स्पिरिट्स जैसी प्रमुख शराब कंपनियों के शेयरों में 5 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। वहीं, सुला वाइनयार्ड्स, जीएम ब्रेवरीज और सोम डिस्टलरीज के शेयरों में 11 प्रतिशत तक की तेजी आई है।

यूनाइटेड स्पिरिट्स के शेयरों में 7.75%, एलाइड ब्लेंडर्स में 3.24%, तिलकनगर इंडस्ट्री में 2% और रेडिको खेतान में 1.90% की गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है।

वहीं, सुला वाइनयार्ड्स के शेयर 8%, सोम डिस्टिलरीज के शेयर 3.25% और जीएम ब्रेवरीज के शेयर 18 % की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं।

सुला वाइनयार्ड्स समेत अन्य शराब कंपनियों के शेयरों में तेजी के पीछे का कारण यह है कि निवेशकों को उम्मीद है कि महाराष्ट्र स्थित इन कंपनियों को नई पॉलिसी से महाराष्ट्र निर्मित शराब कैटेगरी से फायदा मिलेगा।

दरअसल, महाराष्ट्र कैबिनेट द्वारा मंजूर नई दरों के तहत, आईएमएफएल पर एक्साइज ड्यूटी विनिर्माण लागत के तीन गुना से बढ़कर 4.5 गुना हो जाएगा, जबकि देसी शराब पर यह शुल्क 180 रुपये से बढ़कर 205 रुपये प्रति प्रूफ लीटर हो जाएगा। सरकार के इस कदम से सालाना 14,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होने की संभावना है।

एक अगस्त से यूपीआई के नियमों में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। युपीआई के नियमों में 1 अगस्त से बड़े बदलाव होने जा रहे हैं, जो देश के डिजिटल भुगतान सिस्टम की मजबूती और स्थिरता के लिए जरूरी हैं। यूपीआई पर हो रहे बढ़ते ट्रांजैक्शन के दबाव को कम करने और सिस्टम की गति बनाये रखने के लिए नई पाबंदियां

लागू की जा रही हैं। खासतौर पर बैंक बैलेंस चेकिंग, बैंक खातों की जानकारी देखने और ऑटोमेटिक सब्सक्रिप्शन पेमेंट पर सीमाएं लगाई जाएंगी। आइए जानते हैं इन बदलावों की पूरी जानकारी और उनका आपके डिजिटल लेनदेन पर क्या असर होगा।

देश में यूपीआई से हो रहे भारी ट्रांजैक्शन की वजह से सिस्टम पर लोड काफी बढ़ गया है। तकनीकी नियमों में बदलाव का उद्देश्य गैरजरूरी और बार-बार आने वाली एपीआई रिक्वेस्ट को कंट्रोल करना है ताकि यूपीआई सिस्टम की स्थिरता बनी रहे और यह तेजी से काम करता रहे।

अब आप दिन भर में केवल 50 बार अपने बैंक अकाउंट का बैलेंस यूपीआई ऐप के जरिए देख पाएंगे। इससे अत्यधिक बार बार बैलेंस चेक करने वाले उपयोगकर्ताओं पर कंट्रोल होगा।

अगर आपके मोबाइल नंबर से कई बैंक अकाउंट लिंक हैं, तो आप इन खातों की जानकारी एक दिन में सिर्फ 25 बार देख पाएंगे। इससे डेटा की अधिकता और सिस्टम पर अनावश्यक भार कम होगा।

नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, एसआईपी जैसी सेवाओं के लिए ऑटोमेटिक पेमेंट अब केवल नॉन पीक ऑवर्स में ही किए जा सकेंगे।

यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को आम जनता तक पहुंचा दिया है। बिना बैंक डिटेल्स के, सिर्फ मोबाइल नंबर या त्तक्र कोड से ट्रांजैक्शन करना अब आम बात हो गई है। लाखों छोटे व्यापारी, रिक्शा चालक और कंस्यूमर इससे जुड़े हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यूपीआई सिस्टम के लगातार बढ़ते उपयोग को देखते हुए यह कदम जरूरी था ताकि प्लेटफॉर्म सुचारू रूप से काम करता रहे। नए नियमों से तकनीकी सुधार होगा, लेकिन यूजर एक्सपीरियंस पर भी खास ध्यान रखा गया है ताकि आम जनता को कोई असुविधा न हो।

भारतीय शेयर बाजार का जलवा, अमेरिका-चीन को पछाड़ा, बना दुनिया का टॉप ग्रोइंग शेयर मॉर्केट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने जबरदस्त छलांग लगाते हुए वैश्विक मंच पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। मार्च 2025 की शुरुआत से अब तक भारत में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 1 ट्रिलियन डॉलर बढ़कर 5.33 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। 21 प्रतिशत की यह वृद्धि दुनिया के टॉप 10 शेयर बाजारों में सबसे तेज़ है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ भारत ने अमेरिका और चीन जैसे दिग्गज बाजारों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे तेज़ी से बढ़ता शेयर बाजार बनने का गौरव हासिल किया है। भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के बाद वैश्विक स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा बाजार है। वैश्विक स्तर पर भारत के बाद जर्मनी के बाजार ने दूसरा सबसे बड़ा लाभ दर्ज किया, जिसका एमकैप इस अवधि के दौरान लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा। कनाडा में लगभग 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि हांगकांग में 9 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई। जापान और यूनाइटेड किंगडम में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो दुनिया का सबसे बड़ा इक्विटी बाजार है, ने लगभग 2.4 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की, जबकि दूसरे सबसे बड़े चीन में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। फ्रांस और ताइवान ने क्रमशः 3.9 प्रतिशत और 3.2 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की। मार्च महीने से लेकर अबतक भारत के बेंचमार्क सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी में 12.5 प्रतिशत और 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमशः 20.7 प्रतिशत और 26 प्रतिशत से अधिक चढ़े हैं। भारतीय शेयर बाजार में रैली लौटने से निवेशकों की बंपर कमाई हुई है। इससे निवेशक एक बार फिर गदगद हैं।

ई-कॉमर्स और खुदरा व्यापार से जुड़ी नीतियों को बेहतर बनाने पर हो रही चर्चा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खुदरा व्यापार नीति पर भी चर्चा चल रही है क्योंकि ये दोनों एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड से राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति तैयार करने के लिए सुझाव देने को कहा है। प्रस्तावित राष्ट्रीय ई-कॉमर्स और खुदरा व्यापार नीतियों पर चर्चा चल रही है क्योंकि दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। विभिन्न देशों के साथ व्यापार वार्ता के लिए विदेश दौरे पर गए वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह बात कही है। उन्होंने कहा है कि चूंकि ई-कॉमर्स क्षेत्र एक उभरता हुआ और तेजी से बदलता हुआ विषय है, इसलिए हमने कुछ विचार सामने रखे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इसे और अधिक समसामयिक बनाने के लिए हमें नीति में संशोधन करना होगा और इस पर चर्चा चल रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खुदरा व्यापार नीति पर भी चर्चा चल रही है क्योंकि ये दोनों एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड से राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति तैयार करने के लिए सुझाव देने को कहा है। वर्ष 2021 में खुदरा व्यापार को सुव्यवस्थित करने और खुदरा व्यापार क्षेत्र के सभी स्वरूपों के सामंजस्यपूर्ण ढंग से विकास के लिए खुदरा व्यापार नीति का मसौदा तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य व्यापार को आसान बनाना, किफायती ऋण तक आसान और त्वरित पहुंच सुनिश्चित करना व खुदरा व्यापार के आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण को सुविधाजनक बनाना है। इससे पहले, मंत्रालय ने राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीतियों के दो प्रारूप जारी किए हैं। 2019 के मसौदे में ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र के छह व्यापक क्षेत्रों- डेटा, बुनियादी ढांचे का विकास, ई-कॉमर्स बाजार, नियामकीय मुद्दे, घरेलू डिजिटल अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करना और ई-कॉमर्स के जरिए निर्यात को बढ़ावा देने पर ध्यान देने का प्रस्ताव किया गया है।

सेंसेक्स 82,515 और निफ्टी 25,140 के पार बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार (11 जून) को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 123 अंक की तेजी के साथ 82,515 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी में 37 अंक की तेजी रही, ये 25,141 के स्तर पर क्लोज हुआ।

इससे पहले सेंसेक्स में 310 अंक से ज्यादा की तेजी रही, ये 82,712 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी में भी करीब 102 अंक की

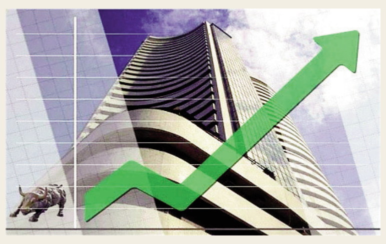

तेजी रही, ये 25,206 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,385 पर और कोरिया का कोस्पी 0.66 प्रतिशत चढ़कर 2,890 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.84% गिरावट के साथ 24,366 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.53 प्रतिशत गिरकर 3,402 पर कारोबार कर रहा है। 10 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.25 प्रतिशत बढ़कर 42,866 पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक कंपोजिट 0.63 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर चांदी के दाम, इस लेवल तक जाएगी कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार बढ़ रही चांदी की कीमतों ने सबको चौंका दिया। फिलहाल चांदी का भाव प्रति किलो 1 लाख से ऊपर चल रहा है और बाजार विशेषज्ञों का अनुमान है कि दिवाली तक यह 1.30 लाख प्रति किलो के पार पहुंच सकता है। यह तेजी सिर्फ आम ग्राहकों ही नहीं, बल्कि निवेशकों के लिए भी एक बड़ा संकेत मानी जा रही है। केडिया एडवाइजरी के निदेशक अजय सुरेश केडिया के मुताबिक, वैश्विक बाजार में तकनीकी ब्रेकआउट के चलते चांदी की कीमत में यह उछाल देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि आने वाले महीनों में चांदी का भाव 1.25 लाख से 1.30 लाख प्रति किलो के बीच पहुंच सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव 37 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया है, जो एक महत्वपूर्ण स्तर माना जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव में कुछ नरमी आने से भी औद्योगिक मांग में तेजी आई है। विशेषज्ञों के अनुसार, चांदी की मांग इलेक्ट्रिक वाहनों, 5G तकनीक और क्लीन एनर्जी सेक्टर में सबसे अधिक है, जिससे इसकी कीमत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली के सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी की कीमत 1,000 की तेजी के साथ 1,08,100 प्रति किलोग्राम के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। वहीं, सोना 110 गिरकर 97,670 प्रति 10 ग्राम पर आ गया। ज्वेलर्स और स्टॉकिस्टों द्वारा की जा रही बिकवाली की वजह से सोने में यह गिरावट देखी गई।

एनसीएलटी ने आईनॉक्स विंड एनर्जी व आईनॉक्स विंड के विलय को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईनॉक्सजीएफएल समूह ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मंगलवार को एनसीएलटी के आदेश के बाद आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड का आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) में विलय हो जाएगा। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की चंडीगढ़ पीठ ने आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड और आईनॉक्स विंड लिमिटेड के विलय को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से आईनॉक्सजीएफएल समूह के पवन व्यवसाय को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा और समग्र परिचालन क्षमता में सुधार होगा।

आईनॉक्सजीएफएल समूह ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मंगलवार को एनसीएलटी के आदेश के बाद आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड का आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) में विलय हो जाएगा। इसमें कहा गया है कि इस विलय से आईनॉक्सजीएफएल समूह के पवन ऊर्जा व्यवसाय का सरलीकरण और सुव्यवस्थितीकरण होगा, तथा समग्र परिचालन क्षमता में सुधार होगा।

आतंकवाद और पाकिस्तान- चीन से दो टूक बात करने का समय आ गया

संतोष कुमार पाठक

पाकिस्तान, अमेरिका और आतंकवाद इन तीनों के आपसी संबंधों की कहानी किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में स्काई न्यूज के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बस अमेरिका की भूमिका पर फिर से मुहर लगाने का काम कर दिया था।

भारत और चीन के रिश्तों के लिहाज से यह सप्ताह बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण होने जा रहा है। लेकिन उससे पहले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद भारत की बहादुर सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भी बात करना जरूरी है। भारत के सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल 59 नेताओं और पूर्व राजनयिकों ने 33 देशों की यात्रा से वापस लौटने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

भारत के इस प्रतिनिधिमंडल ने दुनिया भर में पाकिस्तान को बेनकाब करने की कोशिश की। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान और आतंकवाद, एक दूसरे के पर्यायवाची बन चुके हैं। हाल के दिनों में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से लेकर पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी सहित कई नेता यह स्वीकार कर चुके हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद को पनाह देता रहा है। अमेरिका की यात्रा पर गए बिलावल भुट्टो जरदारी का एक और बयान काफी चर्चा में है जिसमें आतंकवाद का ठीकरा उन्होंने अमेरिका पर ही फोड़ दिया है।

पाकिस्तान, अमेरिका और आतंकवाद इन तीनों के आपसी संबंधों की कहानी किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में स्काई न्यूज के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बस अमेरिका की भूमिका पर फिर से मुहर लगाने का काम कर दिया था। ख्वाजा आसिफ के शब्दों पर गौर कीजिएगा। उन्होंने कहा था कि, 'हम करीब तीन दशक से अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए यह गंदा काम (आतंकवाद का समर्थन) कर रहे हैं। यह एक गलती थी और हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी, इसीलिए आप मुझसे यह कह रही हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और 9/11 के बाद की जंग में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता।'

जहां तक अमेरिका की बात है, वहां के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए से उसकी पोल लगातार खुल रही है। पाकिस्तान पर एक के बाद एक अमेरिका जिस तरह की मेहरबानी कर रहा है,वह भी पूरी दुनिया देख रही है। लॉस एंजिल्स में जो कुछ हुआ उसके बाद अमेरिकी जनता को भी अहसास होने लगा है कि उन्होंने कितनी बड़ी गलती कर दी है।

भारत अमेरिकी संबंधों में मचे घमासान के बीच अब हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपने सीमाओं की सुरक्षा और पड़ोसी देशों से बेहतर तालमेल स्थापित करना होना चाहिए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब पड़ोसी चीन से दो टूक भाषा में बात करने का समय आ गया है। चीन पाकिस्तान को हर तरह की ना केवल मदद मुहैया करा रहा है बल्कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य देश होने के नाते आतंकवादी संगठनों, आतंकवादियों और पाकिस्तान के लिए ढाल का काम भी कर रहा है। चीन पाकिस्तान के बाद श्रीलंका, म्यामांर , बांग्लादेश और नेपाल के सहारे भी भारत की घेरेबंदी कर रहा है। आखिर भारत इसे कब तक बर्दाश्त कर सकता है ?

बताया जा रहा है कि, चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईडोंग इस सप्ताह भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। इस साल दोनों देशों के बीच यह दूसरी उच्चस्तरीय यात्रा होगी। इससे पहले, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी जनवरी में चीन की यात्रा पर गए थे। वहां सुन और मिसरी ने आपसी रिश्तों को सामान्य करने के लिए कई मुद्दों पर सहमति जताई थी। लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह से चीन ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। उसके बाद से अब माहौल काफी बदल गया है।

भारतीय बाजार के बल पर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाले चीन से अब यह तो पूछा ही जाना चाहिए कि वह पाकिस्तान के रास्ते पर क्यों चलना चाहता है? पाकिस्तान तो आतंकवाद को पालते-पालते एक असफल देश बन चुका है लेकिन चीन जैसे बड़े देश की आखिर क्या मजबूरी है कि उसे आतंकवादियों का साथ देना पड़ रहा है। भारत और चीन के बीच आपस में विवाद है, यह एक कड़वी सच्चाई है लेकिन दुनिया के दो प्रभावशाली और बड़े देश होने के नाते इसे सुलझाने के कई तरीके हो सकते हैं। बातचीत से अगर ये मामले सुलझ जाए तो इससे बेहतर कुछ और नहीं हो सकता लेकिन क्या चीन की सेना इतनी कमजोर हो चुकी है कि अब उसे भी भारत को परेशान करने के लिए पाकिस्तान जैसे नाकाम देश और आतंकवादियों का सहारा लेने की जरूरत पड़ रही है ?

वक्त आ गया है कि भारत को अब दो टूक शब्दों में चीन से इन सवालों का जवाब मांगना ही चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं ही यह कह चुके हैं कि आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की यह नीति सिर्फ पाकिस्तान के साथ ही नहीं अपनानी चाहिए बल्कि हर उस देश के साथ अपनानी चाहिए जो किसी भी सूरत में आतंकवादियों का बचाव करता है। भारत को यह कठोर संदेश भारत यात्रा पर आने वाले चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईडोंग के जरिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग तक भेजना ही चाहिए।

संपादकीय

कड़ा जवाब

यूरोप के दौरे पर गए वित्त मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को चेताया है कि भारत को आतंकवादी हमलों के जरिए उकसाया गया तो हम पाकिस्तान के भीतर जाकर हमला करने में हिचकि चाएंगे नहीं। यूरोपीय संघ के उच्चस्तरीय व्यापार संवादों में भाग लेते हुए उन्होंने ब्रसेल्स में एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें संदेश है कि अप्रैल जैसी बर्बर हरकत को जारी रखा गया तो जवाबी कार्रवाई का सामना करना होगा जो आतंकवादी संगठनों व आतंकवादी नेतृत्व के खिलाफ होगी। जयशंकर ने कहा, हमें परवाह नहीं कि वे कहां हैं। अगर वे पाकिस्तान के भीतर हैं तो हम पाकिस्तान में अंदर तक जाएंगे। उन्होंने पड़ोसी दुश्मन मुल्क में आतंकियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण और उनके भारत में घुसपैठ करने पर कड़ी कार्रवाई की बात भी दोहराई। उन्होंने भारतीय एयर स्ट्राइक से हुई पाकिस्तान को क्षति के आरोपों का भी अपने अंदाज में करारा जवाब दिया। कहा कि सबूत तो वही एयर फील्ड हैं, जो अब काम नहीं कर रहे। पाकिस्तान की हवाई पट्टियों को नुकसान को गूगल सैटेलाइट से देखने की सलाह भी दे डाली। बेशक, भारत के ऑपरेशन सिंदूर को सारी दुनिया ने देखा जब 6-7 मई की दरमियानी रात भारतीय सशस्त्र बलों ने दुश्मन देश के भीतर घुस कर पच्चीस मिनट में नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। इनमें से पांच तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ही थे। जयशंकर ने भारत का रुख स्पष्ट करते हुए विदेशी मीडिया को साफ संकेत दिया कि पाकिस्तानी वायु सेना को भारतीय लड़ाकू विमानों व मिसाइलों ने जबरदस्त क्षति पहुंचाई। अल्पभाषी जयशंकर स्पष्ट और सटीक बात करने के मामले में अपने समकालीन राजनेताओं से बिल्कुल भिन्न हैं। जैसा कि उन्होंने विदेशी मीडिया के समक्ष न सिर्फ भारत का रुख स्पष्ट किया बल्कि उन संदेहों को भी साफ किया जो पाकिस्तान जानबूझकर फैला रहा है। दोनों मुल्कों के दरम्यान हुए युद्ध विराम व तमाम आरोपों-प्रत्यारोपों के बावजूद दुनिया की महाशक्तियों के समक्ष भारत सरकार ने नये प्रतिमान गढ़ने का अपना इरादा डंके की चोट पर प्रदर्शित ही नहीं किया बल्कि देश की सुरक्षा और अपने नागरिकों की हत्या के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई को न्यायोचित ठहराने में कोई कोताही भी नहीं कर रहा है। आतंकवाद समूची दुनिया के लिए जबरदस्त चुनौती है जिसके प्रति कोई भी सहिष्णुता दशार्ने को राजी नहीं है। पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति रखने वाले भी इस मुद्दे पर बगलें झांकते नजर आते हैं।

कटाक्ष/सहीराम

सिंदूर का पेड़

वैसे अभी वन महोत्सव का समय नहीं आया है। फिर भी प्रधानमंत्री जी ने सिंदूर का पौधा लगा दिया है। वैसे ही जैसे बाहर से आने वाले राष्ट्राध्यक्ष या महान हस्तियां राजघाट पर पौधे लगाया करती हैं। उनका कोई समय नहीं होता। लेकिन उन्होंने राजघाट पर नहीं लगाया। उन्होंने तो उसे प्रधानमंत्री निवास में लगाया। उम्मीद की जाती है कि वह खूब फले-फूलेगा। जलकुकड़े कह रहे हैं कि सिंदूर तो उन्होंने पहले भी लगाया था, पर उसकी तो वे देखभाल नहीं कर पाए थे, वह तो नहीं फला-फूला। तो भैया वह सिंदूर था, यह सिंदूर का पेड़ है। लेकिन सिंदूर का पेड़ होता है, यह पहले तो कभी नहीं सुना। पैसों के पेड़ के बारे में तो फिर भी सुना है-चाहे कहावत में ही होता हो-लेकिन सिंदूर के पेड़ के बारे में तो कभी नहीं सुना। तो क्या रगों में दौड़ते सिंदूर के बारे में पहले सुना था? लेकिन प्रधानमंत्री जी की रगों में दौड़ता है न। जिन लोगों ने एंटायर पॉलिटिकल साइंस की डिग्री के बारे में नहीं सुना, उनसे उम्मीद रखना बेकार है कि उन्होंने सिंदूर के पेडक्ष के बारे में सुना होगा।

खैर जी, सिंदूर का पेड़ लग गया है। अफसोस यही है कि घर-घर सिंदूर अभियान नहीं चल पाया। सच पूछो तो भाजपा वालों ने इससे बड़ी उम्मीद लगा रखी थी। इस अभियान को वापस लिए जाने से वे बड़े निराश हैं। सबसे ज्यादा तो मोहन लाल धाकड़ ही निराश हैं। जी-जी, वही हाईवे वाले। कह रहे थे-कितना अच्छा मौका हाथ से निकल गया। इसके लिए तो हाईवे भी नहीं जाना पड़ता। फिर बलिया वाले बबन सिंह भी बड़े निराश हुए। जी वही, सुंदरी को गोद में बिठाने वाले। बोले-पार्टी को ऐसा नहीं करना चाहिए। हम तो खूब पार्टी करते भैया। मध्य प्रदेश वाले चुबंन प्रेमी डांसर कमल रघुवंशी भी बड़े निराश हुए। गौंडा वाले अमर किशोर कश्यप भी उतने ही निराश थे। बोले, हमें तो किसी के घर जाने की भी जरूरत नहीं थी, हम तो पार्टी ऑफिस में ही यह रस्म निभा देते। मैनपुरी वाले शुभम गुप्ता जी भी बड़े निराश थे। जी वही, जिनके डेढ़ सौ अश्लील वीडिया वायरल हुए बताए गए। बोले-डेढ़ सौ वीडियो की क्या गिनती करते हो जी। हमें मौका मिलता पांच भी कम पड़ते बल्कि सबसे निराश हुए प्रज्जवल रेवन्ना। वही तीन हजार वायरल वीडियो वाले। बोले-भाजपा को हमें भी मौका देना चाहिए था। आखिर, तो हम सहयोगी पार्टी हैं।

व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान के साथ किताबी ज्ञान की डिग्री सोने पर सुहागा

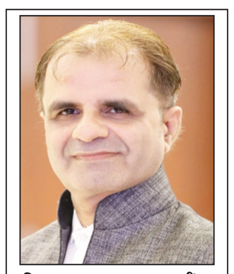

किशन सनमुखदास भावनानीं

सृष्टि में अनमोल बौद्धिक ज्ञान का धनी मानवीय प्राणी को जन्म से ही परिवार, समाज, मानवीय संपर्कों से व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान मिलना शुरू हो जाता है। याने जैसे जैसे मानुष बाल्य काल से बचपन और फिर युवा होता है, वैसे-वैसे व्यवहारिक ज्ञान शिक्षा के माध्यम से ऑटोमेटिक अली स्वत संज्ञान से उसकी बौद्धिक क्षमता परिपक्व होती जाती है और फिर स्कूल कॉलेज से लेकर अनेक डिग्रियों यानें किताबी ज्ञान पाकर सोने पर सुहागा की कहावत हम पूरी करते हैं। इस तरह हम देखते हैं कि, शिक्षा दो तरह की होती है। एक किताबी शिक्षा और दूसरी व्योहारिक शिक्षा। अगर किताबी शिक्षा के साथ साथ हमको व्याहारिक शिक्षा का ज्ञान नहीं है तो हम शिक्षित होते हुए भी अशिक्षित की श्रेणी में आयेंगे। और अगर हमको शिक्षा के साथ साथ व्योहारिक ज्ञान भी है तो हम शिक्षित लोगो की श्रेणी में आयेंगे।

साथियों हम आम तौर पर देखते हैं कि स्थिति बिगड़ती देख अच्छे-अच्छे व्यवहारिक ज्ञान वाले व्यक्तिभी किताबी ज्ञान वालों को कहते हैं तुम तो पढ़े लिखे हो! हम को क्या समझता है हम तो अनपढ़ हैं, बस।इसी वाक्य में वे अपनी जवाबदारी से पीछा छुड़ाकर किताबी ज्ञान वालों के ऊपर डाल देते हैं और जब स्थिति अपने पक्ष में हो रही तो कहते हैं, देखो मैंने यह किया,फि र तुम्हारी पढ़ाई लिखाई क्या काम की? इसीलिए स्थिति पक्ष में हो या विपक्ष में दोनों स्थितियों में व्यवहारिक ज्ञान के धनी की ही जीत है। इस सामाजिक स्थिति पर व्यंग्य के रूप में हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम व्यवहारिक ज्ञान और किताबी ज्ञान दोनों की जरूरत की करें तो की करें तो सच तो यह है कि हमें किताबी ज्ञान और व्यावहारिक ज्ञान दोनों की आवश्यकता है। सिर्फ. किताबी ज्ञान से हम जीवन में फंस जाएँगे, खासकर तब जब हम कक्षा से बाहर निकलेंगे और सिर्फ. व्यावहारिक ज्ञान से हम फंस जाएँगे क्योंकि हम सरल निर्देश नहीं पढ़ पाएँगे या सरल गणितीय समस्याएँ हल नहीं कर पाएँगे। लेकिन मेरा मानना है कि हमें किताबी ज्ञान से ज्यादा व्यावहारिक ज्ञान की जरूरत है, क्योंकि जीवन समस्याओं से भरा है और इन समस्याओं के लिए व्यावहारिक समाधान की जरूरत है, उदाहरण के लिए अगर कोई भविष्य में इंजीनियर बनना चाहता है, तो चाहे वह कितना भी पढ़े-लिखे, उसे व्यावहारिक ज्ञान नहीं होगा जब तक वह अभ्यास न करे, वह किताबें पढ़कर घर में तार नहीं लगा सकता। व्यावहारिक ज्ञान के जरिए ही थॉमस एडिसन ने कई बार असफल होने के बाद आखिरकार एक लाइट बल्ब का आविष्कार किया था। किताबी ज्ञान सिर्फ. समाधान देता है जबकि व्यावहारिक ज्ञान समाधान को कारगर बनाता है। इसकी तुलना उस व्यक्ति से की जा सकती है जो साल भर नौकरी के लिए प्रार्थना करता है लेकिन आवेदन नहीं करता या नौकरी की तलाश में नहीं जाता। दुनिया को व्यावहारिक ज्ञान की आवश्यकता है क्योंकि यह वह ज्ञान है जो हमें बताएगा कि देश में भुखमरी को कैसे कम किया जाए, सड़क पर दुर्घटनाओं की संख्या को कैसे कम किया जाए, किसी घातक बीमारी को फैलने से कैसे रोका जाए आदि, इसलिए व्यावहारिक ज्ञान का हमारे जीवन में अधिक प्रभाव पड़ता है।

साथियों बात अगर हम किताबी ज्ञान की करें तो, परिभाषा के अनुसार जिसने किताबी ज्ञान अर्जित किया हो और स्कूल कॉलेज की परीक्षाओं को पास करके डिग्री हासिल की हो वो शिक्षित है, और जिसे अक्षर ज्ञान ना हो, वो किताबी अनपढ़।पर क्या शिक्षा का अर्थ सिर्फ केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना ही है? एक शिक्षित इंसान के द्वारा फेंका हुआ कचरा,अगर सुबह एक किताबी अशिक्षित इंसान (सफाई कर्मचारी) उठाता है।ऐसे में किसे शिक्षित कहना चाहिए सफाई कर्मचारी को या कचरा फेंकने वाले को? आजकल की शिक्षा ऐसे ही रट्टा फिकेसन की शिक्षा होती जा रही है। जहाँ मतलब समझ आए या ना आए, बस रट्टा मारों और पास हो जाओ।

साथियों शायद इसीलिये किताबी पढ़े-लिखे अनपढ़ों की संख्या बढ़ती जा रही है।पिछले कुछ दशकों में शिक्षा का स्तर काफी बढ़ गया है पर शिक्षा की वैल्यू खत्म होती जा रही है। ध्यान दे तो याद आता है जहाँ कुछ साल पहले ग्रेजुएशन ही काफी था, आज पोस्ट ग्रेजुएशन,क्या पीएचडी की भी कोई वैल्यू नहीं है। तकनीकी शिक्षा पर जोर है। तकनीकी शिक्षा गलत नहीं है पर सिर्फ तकनीकी शिक्षा से काम नहीं चलेगा।

साथियों बात अगर हम किताबी शिक्षित और किताबी अनपढ़ व्यक्तियों की करें तो, बहुत अंतर है। किताबीअनपढ़ आदमी केलकुलेटर चलाना नहीं जानता सारा हिसाब किताब उंगलियों से करना पड़ता है पढ़ा-लिखा आदमी विना केलकुलेटर के चार में से दो घटाने के लिए भी अपनी उंगली नहीं घिसता। किताबी अनपढ़ व्यक्ति के पास अपने अनुभव के अतिरिक्त कुछ नहीं होता जबकि पढ़ा-लिखा व्यक्ति और के अनुभव भी उपयोग में ले आता है। किताबी अनपढ़ व्यक्ति अधिक प्रेक्टिकल होता है शिक्षित व्यक्ति इतनानही होता।कहीं बाहर जाने पर पढ़ा-लिखा व्यक्ति आसानी से पता ढूढ लेता है जबकि किताबी अनपढ को परेशानी होती है।एक युग था जब समाज में किताबी अनपढ बहुत थे तो उनका कामकाज भी उसी तरह चलता था ।आज किताबी अनपढ़ व्यक्ति को हर तरह की परेशानी उठानी पड़ती है। उसे पढ़े-लिखे लोगों पर आश्रित रहना पड़ता है।

साथियों शिक्षित व्यक्ति किसी भी सुनी सुनाई बातों पर जल्दी विश्वास नहीं करता है जब तक वह उन्हे अपनी मन की कसौटी पर खरा नहीं उतार लेता। जबकि एक किताबी अनपढ़ व्यक्ति को कह दो कि तुम्हारा कान कौवा ले गया है तो वह अपने कान को नहीं देखेगा बल्कि कौवे के पीछे भागना शुरू कर देगा। जबकि एक पढ़ा लिखा व्यक्ति पहले अपने शरीर के सभी अंगों को ठीक से चेक करेगा। फिर क्यू कहेगा? बस यही शिक्षित और किताबी अनपढ़ व्यक्ति में अंतर है। किताबी अनपढ लोगों पर व्याहारिक ज्ञान होता है मगर अशिक्षित व्यक्ति वह होते हैं जो व्याहारिक ज्ञान में भी पिछड़े होते हैं। कुछ अपवादों को छोड़कर शिक्षित में संस्कार और लोकाचार का अभाव मिलता है। दोनों शब्द पर्यायवाची है पर कह देते हैं यह किताबी अनपढ अंगूठा टेक है मगर वह संस्कारित हो सकता है। अशिक्षित के लिए कहा जाता है कि तुम तो पढ़-लिखकर अशिक्षित ही रहे। किताबी अनपढ को कुछ बातें में अनदेखा कर देते हैंया कहे वह अपनी कमजोरी छुपा जाते हैं, पर अशिक्षित से ऐसी आशा कम की जाती है।वहअपनी कमी नहीं छुपा पाते।कुछ विशेष अंतर नहीं है भावनात्मक अंतर ही लगता है। किताबी अनपढ की अपेक्षा अशिक्षित शब्द अधिक बुरा लगता है।

साथियों बात अगर हम संस्कारों और विचारधारा की करें तो व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान के परिपक्व व्यक्ति अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पर चलकर संस्कारों का परिचय देते हैं। वहीं किताबी ज्ञान डिग्री लेने वाले कुछ अपवादों को छोड़कर संस्कारों और विचारधारा में साफ फर्क दिखा देने लगते हैं अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पुरानी और ढकोसली लगने लगती है रिश्ते नातों में कमजोरी को बल मिलता है और विवाहित होने पर सिर्फ अपने परिवार की जवाबदारी तक सीमित हो जाते हैं जबकि व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों में ऐसा नहीं है परंतु यह हम जरूर कहेंगे के किताबी ज्ञान वालों से अधिक ज्ञान समझ रखने वाले व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों के दोनों हाथों में मलाई होती है जिससे स्थिति अनुसार प्रयोग में करते हैं स्थिति बिगड़ी तो तुम तो पढ़े लिखे हो! हम ठहरे अनपढ़, हमको क्या समझता है!! और परिस्थिति का हमारे तरफ झुकाव रहा तो, देखो तुम तो पढ़े लिखे हो!! तुम्हारी पढ़ाई लिखाई किस काम की? हम तो अनपढ़ ही अच्छे है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, शिक्षा ऐसी होनी चाहिये जो हमारे मानवीय गुणों को भी विकसित करें। हमें संवेदनशील, सहनशील और व्यवहारिक के साथ-साथ देश और समाज के प्रति जागरूक भी बनाएं। जैसे प्राचीन काल में गुरुकुल में होती थी।जहाँ ना सिर्फ पुस्तक ज्ञान सिखाते थे बल्कि आध्यात्मिक, सामाजिक, व्यवहारिक और शस्त्र ज्ञान भी शिक्षा के साथ-साथ ही सिखाया जाता था। अगर अच्छी किताबी शिक्षा या व्यवहारिक शिक्षा होने के बावजूद भी हम दकियानुसी सोच रखते हैं।

जल संकट : दिल्ली में हाल है बेहाल

कुमार समीर

देश की राजधानी दिल्ली में आसमानी तपिश ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। आए दिन अधिकतम तापमान के नये रिकॉर्ड बन रहे हैं। कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को भी पार कर गया है।

मौसम की मार झेल रहे दिल्ली वालों के सामने एक और मुसीबत आ खड़ी हुई है। वह है जल संकट।

दिल्ली जल बोर्ड का कहना है कि दिल्ली को हर रोज करीब 129 करोड़ गैलन पानी की जरूरत है लेकिन आपूर्ति हो रही है 100 करोड़ या उससे थोड़ा कम गैलन की। यानी दिल्ली को रोजाना करीब तीस करोड़ गैलन पानी कम मिल रहा है। जरूरत और आपूर्ति के बीच यह अंतर दिल्ली की आबादी के बड़े हिस्से पर भारी पड़ रहा है। दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार से लेकर उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के रोहिणी तक, आम लोग पानी की इस किल्लत की कीमत चुका रहे हैं। बढ़ती गर्मी ने पानी के संकट को और गंभीर कर दिया है। हालात उन लोगों के लिए सबसे ज्यादा मुश्किल हैं, जिनके घर न टंकी से पानी पहुंचता है और न दिल्ली जल बोर्ड के टैंकर से।

दिल्ली में ऐसी 1700 से अधिक अनधिकृत कॉलोनी हैं जिनमें से अधिकतर में पानी की लाइन बिछी है और दिल्ली जल बोर्ड पानी की आपूर्ति करता है। लेकिन ऐसी झुग्गी-बस्तियां जहां पाइप तो पहुंचा है लेकिन पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पहुंच पा रहा है, वहां आबादी के अधिकतर हिस्से को पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। अलग-अलग इलाकों में पानी की कीमत अलग-अलग है। देवली की एक गली में टैंकर से दस रु पये में बीस लीटर पानी बिक रहा है। लोगों को पानी भरवा कर खुद ले जाना पड़ता है। लेकिन जो लोग पानी की बोतल घर तक मंगवाते हैं, उन्हें बीस लीटर की बोतल के तीस से चालीस रु पये तक और ब्रांडेड बोतल के लिए तो 90 से 100 रु पये तक चुकाने पड़ते हैं।

दिल्ली का जल संकट सिर्फ अनिधकृत कॉलोनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि योजनानुरूप बसाए गए इलाकों तक भी पहुंच गया है। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में डीडीए निर्मिंत अपार्टमेंट्स का भी कमोबेश यही हाल है। वसंत कुंज इलाके में किराने की दुकानों का अधिकतर हिस्सा पानी की बोतलों से भरा है। एक दुकानदार के मुताबिक ह्यहाउसिंग सोसायटी के अधिकतर घरों में रोजाना एक बोतल पानी जाता है। कुछ घरों में दो बोतलें भी ली जाती हैं। अधिकतर लोग यहां ब्रांडेड पानी खरीदते हैं। एक बोतल 90-100 रु पये की आती है।

नीति आयोग के समग्र जल प्रबंधन सूचकांक के मुताबिक, दिल्ली भारत का दूसरा सबसे अधिक जल संकटग्रस्त शहर है। यह भी हकीकत है कि दिल्ली पानी की अपनी जरूरतों के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। दिल्ली को हरियाणा सरकार यमुना नदी से, उत्तर प्रदेश सरकार गंगा नदी से और पंजाब सरकार भाखड़ा नंगल से पानी की सप्लाई करती है। अभी जो 100 करोड़ गैलन यानी करीब 380 करोड़ लीटर पानी रोजाना दिल्ली में सप्लाई होता है, उसका 61 प्रतिशत पानी यमुना नदी, 30 प्रतिशत गंगा नहर और बाकी 9 प्रतिशत भूजल से आता है।

बता दें कि दिल्ली में भूजल भी संकट गंभीर है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 में उपयोग किए गए पानी का 100.77% निकाला गया है, जबकि रिचार्ज कम हुआ है। 34 मूल्यांकन इकाइयों में से 14 इकाइयां ह्यअत्यधिक दोहितह्न श्रेणी में हैं, जिससे आने वाले समय में पानी की कमी और बढ़ सकती है। दिल्ली के सभी जिलों में से नई दिल्ली सबसे अधिक शोषित है। उसके बाद शाहदरा, उत्तर, दक्षिण और उत्तर-पूर्व जिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अति शोषित क्षेत्रों में करोल बाग, मयूर विहार, दिल्ली कैंट, चाणक्यपुरी, वसंत विहार, नरेला, यमुना विहार, करावल नगर, विवेक विहार, शाहदरा, महरौली, कापसहेड़ा और राजौरी गार्डन शामिल हैं। वहीं महत्त्वपूर्ण इकाइयों में मध्य दिल्ली में कोतवाली, गांधी नगर, प्रीत विहार, मॉडल टाउन, अलीपुर, सीमापुरी, हौज खास, कालकाजी, डिफेंस कॉलोनी, सरिता विहार, द्वारका, पटेल नगर और पंजाबी बाग शामिल हैं।

सवाल उठता है कि आखिर, किस तरह गंभीर रूप धारण कर चुकी इस समस्या से निजात पाई जाए। दिल्ली जल बोर्ड की बात करें तो उसके सामने कई चुनौतियां हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक सबसे बड़ी चुनौती आपूर्ति के दौरान पानी के नुकसान (वॉटर वेस्ट) की है। जल बोर्ड के अनुमान के मुताबिक चालीस फीसद से अधिक पानी आपूर्ति के दौरान बर्बाद हो जाता है। पाइपलाइनों में लीकेज, अवैध टंकियां और पानी की चोरी इसके सबसे बड़े कारण हैं। पानी पर सब्सिडी का असर भी दिल्ली जल बोर्ड की आर्थिक सेहत पर हुआ है और बोर्ड का कर्ज बढ़ता जा रहा है। 2023 के डेटा के मुताबिक, दिल्ली जल बोर्ड पर 73 हजार करोड़ से अधिक का कर्ज है, जो 2018 के बाद से लगभग दोगुना हो गया है।

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी संसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं। पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डेबल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या संसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

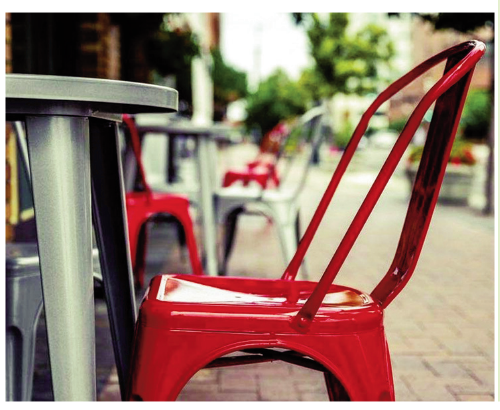

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

स्टाइलिश साड़ी टिप्स

सदियों से ही भारतीय नारी का पारंपरिक परिधान साड़ी ही रहा है। ढेर सारे प्रयोगों के बाद भी साड़ी वही है, बदला है तो केवल उसका स्टाइल।

नित नए फैशनेबल स्टाइल साड़ी में आ रहे हैं। ऐसे में बहुत महँगी साड़ी न खरीदते हुए भी आप थोड़ी-सी सूझबूझ से कम कीमत में अपनी साड़ियों को घर पर ही सजा कर आप न्यू लुक दे सकती हैं। जो आपकी साड़ियों में चार चाँद लगा सकते हैं।

आइए देखें क्या हैं टिप्स...

- प्लेन साड़ी में प्लेट्स (पटली) और पल्लू पर बड़े सितारे लगाएँ बाकी साड़ी को प्लेन ही रहने दें।
- आजकल कई तरह का साड़ी वर्क फैशन में हैं। आप भी अपनी साड़ी को मनचाहा ट्रेस देकर उसमें सितारे, कुंदन, मिरर, पाइप नाका टाँकी आदि वर्क करें।
- अपनी साड़ी की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए प्रिटेंड साड़ी में चिपकने वाले सितारों का उपयोग करें।
- अपनी साड़ी में बंधेज वर्क करके आप उसे एक अनोखा रूप दे सकती हैं।
- नेट की साड़ी आजकल बहुत प्रचलन में हैं, नेट पर मनचाही डिजाइन में वर्क करके उसे न्यू इफेक्ट दें।
- व्हाइट और ब्लैक ऐसे कलर हैं, जिस पर कोई भी वर्क करके आप पार्टी की शान बन सकती हैं।
- बॉर्डर और पल्लू को जरदौजी वर्क से डेकोरेट करें। बॉर्डर को लहरदार भी बना सकती हैं।
- किसी भी इवनिंग पार्टी के लिए साड़ी में मोती का वर्क करें, जो आपकी साड़ी को सोबर लुक देगा।
- प्लेन जॉर्जेट की साड़ी पर सॉटन के फूलों का वर्क करें, जो बहुत ही शानदार लगेगा।
- कॉटन की साड़ी पर पेंचवर्क साड़ी की शोभा दुगुनी कर देगा।
- अपनी साड़ी आकर्षक बनाने के लिए उस पर कढ़ाई करें। जैसे काथा वर्क, नॉटस्टिच, सिंधी कढ़ाई, लेजी-डेजी आदि कढ़ाई से साड़ी बहुत लुभावनी लगेगी।
- अपनी साड़ी में एम्ब्रॉइडरी करवाकर आप उसे स्पेशल बना सकती हैं।
- आजकल विभिन्न प्रकार की लेस चलन में है। अपनी किसी साड़ी में लेस लगाकर आप उसे हैवी बना सकती हैं।
- साड़ी में फेब्रिक पेंटिंग करके आप उसे न्यू लुक दे सकती हैं।
- सॉटन या अन्य किसी प्रिंटेड कपड़े की लेसनुमा बॉर्डर भी आप अपनी साड़ी में लगा सकती हैं।
- फेब्रिक कलर ट्यूब, जो आजकल हर कलर में उपलब्ध हैं, से आप साड़ी पर कम समय और कम लागत में वर्क करके साड़ी को पार्टी वियर बना सकती हैं।

साड़ी पहनने के अलग-अलग स्टाइल

ऐसा जरूरी नहीं कि आप जिस स्टाइल की साड़ी पहनती हैं, उसे ही हमेशा पहनें। साड़ी को पहनने के भी कई तरीके हैं।

आप अपनी हाइट, हेल्थ और मौके के अनुसार उसे चुन सकती हैं, जैसे : फ्री पल्लू साड़ी, पिनअप साड़ी, उल्टा पल्लू, सीधा पल्लू, लहँगा स्टाइल साड़ी, मुमताज स्टाइल साड़ी, बंगाली साड़ी, साड़ी आदि स्टाइलों की साड़ियों को आप अपनी पसंद से चेंज करके पहन सकती हैं।

कमरा सजाएँ फूलों से

फूलों से सजाएँ अपनी दुनिया

अपने घर या ऑफिस को प्रभावी बनाना चाहती हैं और ये भी चाहती हैं कि सजावट जीवंत होकर आपके भाव खुद ही बयाँ करे। प्रकृति से जुड़ा आपका मन विभिन्न रंगों की कल्पना करता है तो फूलों से बेहतर क्या हो सकता है? फूलों के बारे में सोचकर आधा काम तो आपने कर लिया। अब बारी है यह देखने की कि आगे कैसे क्या करें।

- यदि आप कमरे की व्यवस्था में लंबी सजावट का प्रयोग कर रहीं हैं तो कुछ लंबे फूलों का प्रयोग करें। लंबे फूलों से अर्थ है कि जिनमें ऊपर की ओर कलियाँ होती हैं तथा नीचे की ओर फूल लगे होते हैं जैसे रजनीगंधा, ग्लेडुलाई, डेलफिनियम तथा ट्यूबरोजेस आदि।
- फूलों के गुच्छे आपकी सजावट में समृद्धि लाते हैं इसलिए यदि आप रिच लुक देना चाहती हैं तो ये बहुत अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ये गुच्छे एक ही फूलों के या विभिन्न फूलों के हो सकते हैं। इन फूलों में गुलाब, कार्नेशन, झरबेरी, लिली, जिनिस तथा सेवंती को अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं। जहाँ कुछ खाली-खाली लग रहा हो वहाँ कुछ सहायक फूलों तथा पत्तियों के प्रयोग से जान डाल सकती हैं। जैसे फर्न, एस्टर तथा कुछ अन्य प्रकार की डालियाँ।
- चुने गए फूलों के अनुसार आप सजावट कर सकती हैं जैसे एक लंबे पतले वॉस में एक गुलाब की कली को सजाकर रख सकती हैं या चौड़े पॉट में बहुत से फूलों को बाँधकर रखें। इसे टेबल के सेंटरपीस की तरह प्रयोग करें। चाहें तो फूलों को पारंपरिक रुप से सजाएँ या इकेबाना का रुप दें लेकिन यदि आपका मन कह रहा है कि इस रंग के फूल के साथ यही फूल अच्छा लगेगा तो सज्जा के नियमों को अलग रखकर अपने मन की बात मानें।
- प्रकृति के इन अनुपम उपहारों को आप अलग-अलग थीम देकर भी सजा सकती हैं और इनके साथ विभिन्न सजावट की वस्तुओं का प्रयोग भी कर सकती हैं।

बच्चे के मुँह में जब हो अँगूठा

बच्चों का अँगूठा चूसना एक सामान्य क्रिया है, लेकिन छह माह की उम्र के बाद भी बच्चा अँगूठा चूसना नहीं छोड़ता है, तो यह इस बात का सूचक है कि बच्चे के माँ-बाप बच्चे के प्रति लपरवाह हैं।

यह आदत बच्चों में तब पड़ती है, जब वह अपने को अकेला, असहाय, असुरक्षित महसूस करता है। अधिकतर माता-पिता इस आदत को बहुत सामान्य तरीके से लेते हैं। क्या आप जानते हैं आपके बच्चे की अँगूठा चूसने की आदत के क्या नुकसान है?

अँगूठा चूसने के नुकसान :

- हमेशा तो बच्चे को साफ-सुथरा रखना संभव नहीं होता, ऐसे में यदि वे अपना अँगूठा या हाथ मुँह में लेते हैं, तो हाथ के साथ गंदगी, धूल व कीटाणु भी बच्चे के मुँह में चले जाते हैं।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की भूख मर जाती है, वे दूध की या भोजन की माँग नहीं करते, फलस्वरूप उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।
- अँगूठा चूसने का प्रभाव बच्चे के मस्तिष्क पर भी पड़ता है, वे अँगूठा चूसने में मस्त रहते हैं और मंद बुद्धि की ओर अग्रसर होते हैं।
- अँगूठा चूसने से बच्चे के दाँत बाहर की ओर निकल आते हैं, होठ मोटे होकर लटक जाते हैं, मुँह खुला रखने की आदत पड़ जाती है।
- एक ही हाथ का अँगूठा चूसने के कारण वह अँगूठा पतला हो जाता है, इसका असर बच्चे के शिक्षण पर भी पड़ सकता है, यदि वह उसी हाथ से लिखना शुरू करें।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की जीभ बाहर की ओर निकली रहती है, इससे वे बोलने में तुतलाते हैं।
- ऐसे बच्चे आलसी व कमजोर हो जाते हैं, बड़े होते-होते हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं।

कॉफी को जायकेदार बनाएँ

- कॉफी को सदैव हवाबंद बॉटल में भरकर रखें। हवा लगने से कॉफी में गुठले पड़ जाते हैं और स्वाद भी खराब हो जाता है।
- कॉफी का स्वाद बढ़ाने के लिए उसमें अदरक और छोटी इलायची डालें।
- एस्प्रेसो कॉफी का आनंद प्राप्त करने के लिए एक कप में कॉफी में प्रयोग होने वाली कुल चीनी और कॉफी लें और दो चम्मच दूध डालकर चम्मच से खूब फेंटें जब कॉफी का रंग बिलकुल सफेद हो जाए तब इसे दूध में डालकर एक उबाल दें, थोड़ी ऊँचाई से कप में धार बनाकर डालें। आपको एस्प्रेसो कॉफी का आनंद मिलेगा।
- कॉफी को सदैव शीशी में रखें, खुली रखने से कॉफी की खुशबू उड़ जाती है।
- विविध जायकेदार कॉफी बनाने के लिए उसमें दालचीनी, लौंग, चॉकलेट के टुकड़े व नींबू के छिलके डालें।

रिबन सैंडविच

सामग्री : 6 सफेद ब्रेड के स्लाइसेस, 6 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस, मक्खन 3 टेबल स्पून, उबले आलू 2, पीला रंग 5 बूँदें, नमक, कालीमिर्च पावडर स्वादानुसार, हरी चटनी पाव कप, टमाटर सॉस पाव कप।

सामग्री कवर के लिए : बेसन एक कप, नमक पाव टी स्पून, सोडा चुटकी भर, मोयन के लिए गरम तेल एक टी स्पून, तेल तलने के लिए।

विधि : ब्रेड के स्लाइसेस पर मक्खन लगा लें। उबले हुए आलू कसकर उसमें पीला रंग, नमक, कालीमिर्च मिला लें। फिर 2 सफेद और 2 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस लें। एक सफेद ब्रेड स्लाइस पर हरी चटनी लगाकर उस पर ब्राउन ब्रेड रखें।

उसके ऊपर टमाटर सॉस लगाकर ऊपर सफेद ब्रेड का स्लाइस रखें। अंत में सफेद ब्रेड पर आलू के पीले मिश्रण की पतली परत रखकर उसके ऊपर ब्राउन ब्रेड का स्लाइस रखें। सैंडविच अच्छी तरह से दबाएँ और तेज छुरी से उसे तीन हिस्सों में काटिए (आप चाहें तो सैंडविच ऐसे भी परोस सकते हैं।) अब बेसन में नमक, सोडा और गरम तेल का मोयन डालकर पकौड़े के मिश्रण जैसा बनाएँ।

इस मिश्रण में तैयार सैंडविच डुबोकर गरम तेल में तलकर गरमा-गरम परोसिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 4083

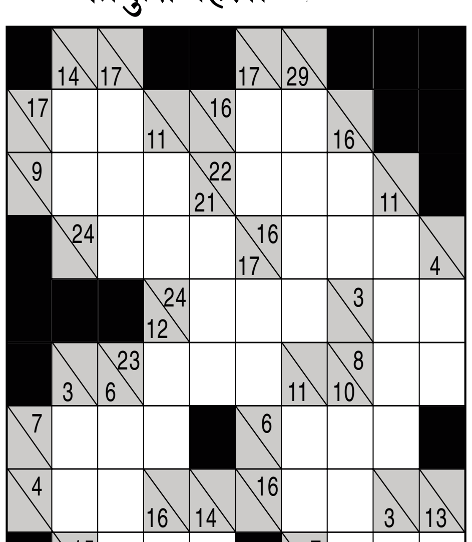

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

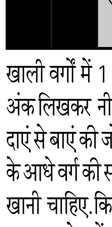

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो -4082 का हल

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, परेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली -4083

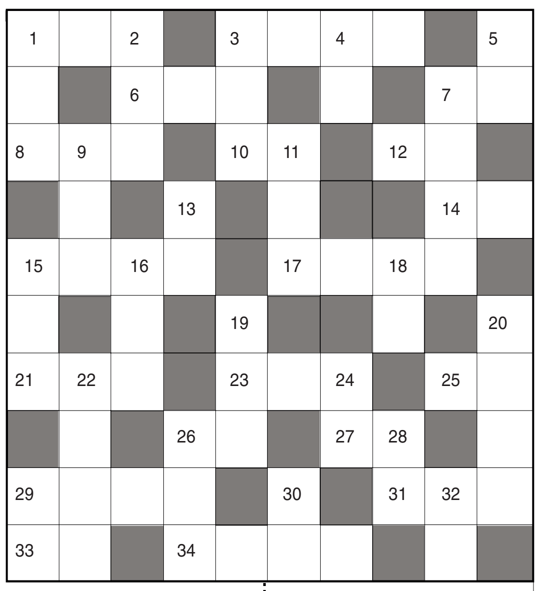

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली -4082

अं	जा	म		जै		बा	द	शा	ह
गा		न	म	की	न		म		म
रे	खा		हा		गी	त		ही	रा
	मो	ह	रा		ना	रा	ज		ज
	शी		जा	नू		जू		फ	
स		गो		त	ब्बू		दो	रा	स्ते
ती	स	रा	कौ	न		बा		र	
श			न		जं	जी	र		घा
शा	र	दा		जं	ग		क्ष	त्रि	य
ह		सी	मा		ल		क		ल

सूडोकु -4083

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4082 हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 4083

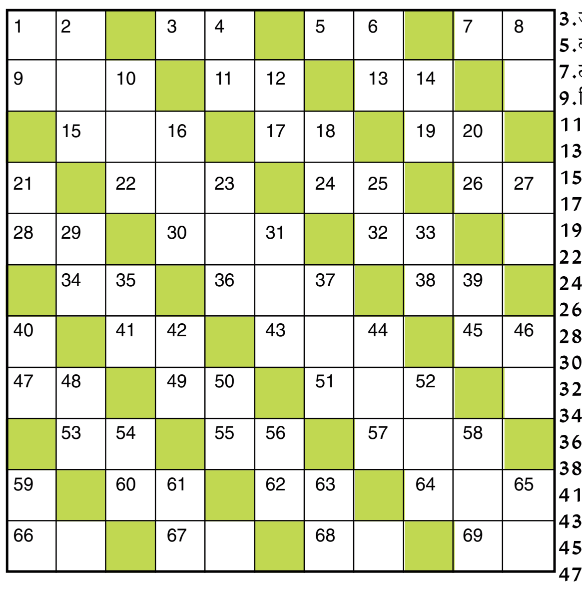

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी -2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -4082 का हल

	य	ती	म	खा	ना		म	हा	वी	र
क	क्ष		हा		ना	ह	क		र	म
हा		ना	न	सें	स		र	मा		जा
नी	र	व	ता		सु	र		न	म	न
का		खे		अ	र	क्त			सी	
र	वा	ना	हो	ना		पा	ल	न	हा	र
	ह			चा	ह	त		का		च
का	न	न		र	म		ब	र	सा	ना
म		र	ज		स	का	र	ना		का
धा	र		खि	ला	फ		स		भो	र
म	स	ख	रा		र	म	ता	जो	गी	

जुलाई माह में एक लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो सुनिश्चित : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की प्रदेश के विकास को समर्पित निवेश और उद्योग संबंधी नीतियों से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू निरंतर धरातल पर मूर्त रूप ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सवा तीन लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग से प्रदेश के विकास को नई गति मिली है। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय से आगामी माह में एक लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए विभिन्न विभागों के एमओयू की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी विभागों के सचिवों को निवेशकों से नियमित संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को विभाग के एमओयू की नियमित समीक्षा कर रेस्पॉन्स और क्लीयरेंस में तेजी लाने के लिए भी निर्देशित किया।लंबित घोषित नीतियों को 31 जुलाई तक दें अंतिम रूप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने में राइजिंग राजस्थान समिट एक मजबूत स्तम्भ साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि समिट ने प्रदेश में ऐसा औद्योगिक वातावरण तैयार किया है, जिसमें निवेशकों के लिए अधिकतम सुविधाएं एवं सेवाएं सुनिश्चित हो रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो घोषित पॉलिसी लंबित हैं, उन्हें 31 जुलाई तक अंतिम रूप दिया जाए।

सामाजिक समरसता, अंत्योदय की प्रेरणा देती है कबीर वाणीः रविन्द्र इंद्राज

नयी दिल्ली। दिल्ली के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने बुधवार को कबीर जयंती समारोह में कहा कि कबीर की वाणी सामाजिक समरसता और अंत्योदय की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय की मूल भावना ही केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार की कार्यशैली है। श्री इंद्राज आज दिल्ली सचिवालय में इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने संत कबीर के जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार की यह प्राथमिकता है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचे, विशेषकर वे योजनाएं जो अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए चलाई जा रही हैं। श्री इंद्राज ने कहा कि संत कबीर एक ऐसे युगद्रष्टा थे, जिन्होंने जात-पात, धर्म और ऊँच-नीच के भेद को नकारते हुए सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश दिया। संत कबीर जैसे संतों ने हमें यह सिखाया कि मनुष्य का मूल्य उसकी सोच और कर्म में है, न कि उसकी जाति, धर्म या वर्ग में।

ईडी की कार्रवाई पर कोई आपत्ति नहीं : सिद्दारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने कांग्रेस सांसद ई तुकाराम और अन्य विधायकों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की कार्रवाई पर बुधवार को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी सरकार को कानूनी दायरे में की गई किसी भी कार्रवाई पर कोई आपत्ति नहीं है। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा यह इस बारे में नहीं है कि हम क्या कर रहे हैं। यह मामला सरल है जैसे कि जब तक यह कानून के दायरे में हो, उन्हें जो करना है करने दें। अगर यह कानूनी रूप से किया जाता है, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। हम बस इतना कह रहे हैं कि इसमे कानूनी प्रक्रियाओं का पालन होना चाहिए। अगर कानून का किसी तरह से उल्लंघन हुआ है, तो हम इसका समर्थन नहीं करते हैं। हम किसी भी कानूनी क्रियान्वयन में बाधा या हस्तक्षेप नहीं करेंगे। कर्नाटक में जाति पुनर्सर्वेक्षण के मुद्दे पर श्री सिद्दारमैया ने स्पष्ट किया कि पार्टी हाईकमान को प्रक्रिया से संबंधित शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा, 'मूल सर्वेक्षण 25 साल पहले किया गया था जबकि इसे लगभग नौ साल पहले किया जाना चाहिए था। इस मामले में 60 से 70 दिनों की कम अवधि में एक नया सर्वेक्षण किया गया और केवल गणना पूरी की गई, पूरी रिपोर्ट नहीं।रिपोर्ट को पूरी तरह से खारिज नहीं किया गया है। सिद्धांत रूप में रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया गया है, लेकिन केवल गणना वाला हिस्सा स्वीकार नहीं किया गया है।

पेंशनधारकों की शिकायतों के समाधान के लिए जुलाई में विशेष अभियान 2.0

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय पेंशनधारकों, विशेषकर परिवार पेंशनधारकों और सुपर सीनियर नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए विशेष अभियान 2.0 शुरू करने का निर्णय लिया है। यह अभियान 01 से 31 जुलाई तक चलेगा। इस अभियान की शुरुआत पीएमओ में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह करेंगे। इसका उद्देश्य महिलाओं के सशक्तीकरण और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को बढ़ावा देना है। अभियान के तहत कुल 2210 पेंशन शिकायतों को 51 मंत्रालयों, विभागों और संगठनों को समाधान के लिए सौंपा गया है। सचिव (पेंशन) की अध्यक्षता में 11 जून को एक तैयारी बैठक हुई, जिसमें पेंशन शिकायतों से जुड़े नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में विशेष अभियान की दिशा-निर्देशों पर चर्चा की गई, ताकि इसका क्रियान्वयन सुचारु रूप से हो सके।

भोपाल के हलाली में बनेगा मप्र का पहला रिजर्वायर फिशरीज़ प्रोडक्शन एंड प्रोसेसिंग क्लस्टर

जेंसी

भोपाल। पीएम मत्स्य संपदा योजना में मध्य प्रदेश का पहला रिजर्वायर फिशरीज़ प्रोडक्शन एंड प्रोसेसिंग क्लस्टर भोपाल के पास हलाली में बनेगा। इसका उद्घाटन 13 जून को इंदौर से होगा। केन्द्रीय मछुआ पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह राष्ट्रीय इनलैंड फिशरीज़ एवं एक्वाकल्चर बैठक में इसका उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में पीएम मत्स्य संपदा योजना में इस तरह के 17 क्लस्टरों की पहचान केन्द्र सरकार ने की है, जो उन क्षेत्रों की मत्स्य पालन की विशेषताओं के आधार पर विकसित किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इनलैंड स्टेट में फिशरीज़ से जुड़ी इस तरह की बैठक देश में पहली बार इंदौर में हो रही है। बैठक का उद्देश्य उन इनलैंड राज्यों में मत्स्य उत्पादन बढ़ाना है, जिनकी सीमाएं समुद्र से नहीं जुड़ती हैं। इस

बैठक में सिर्फ उन राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जो समुद्र से मत्स्य उत्पादन गतिविधियाँ नहीं करते हैं। उन्होंने बताया कि इंदौर में होने वाली इनलैंड फिशरीज़ एण्ड एक्वाकल्चर मीट में देश के 20 राज्यों के मत्स्य पालन मंत्री भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय बैठक में मध्य प्रदेश के मछुआ पालन मंत्री नारायण सिंह पंवार, उत्तर प्रदेश के मछुआ पालन मंत्री संजय कुमार निषाद, बिहार की मछुआ पालन और पशुपालन मंत्री रेणु देवी, हरियाणा के पशुपालन, डेरी और मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा, राजस्थान के पशुपालन और मछुआ पालन राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेधम के अलावा अन्य राज्यों के मंत्री भी भाग ले रहे हैं। बैठक में विशेष रूप से केन्द्र सरकार के मत्स्य पालन सचिव डॉ. अभिलाक्ष लिखी और संयुक्त सचिव श्री सागर मेहरा भी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशानुसार देश में मत्स्य उत्पादन में निर्यात को बढ़ावा देने के लिये इंदौर की इस राष्ट्रीय बैठक में भारत के अलग-अलग राज्यों में हो रहे प्रयोगों पर तकनीकी-सत्र भी आयोजित होंगे। इनमें राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं ICAR-CIFRI, (CAR-CIFA, NFDB की तरफ से मत्स्य उत्पादन की दिशा में विश्व में अपनाई जा रही नई तकनीकों पर प्रेजेन्टेशन दिये जायेंगे। तकनीकी-सत्रों में जलाशय पट्टा नीति, नदी और तालाबों में आधुनिक तरीके से मत्स्य पालन और ठंडे पानी में मछली पालन की संभावनाओं जैसे विषय भी शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह द्वारा लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किये जाएंगे, जिनमें मत्स्य सहकारी समितियों, मछुआरा उत्पादक संगठन, मत्स्य पालन स्टार्ट-अप्स एवं परंपरागत मछुआरे भी शामिल हैं। मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड और जलीय कृषि बीमा भी उपलब्ध कराया जायेगा। इसका उद्देश्य मछुआरों को बीमा और डिजिटल एक्सेस देना है।

एक ही परिवार के तीन लोग गंगनहर में डूबे

एजेंसी

हरिद्वार। उत्तरप्रदेश से आए एक ही परिवार के तीन सदस्य पिरान कलियर क्षेत्र अंतर्गत धनौरी नहर में अचानक संतुलन बिगड़ने से गिरकर लातपा हो गए। जल पुलिस और गोताखोर उनकी तलाश में जुटे हैं।जानकारी के अनुसार, उत्तरप्रदेश के पंजाब नगर मोहल्ला थाना सिविल लाइन कोतवाली जिला रामपुर निवासी एक परिवार कलियर में जियारत के लिए मंगलवार को आया था। आज शाम वह धनौरी बावन दर्रा घूमने के लिए गए थे। गर्मी के चलते वहां से लौटते समय गंगनहर में पैर डालकर बैठ गए। इसी दौरान अचानक 15 वर्षीय तौफीक का पैर फिसल गया और वह गंगनहर के तेज बहाव में बहने लगा। बेटे को बचाने के लिए 40 वर्षीय मेहंदी हसन पिता भी नहर में कूद गया। वह भी गंगनहर के तेज बहाव में बहकर लापता हो गया। भाई और पिता को देखकर किशोरी का संतुलन बिगड़ गया वह भी गंगनहर में गिर गई। तीनों गंगनहर के तेज बहाव में बहकर लापता हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे गोताखोर और जल पुलिस डूबे हुए लोगों की तलाश में जुट गए।

सुकमा के पुसगुन्ना जंगल में मुठभेड़, पांच लाख के इनामी सहित दो नक्सली ढेर

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ में सुकमा जिले के कुकानार थानाक्षेत्र के पुसगुन्ना के जंगल में दोपहर 2 बजे पुलिस एवं नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई जिसमें सुरक्षाबलों ने दो नक्सलियों को मार गिराया। इनमें एक महिला नक्सली शामिल है। मुठभेड़ के बाद सर्चिंग में जवानों ने दो नक्सलियों के शव के साथ एक इंसास राइफल और एक 12 बोर राइफल बरामद की है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि मारे गए पुरूष नक्सली की प्रारंभिक पहचान 5 लाख का इनामी एलओएस कमांडर बमन के रूप में हुई है। महिला नक्सली के शव की पहचान की प्रक्रिया जारी है। घटनास्थल के आसपास के घने जंगलों का लाभ उठाकर फरार हुए अन्य नक्सलियों की तलाशी के लिए अतिरिक्त बलों की तैनाती कर दी गई है। सघन सर्च ऑपरेशन जारी है। सर्च ऑपरेशन पूर्ण होने तथा जवानों के बेस कैंप लौटने के बाद विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। पुलिस के अनुसार 11 जून की सुबह कुकानार

थाना बल एवं सुकमा डीआरजी की संयुक्त पुलिस टीम को नक्सली कैडरों की मौजूदगी की सूचना पर सर्च अभियान के लिए रवाना किया गया था। सुकमा जिले में लगातार जारी नक्सल विरोधी अभियानों के तहत सुरक्षाबलों की नक्सलियों से पुसगुन्ना जंगल में मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं, इनमें एक महिला नक्सली भी शामिल है।

उल्लेखनीय है कि जिले के कोंटा क्षेत्र में बारूदी विस्फोट में एएसपी आकाश गिरपूंजे की बलिदान के बाद पूरे सुकमा जिले में पुलिस एवं डीआरजी के जवान नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रहे हैं।

उपराज्यपाल ने अमरनाथ गुफा में की प्रथम पूजा, वार्षिक यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी

एजेंसी

श्रीनगर। अमरनाथ गुफा में हर-हर महादेव के नारे के साथ बाबा बर्फानी को नमन किया गया और पवित्र गुफा में प्रथम पूजा की गई, जो वार्षिक अमरनाथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत है।उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यात्रा की औपचारिक शुरुआत करते हुए अमरनाथ गुफा में प्रथम पूजा की। उन्होंने कहा कि 3 जुलाई से शुरू होने वालीअमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने तीर्थयात्रियों से बड़ी संख्या में अमरनाथ गुफा मंदिर में आने का आग्रह किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि 9 अगस्त को रक्षा बंधन पर समाप्त होने वाली यात्रा के लिए श्राइन बोर्ड और प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की सुविधाओं में सुधार किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और अन्य सीएपीएफ ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं, इसलिए मुझे लगता है कि किसी को कुछ भी सोचने की जरूरत नहीं है। उन्हें यहां आकर बाबा का आशीर्वाद लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, सेना, बीआरओ,

सीएपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सभी हितधारक परेशानी मुक्त और सुरक्षित तीर्थयात्रा के लिए पूरी निष्ठा, समर्पण, सहयोग और स्पष्ट उद्देश्यों के साथ काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों, नागरिक समाज और सभी सेवा प्रदाताओं का अमूल्य योगदान हमेशा असाधारण रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि सुविधाओं और सेवाओं में महत्वपूर्ण सुधार यह सुनिश्चित करेंगे कि इस वर्ष की तीर्थयात्रा सभी भक्तों के लिए यादगार और आध्यात्मिक रूप से संतुष्टिदायक हो। इस साल की 38 दिवसीय यात्रा 3 जुलाई को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में बालटाल और पहलगाम से शुरू होगी, जो 9 अगस्त को रक्षा बंधन पर सम्पन्न होगी।

राजस्थान में 24 घंटे में तीन सड़क हादसे, 12 की मौत व 24 घायल, कहीं दूल्हा तो कई दुल्हन की गई जान

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में 24 घंटे के दौरान तीन अलग-अलग जिले जैसलमेर, जालोर और जयपुर ग्रामीण जिले में तीन सड़क दुर्घटनाओं में दूल्हा-दुल्हन समेत 12 लोगों की मौत हो गई। इन दुर्घटनाओं में 24 से अधिक लोग घायल हुए हैं। जैसलमेर की दुर्घटना में दूल्हा सहित तीन लोगों की और जयपुर ग्रामीण जिले की दुर्घटना में दुल्हन समेत पांच की लोगों की मौत हुई है। जालौर जिले की दुर्घटना में चार लोगों की मौत हुई है। जैसलमेर जिले के बासनपीर गांव के पास रात हुए हादसे में शादी के बाद लौट रही कार को एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दूल्हा लीलाराम (45), उसकी बहन मूली देवी (35) और 9 माह के मासूम हितेश की मौत हो गई। नवविवाहिता

दुल्हन बसंती सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें जोधपुर रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार कार दुल्हन का रिश्तेदार चला रहा था और सभी पोकरण से शादी करके लौट रहे थे। दुर्घटना की सूचना मिलने पर ओड समाज के बड़ी संख्या में लोग जवाहिर अस्पताल की मोर्चरी के बाहर एकत्र हो गए। इन लोगों ने प्रशासन से मुआवजा देने और आरोपित चालक को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। दूसरी दुर्घटना जयपुर ग्रामीण के भटकाबास (रायसर) क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब 6:10 बजे हुई। दौसा-मनोहरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-148 पर ट्रक और बारातियों से भरी जीप की आमने-सामने भिड़ंत होने से दुल्हन समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (जयपुर ग्रामीण) आनंद शर्मा के अनुसार मंडोली जिला शहडोल, मध्य प्रदेश निवासी दुल्हन भारती (18), सीकर के श्रीमाधोपुर निवासी जीतू (33) पुत्र हरदयाल कुमावत, सुभाष (28) पुत्र मालीराम मीणा, झुंझुनू जिले के गुढ़ागौड़जी निवासी रवि कुमार (17) पुत्र छोटूराम मीणा की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति ने निम्स हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

शत्रुघ्न सिन्हा ने बधाई संदेश में लालू यादव को बता दिया जदयू सुप्रीमो

एजेंसी

पटना। फिल्म इंडस्ट्रीज में 'शॉटगन' के नाम से जाने जाने वाले शत्रुघ्न सिन्हा हमेशा से अपने डायलॉग के कारण सुपरहिट रहे हैं।और स्क्रिप्ट सही रहे तो डायलॉग हीट भी होती रही है।

लेकिन राजनीति में इस बार उनके स्क्रिप्ट में गड़बड़ी से उनका डायलॉग भी गड़बड़ हो गया। मौका था राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू यादव के जन्मदिन का और मंच था सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स। दरअसल, आसनसोल से त्रिणमूल कांग्रेस से सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने बुधवार को एक्स पर लालू यादव को बड़े जोशोखरोश के साथ जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। लेकिन इस बधाई के साथ उन्होंने ऐसा राजनीतिक पंच मार दिया कि राजद नेता और कार्यकर्ता कुछ समय के लिए असमंजस में पड़ गये। शत्रुघ्न सिन्हा ने एक्स पर लिखा हमारे प्रिय पारिवारिक मित्र, जदयू सुप्रीमो, लोकप्रिय, जन-जन के नेता लालू प्रसाद को जन्मदिन की शुभकामनाएं। बस फिर क्या था सोशल मीडिया पर हंसी के पटाखे छूटने लगे। किसी ने पूछा, क्या नीतीश कुमार ने भी टिकट कटा दिया? किसी ने यह आशंका जता दी कि कहीं लालू जी भी घर वापसी का प्लान तो नहीं बना रहे? राजनीतिक गलियारों में इस 'जुबानी चूक' को लेकर जबरदस्त चटखारे भी लिए जा रहे हैं। एक नेता ने चुटकी लेते हुए कमेंट किया लगता है शॉटगन जी अब अपने बयान भी डबिंग आर्टिस्ट से रिकार्ड करवा रहे हैं।

मुंबई में 52 करोड़ रुपये की ड्रग बरामद, ब्रिटिश नागरिक समेत 6 तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। मुंबई पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 52 करोड़ रुपये की ड्रग सहित 6 तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक ब्रिटिश नागरिक भी शामिल है, जो इस गिरोह का सरगना है। वह मोजाम्बिक के रास्ते देश में ड्रग्स की तस्करी करता था।

मुंबई पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) के एक अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि उनकी टीम एक गुप्त सूचना के आधार पर 28 मई को लंदन निवासी 50 वर्षीय कुलदीप सिंह हरजीत सिंह गोजारा को जोगेश्वरी इलाके से गिरफ्तार किया था। उसके पास से ट्रॉली बैग में 5.02 किलोग्राम कोकीन मिली, जिसकी कीमत करीब 52 करोड़

रुपये है। गोजारा जोगेश्वरी ईस्ट में कोकीन की खेप पहुंचाने आया था। गोजारा मूल रूप से पंजाब का रहने वाला है, लेकिन लंदन में रहता है।

गोजारा की गिरफ्तारी के बाद एंटी-नारकोटिक्स सेल की वर्ली यूनिट ने उसके खरीदारों और आपूर्तिकर्ताओं का पता लगाने के लिए जांच शुरू की। इसके बाद एएनसी टीम ने दीव द्वीप के रहने वाले महेंद्र प्रेजी को भी गिरफ्तार किया। उससे गहन पूछताछ के बाद पुलिस ने अब्दुल समद अफजल मेमन, परवेज अफाक और ऋषभ एड्रिस को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से हवाला भुगतान से संबंधित कई कोड भी जब्त किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। पूछताछ के बाद शेख मोहम्मद आरिफ उद्दीन को गिरफ्तार किया, जो पूर्वी अफ्रीका के मोजाम्बिक में रहता है और वह बांग्लादेशी नागरिक है। अब तक की छानबीन में पता चला है कि इन तस्करों ने मोजाम्बिक और दुबई की कई यात्रा की हैं। पूछताछ प्राथमिक चरण में है। इस मामले और गिरफ्तारी होने की संभावना है।

उज्जैन की नव्या बनेगी मध्य प्रदेश की पहली फ्लाइंग ऑफिसर, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक नगर उज्जैन की बेटी नव्या तिवारी ने इतिहास रच दिया है। मात्र 18 साल की उम्र में नव्या ने नेशनल डिफेंस एकेडमी 'एनडीए' की परीक्षा में पहले प्रयास में ही सफलता हासिल कर ली। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद वे भारतीय वायुसेना की फ्लाइंग ऑफिसर बनेंगी। वह मध्य प्रदेश की पहली लड़की हैं, जिसे एनडीए में स्थान मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नव्या तिवारी को एयर फोर्स फ्लाइंग ब्रांच में चयनित होने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि नव्या तिवारी मध्य प्रदेश की पहली फ्लाइंग ऑफिसर बनकर प्रदेश को गौरवान्वित करेंगी। नव्या के एनडीए में चयनित होने पर उनके घर बधाई

देने वालों का ताता लग गया। निजातपुरा निवासी व्यवसाई नवलेश और शिक्षिका संध्या तिवारी की 18 वर्षीय बेटी नव्या ने इसी साल सीकर के प्रिंस सैनिक स्कूल से हाल ही में 12वीं में 90 प्रतिशत अंक से पास की। नव्या ने बताया कि उनके पिता नवलेश तिवारी भी एक समय एनडीए में जाना चाहते थे, उन्होंने 23 साल पहले वायुसेना में जाने के लिए परीक्षा दी थी, लेकिन वह सफल नहीं हो पाए। इसलिए बचपन से उसका वायुसेना में जाने का सपना था। एनडीए के जरिए सेना में महिलाओं की भर्ती कुछ साल पहले शुरू की गई थी। इससे पहले एनडीए में लड़कियों के प्रवेश को लेकर नियम नहीं थे। इस बार पहली बैच पासआउट हुई है, जिसमें नव्या एमपी से एकलौती लड़की है, जिसका चयन हुआ है। नव्या ने बताया कि देशभर से इस परीक्षा में करीब चार लाख प्रतिभागी शामिल हुए थे। इसमें से सिर्फ 8000 ने लिखित परीक्षा पास की थी। इसमें वह भी शामिल थी। लिखित परीक्षा पास कर नव्या पांच दिन के इंटरव्यू राउंड के लिए बनारस पहुंची थी, जहां उसका सिलेक्शन हुआ। नव्या ने बताया कि पूरे एमपी से सिर्फ वही एनडीए में चुनी गई है।

यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा पैदा करना चाहती है अराजकताः अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में यह पार्टी विधानसभा चुनाव में अराजकता पैदा करना चाहती है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को विभिन्न जिलों से आए लोगों से वार्ता करते हुए कहा कि भाजपा का चरित्र अलोकतांत्रिक है। इसका आचरण अधिनायकवादी है। भाजपा भारतीय संविधान के लिए चुनौती बन गई है। यह उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अराजकता पैदा करना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के हर विभाग में भ्रष्टाचार और घोटाला है। हर कार्य में लूट है। कानून-व्यवस्था ध्वस्त है। दिनदहाड़े हत्या और लूट की घटनाएं हो रही हैं।उन्होंने कहा कि सरकार कानून व्यवस्था संभालने में विफल है। भाजपा के नेता और कार्यकर्ता खुद अराजकता पर उतारू हैं। जिलों-जिलों में सरकारी और गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। इस सरकार ने जनता के हित और प्रदेश के विकास के लिए कोई काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ने यूपी को विकास का विजन दिया है। प्रदेश में एक्सप्रेसवे बनाए, शहरों में मेट्रो रेल चलाई। अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम और पार्क बनाए, महिला सुरक्षा के लिए 1090 सेवा शुरू की।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में पांचों आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत : एडिशनल एसपी

एजेंसी

शिलांग। राजा रघुवंशी हत्याकांड की जांच ने एक अहम मोड़ ले लिया है। हत्याकांड में शामिल मुख्य आरोपी सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या में अपनी संलिप्तता को स्वीकार करते हुए जुर्म कबूल कर लिया है। इस केस में अब तक 5 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। हालांकि, पुलिस को शक है कि इस हत्या में और भी लोग शामिल हो सकते हैं। शिलांग के एडिशनल एसपी आशीष ने दावा किया कि इस केस में गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। उन्होंने समाचार एजेंसी से खास बातचीत में कहा कि हमारे पास

जांच के दौरान कई सबूत इकट्ठे हुए हैं, जिनके आधार पर हम यह विश्वास के साथ कह सकते हैं कि ये पांचों आरोपी इस अपराध में संलिप्त हैं। यदि भविष्य में जांच के दौरान और तथ्य सामने आते हैं, तो हम इस केस को और मजबूत करने की दिशा में प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो सोनम के परिवार के सदस्यों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। अभी तक जो साक्ष्य मिले हैं, वो इन पांच आरोपियों की संलिप्तता की पुष्टि करने के लिए पर्याप्त हैं, लेकिन जांच अभी जारी है। हो सकता है, इस मामले में 5 से अधिक लोग आरोपी हों। वारदात के बाद आरोपियों की लोकेशन और मूवमेंट पर भी पुलिस गहराई से जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि हत्या के बाद आरोपी शिलांग से गुवाहाटी, फिर इंदौर और अंत में गाजीपुर पहुंचे। इस संदर्भ में जब एडिशनल एसपी से पूछा गया कि क्या यह कोई खास मूवमेंट पैटर्न है, तो उन्होंने कहा कि यह अभी जांच का विषय है। जैसे ही पूछताछ आगे बढ़ेगी, हमें और जानकारी मिलेगी कि यह मूवमेंट प्लान किया हुआ था या महज भागने की कोशिश। यह भी पता लगाने की कोशिश करेंगे कि क्या इनका कोई और ठिकाना था या कोई और जगह भी ये लोग गए थे। उन्होंने आगे कहा कि हम इस घटना से जुड़े हुए सभी तारों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। केस में जो भी महत्वपूर्ण तथ्य होंगे, उन्हें हम पूरी गंभीरता से जांच में शामिल करेंगे। हमारा उद्देश्य यह है कि इस हत्याकांड की तह तक पहुंचा जाए और हर आरोपी को कानून के कठघरे में लाया जाए।

स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक है सिंगापुर

सुख, समृद्धि, संपन्नता, सफाई और सुगंध का पर्याय बन चुका सिंगापुर विश्व के श्रेष्ठ शहरों में से एक माना जाता है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख से ज्यादा सैलानी यहां घूमने-फिरने आते हैं। सिंगापुर धीरे-धीरे एक व्यावसायिक केन्द्र भी बनता जा रहा है। यहां पर विभिन्न देशों के लोग बस चुके हैं इनमें काफी भारतीय भी हैं। इसलिए यह आपको अपरिचित सा नहीं लगेगा।

अपने देश की तरह यहां न तो इधर-अधर केले का छिलका या पालिथीन का कोई थैला फेंकें और न ही किसी अन्य प्रकार से कोई गंदगी फैलाएं। जो व्यक्ति ऐसा करते हुए पाया जाता है उसे आर्थिक दंड तो दिया ही जाता है, ऐसा करते हुए टीवी पर भी दिखवाया जाता है।

सिंगापुर घूमना चाहते हैं तो आइए सबसे पहले आपको लिए चलते हैं जूरोंग चिड़ियाघर। विश्व का शायद ही कोई ऐसा पक्षी होगा जिसे आप इस अति विस्तृत चिड़ियाघर में न देखें। यहां लगभग 7500 पक्षी हैं। इनमें से कई पक्षी ऐसे हैं जिनकी आप 8-10 प्रजातियां देख सकते हैं।

क्रोकोडायल फार्म में आप कई तरह के मगरमच्छ देख सकते हैं। यह फार्म जूरोंग चिड़ियाघर के पास ही स्थित है। नाइट सफारी भी एक चिड़ियाघर ही है। जो 45 हेक्टेयर में फैला हुआ है। जानवरों की प्रकृति के अनुरूप 8 भागों में बंटा यह चिड़ियाघर अपने नाम को सार्थक करता हुआ सिर्फ रात में ही खुला रहता है। इस चिड़ियाघर के अंदर घूमने के लिए ट्राम की सुविधा उपलब्ध रहती है। साथ ही साथ गाइड भी उपलब्ध रहता है जो विश्व के विभिन्न भागों से लाए गए तरह-तरह के इन जानवरों के बारे में जानकारियां देता रहता है।

मिंग विलेज भी देखने लायक जगह है। ज्यों-ज्यों मानव समाज आधुनिकता की तरफबढ़ रहा है, त्यों-त्यों ग्रामीण परिवेश और हस्तशिल्प की ओर उसका रुझान भी बढ़ रहा है। क्रोकोडायल फार्म के पास स्थित इस स्थान पर ऐसा ही ग्रामीण परिवेश है और ऐसे ही हस्तशिल्पी भी यहां हैं। ये लोग न सिर्फ अपने हाथों से चीजें बनाते हैं, बल्कि चीनी-मिट्टी के बर्तन वगैरह पर नक्काशी भी करते हैं।

सैंतोसा आइलैण्ड भी जरूर घूमने जाएं। यह सिंगापुर से कुछ दूरी पर स्थित एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। हालांकि यहां प्रवेश शुल्क देना पड़ता है लेकिन इसके अलावा कोई अन्य सेवा शुल्क नहीं लिया जाता। यहां का समुद्र तट काफी सुंदर और स्वच्छ है।

यहां का प्रसिद्ध अंडर वाटर वर्ल्ड एशिया का पहला और सबसे बड़ा कृत्रिम समुद्र है। यहां पर आपको सैंकड़ों तरह की मछलियां दिखेंगी, जिनमें सी ड्रैगन नामक एक मछली भी है। ये सारी मछलियां विश्व के अलग-अलग भागों से यहां लाई गई हैं। वोल्कैनोलैण्ड और तितलीघर भी देखने लायक जगह हैं।

किसी भी मौसम में जाएं लुभाता है रानीखेत

यदि आप प्रकृति के सभी अद्भूत नजारों का एक ही स्थान पर आनंद उठाना चाहते हैं तो गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए रानीखेत सबसे बेहतर विकल्प है। यहां दूर-दूर तक रजत मंडित सदृश हिमाच्छादित गगनचुंबी पर्वत, सुंदर घाटियां, चीड़ और देवदार के ऊंचे-ऊंचे पेड़, घना जंगल, फ्लों लताओं से ढके संकरे रास्ते, टेढ़ी-मेढ़ी जलधारा, सुंदर वास्तु कला वाले प्राचीन मंदिर, ऊंची उड़ान भर रहे तरह-तरह के पक्षी.....और शहरी कोलाहल तथा प्रदूषण से दूर ग्रामीण परिवेश का अद्भुत सौंदर्य आकर्षण का केन्द्र है।

मनोरम पर्वतीय स्थल रानीखेत समुद्र-तल से 1830 मीटर की ऊंचाई पर लगभग 25 वर्ग किलोमीटर में फैला है। कुमाऊं क्षेत्र में पड़ने वाले इस स्थान से लगभग 400 किलोमीटर लंबी हिमाच्छादित पर्वत-श्रृंखला का ज्यादातर भाग दिखता हैं। इन पर्वतों की चोटियां सुबह-दोपहर-शाम अलग-अलग रंग की मालूम पड़ती हैं।

इस पूरे क्षेत्र की मोहक सुंदरता का अनुमान कभी नीदरलैण्ड के राजदूत रहे वान पैलेन्ट के इस कथन से लगाया जा सकता है।'' जिसने रानीखेत को नहीं देखा, उसने भारत को नहीं देखा।'' कहा जाता है कि सैकड़ों वर्ष पहले कोई रानी अपनी यात्रा पर निकली हुई थीं। इस क्षेत्र से गुजरते समय वह यहां के प्राकृतिक सौंदर्य से मोहित होकर रात्रि-विश्राम के लिए रुकीं। बाद में उन्हें यह स्थान इतना अच्छा लगा कि उन्होंने यहीं पर अपना स्थायी निवास बना लिया।

चूंकि तब इस स्थान पर छोटे-छोटे खेत थे, इसलिए इस स्थान का नाम 'रानीखेत' पड़ गया। अंग्रेजों के शासनकाल में सैनिकों की छावनी के लिए इस क्षेत्र का विकास किया गया। क्योंकि रानीखेत कुमाऊं रेजिमेन्ट का मुख्यालय है, इसलिए यह पूरा क्षेत्र काफी साफ-सुथरा रहता हैं। यहां का बाजार तो अद्भुत है। पहाड़ के उतार (यानी खड़ी चढ़ाई) पर बना हुआ। इसलिए इसे 'खड़ा बाजार' कहा जाता हैं।

घूमने के लिए सही समय

रानीखेत जाने व घूमने के लिए ठंड और बरसात का समय ठीक नहीं रहता। अत: बेहतर होगा कि आप वहां अप्रैल के प्रारंभ से जून के मध्य या सितंबर के मध्य से नवंबर के मध्य तक के समय में ही जाएं।

अगर आप हवाई जहाज से जाना चाहते हैं, तो पंतनगर के हवाई अड्डे पर उतरना पड़ेगा, क्योंकि यहां का भी निकटतम हवाई अड्डा वहीं हैं। वहां से रानीखेत की 119 किलोमीटर की दूरी टैक्सी वगैरह से तय करनी पड़ेगी। अगर आप रेलगाड़ी से यात्रा करना चाहते हैं, तो काठगोदाम स्टेशन तक जा सकते हैं, क्योंकि रानीखेत का निकटतम रेलवे स्टेशन वही हैं। वहां से रानीखेत की 84 किलोमीटर की दूरी परिवहन निगम की बस या टैक्सी से तय की जा सकती हैं।

दर्शनीय स्थल

उपत : रानीखेत में शहर से 5 किलोमीटर दूर (अल्मोड़ा जाने वाले रास्ते में) चीड़ के घने जंगल के बीच (6000 फुट की ऊंचाई पर) उपत नामक स्थान पर एक विश्वप्रसिध्द गोल्फ मैदान है। यहां प्राय: फिल्मों की शूटिंग होती रहती हैं। कोमल हरी घास का यह सुंदर मैदान नौ छेदों वाला हैं। ऐसा मैदान बहुत कम देखने को मिलता है। यहां खिलाड़ियों के रहने के लिए एक सुंदर बंगला बना हुआ है, जहां से दूर तक फैले हिमाच्छादित पवज़्तों को देखना बहुत ही अच्छा लगता हैं।

हेड़ाखान मंदिर : अल्मोड़ा से 6 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान 'चिलियानौला' के नाम से भी जाना जाता हैं। अपनी प्राकृतिक सुषमा के कारण यह स्थान पिकनिक और ट्रैकिंग के लिए काफी उपयुक्त है। फूलों के सुंदर बाग के कारण यहां की रमणीयता और बढ़ जाती हैं। यहां पर साधु हेड़ाखान का मंदिर भी हैं।

हरबेरियम : प्रसिध्द वनस्पति-शास्त्री राम जी लाल द्वारा स्थापित इस हरबेरियम (वनस्पति संग्रहायल) में तरह-तरह की वनस्पतियों व जड़ी-बूटियों का अद्भुत संग्रह प्रदर्शनार्थ रखा गया हैं। पूरे भारत में यह अपनी तरह का एक अलग हरबेरियम हैं। चौबटिया- रानीखेत से 10 किलोमीटर दूर इस स्थान पर एशिया का सबसे बड़ा फलों का बगीचा हैं। यहां दर्जनों तरह के फ्लों के पेड़ हैं, जिन्हें देखकर पर्यटक गद्द हो उठते हैं। यहां सरकार द्वारा स्थापित विशाल फ्ल संरक्षण केंद्र भी देखने लायक हैं। यह स्थान एक सुंदर पिकनिक स्थल भी हैं। इसके पास ही अगल-बगल तीन जल-स्त्रोत भी हैं, जो इस पूरे स्थान के प्राकृतिक वैभव को और अधिक बढ़ा देते हैं।

शीलतखेत : रानीखेत से 35 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान अब एक अच्छे पर्यटन-स्थल के रूप में विकसित हो रहा हैं। यहां से हिमाच्छादित के सुंदर दृश्यों को देखना बहुत ही अच्छा लगता हैं। ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां से नीचे का नजारा अत्यंत लुभावना दिखता हैं।

कसौली ये वादियां ये फिजाएं

कसौली यानी हिमाचल प्रदेश का ऐसा हिल स्टेशन, जो अपनी खुशनुमा आबोहवा के लिए दुनिया भर में लोकप्रिय है। प्रसिद्ध हिल स्टेशन शिमला से भी अधिक ऊंचाई (3,647 मीटर) पर स्थित कसौली शिमला वाली भीड़ से तो दूर है ही, पल-पल में बदलने वाली यहां की हवा इसे और खास बना देती है। अपनी खूबियों के लिए टाइम मैगजीन में भी एशिया के सर्वश्रेष्ठ हिल स्टेशन का दर्जा पा लेने वाले कसौली है।

यहां देखते-देखते हवा बदलने लगती है और बादलों का समूह पलभर में ही धूप के नीचे छाकर बरस पड़ता है। दूसरे ही पल मौसम साफऔर चारों तरफसे तन-मन को रोमांचित करने वाली खुशनुमा हवा छूने लगती है। चाहे आप यहां के मंकी प्वाइंट पर हों या क्राइस्ट चर्च के बाहर, बस अड्डे पर हों या माल रोड पर, हनुमान मंदिर में हों या साईं बाबा मंदिर में, हर जगह पल भर में मन को तारोताजा कर देने वाली मनमोहक हवा आपको रोमांच से भर देगी। बल्कि यूं कहें कि कसौली पहुंचने से दो-तीन किलोमीटर पहले से आपको कसौली के क्षेत्र में प्रवेश करने का अहसास हो जाएगा। जी हां, ऐसा है हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित हिल स्टेशन कसौली का जादू। यूं तो यहां लोग साल भर आते रहते हैं, लेकिन अप्रैल से जून और सितम्बर से नवम्बर के बीच यहां अधिक पर्यटक आते हैं। इस बीच कसौली के मौसम के अनेक रंग देखने को मिल जाते हैं। कभी थोड़ी धूप, कभी थोड़े बादल और कभी हल्की-हल्की बारिश की बूंदें। यहां के पेड़-पौधों पर इस मौसम का जो रंग चढ़ता है, उसे फूल-पत्तों पर महसूस किया जा सकता है। बर्फ का आनन्द उठाने की चाह रखने वाले पर्यटकों को यहां दिसम्बर से फरवरी के बीच होने वाली ओस जैसी बर्फकी बारिश खूब गुदगुदाती है। लेखक-कलाकार को तो यहां बारिश का मौसम (जुलाई-अगस्त) और भी ऊंची उड़ानें भरने के लिए प्रेरित करता है।

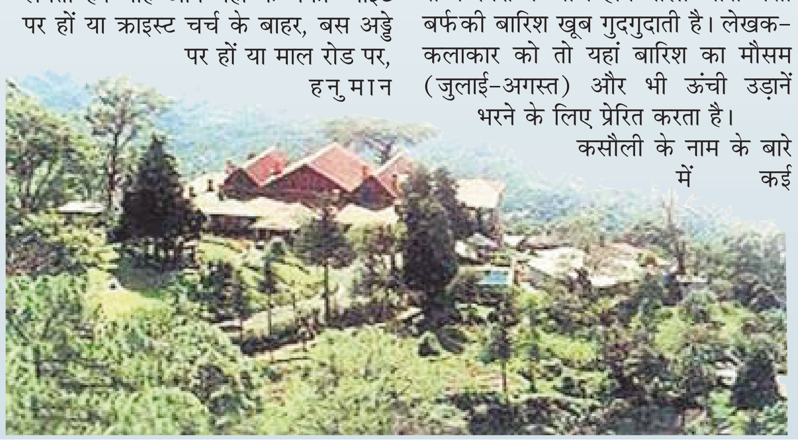

कसौली के नाम के बारे में कई कहानियां हैं। इसके लिए हमें 17वीं शताब्दी में जाना पड़ता है। कहा जाता है कि रेवाड़ी के कुछ राजपूत परिवार हिमालय की तलहटी में बसे कसुल नामक छोटे-से गांव में आ बसे थे। बाद में यही गांव समय के साथ कसौली के रूप में स्थापित हो गया। दूसरी कहानी के अनुसार, जाबली के पास कौसल्या नामक एक पहाड़ी जलधारा है। इस कारण इस जगह का नाम कसौली पड़ा। इस जगह के नाम के चाहे जितने किस्से हों, लेकिन विशेषताओं की चर्चा एक ही है और वह है एक बेहद आकर्षक हिल स्टेशन, जहां बीमारी के बाद लोग स्वास्थ्य लाभ के लिए जाते हैं और जहां की हवा रचनात्मक लोगों को रचना कर्म के लिए प्रेरित करती रहती है। शायद यही वजह थी कि अंग्रेजों ने इसे हिल स्टेशन के रूप में व्यवस्थित रूप से विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी।

यहां आने वाले पर्यटकों में यहां की कुछ प्रमुख जगहें आकर्षण का केन्द्र बनी रहती हैं। इनमें कसौली की सबसे ऊंची जगह मंकी प्वाइंट, मंकी प्वाइंट पर बना हनुमान मंदिर, कसौली के कोलोनियल आर्किटेक्ट की मिसाल क्राइस्ट बैप्टिस्ट चर्च, बाबा बालक नाथ मंदिर, शिरडी साईं बाबा मंदिर, एयरफोर्स गार्ड स्टेशन, एशिया का सबसे ऊंचा टीवी टावर और नजदीक ही सनावर स्थित लॉरेंस स्कूल, पाइनग्रोव स्कूल, सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल जैसे प्राचीन स्कूल हैं, जो 100 साल से भी अधिक पुराने हैं। मंकी प्वाइंट यहां की सर्वाधिक लोकप्रिय जगह है। कहते हैं कि भगवान हनुमान ने लक्ष्मण की जान बचाने के लिए संजीवनी बूटी लाने जाते वक्त छलांग के पूर्व कसौली के इस प्वाइंट पर कदम रखे थे। कसौली के सबसे ऊंचे इस प्वाइंट पर हनुमान मंदिर भी है, जहां श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ रहती है। मनोरम दृश्यों के दीवानों को यहां से कसौली की वादियों का नजारा देख कर रोमांचित होते खूब देखा जा सकता है।

यहां अंग्रेजों द्वारा 1880 में स्थापित कसौली क्लब भी अपने आप में एक देखने की जगह है। देश के नामचीन क्लबों में शामिल इस क्लब की सदस्यता के लिए 20 सालों की वेटिंग चलती है।

कैसे पहुंचें

वायु मार्ग : कसौली का नजदीकी हवाई अड्डा चंडीगढ़ में है, जो कसौली से 65 किलोमीटर है। दिल्ली से चंडीगढ़ के लिए दिन भर में अनेक उड़ानें हैं। इंडियन एयरलाइन्स, किंगफिशर, जेट एयर, जेट लाइट की उड़ानें प्रतिदिन हैं।

रेल मार्ग : दिल्ली से कालका के लिए दिनभर में पांच गाड़ियां हैं। हिमालयन क्वीन, कालका शताब्दी, पश्चिम एक्सप्रेस और हावड़ा-दिल्ली-कालका मेल से आप कालका तक पहुंच सकते हैं। उसके आगे कालका से शिमला लाइन पर आप धर्मपुर स्टेशन तक ट्रेन से जा सकते हैं। चाहे कालका शिमला पैसेंजर लें या कालका शिमला एक्सप्रेस या अन्य गाडि़यां, पहाडि़यों की खूबसूरती का नजारा करते हुए आप लगभग डेढ़ घंटे में (लगभग 33 किलोमीटर) धमज़्पुर पहुंच जाएंगे। वहां से हिमाचल रोडवेज की बस या टैक्सी लेकर कसौली तक की 12 किलोमीटर की दूरी तय कर सकते हैं।

सड़क मार्ग: दिल्ली से कसौली की दूरी 264 किलोमीटर है। चंडीगढ़ और कालका से यह क्रमश: 67 व 35 किलोमीटर है। दिल्ली से कश्मीरी गेट बस अड्डे से हिमाचल रोडवेज की बस लेकर धर्मपुर तक पहुंच सकते हैं। वहां से लोकल बस और टैक्सियां मिल जाएंगी। चंडीगढ़ से भी नियमित बसें हैं।

कहां ठहरें

कसौली की लोकप्रियता को देखते हुए यहां ठहरने की बेहतर व्यवस्था का अंदाजा लगा सकते हैं। यहां दर्जनों अच्छे होटल, रिजॉर्ट, गेस्ट हाउस हैं। हिमाचल टूरिज्म का भी एक हेरिटेज होटल है, जिसका नाम है द रोज कॉमन। यहां डीबीआर (डबल बेडरूम) डीलक्स का चार्ज 2200 रुपए है, जबकि डीबीआर कोजी डीलक्स का 2500 व कसौली सूइट्स का चार्ज 3500 रुपए है। यहां चार बिस्तरों वाले भी दो कमरे हैं, जिनका किराया प्रति कमरा 2000 रुपए है। सीजन में बुकिंग कम-से-कम एक महीना पहले करानी चाहिए। इसके अलावा होटल शिवालिक, होटल आंचल, होटल ब्रॉडवे, सूर्य रॉक रोज रिजॉर्ट, बैकुंठ रिजॉर्ट, द ब्लिस रिजॉर्ट, बर्डस व्यू रिजॉर्ट, हेमकुंठ रिजॉर्ट, ब्लॉसम रिजॉर्ट, कसौली कैसल रिजॉर्ट, कसौली रीजेंसी आदि प्रमुख हैं। यहां अनेक होम स्टे भी हैं, जहां सस्ते कमरे मिल जाते हैं। कसौली और उसके आसपास ही एक दर्जन से अधिक होम स्टे हैं, जो हिमाचल टूरिज्म द्वारा पंजीकृत हैं।

हनी सिंह ने फिर लिया रैपर बादशाह से पंगा, दुआ लीपा वाले विवादित बयान की सफाई पर कसा तंज

बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री में एक बार फिर दो पुराने रैपर्स के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। इस बार मामला है रैपर बादशाह के एक विवादित बयान और उस पर हनी सिंह की तीखी प्रतिक्रिया का। दुआ लीपा को लेकर दिए गए एक कमेंट के बाद पहले ही बादशाह सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे थे और अब हनी सिंह के तंज ने इस विवाद को और बढ़ा दिया है। दरअसल बादशाह ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इंटरनेशनल पॉप सिंगर दुआ लीपा के बारे में ऐसा बयान दिया, जो काफी आपत्तिजनक माना गया। उन्होंने कहा था कि वो उनके साथ बच्चे पैदा करना पसंद करेंगे। इस बयान को लेकर सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई। मामला तूल पकड़ने के बाद बादशाह ने सफाई दी कि उनका इरादा तारीफ करने का था, न कि अपमान का। उन्होंने कहा, 'जब आप किसी महिला की तारीफ करना चाहते हैं, तो सबसे खूबसूरत तारीफ ये हो सकती है कि आप उन्हें अपने बच्चों की मां के रूप में देखना चाहें।'

हनी सिंह ने किया कटाक्ष

हालांकि बादशाह की ये सफाई भी लोगों को रास नहीं आई। इंस्टाग्राम पर जब एक मीडिया पेज ने उनकी सफाई को पोस्ट किया, तो हनी सिंह ने उस पर कमेंट करते हुए लिखा- जीनियस। यह कमेंट भले ही छोटा था, लेकिन इसके पीछे छुपा तंज इंटरनेट यूजर्स से छिपा नहीं रहा। फैंस ने तुरंत समझ लिया कि हनी सिंह बादशाह की सफाई पर व्यंग्य कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'पाजी ने तो कटाक्ष कर दिया', तो दूसरे ने लिखा, 'पाजी, तुस्सी ग्रेट हो!'

पुरानी दुश्मनी एक बार फिर गर्माई

गौरतलब है कि हनी सिंह और बादशाह कभी एक ही रैप ग्रुप 'माफिया मुंडीर' का हिस्सा थे, जिसमें इक्का, लिल गोलू और रफ्तार जैसे रैपर भी थे। लेकिन समय के साथ इनके बीच मतभेद बढ़े और ग्रुप टूट गया। तब से दोनों रैपर्स के बीच दरार बनी हुई है, जो सोशल मीडिया और इंटरव्यूज के जरिए कई बार सामने आ चुकी है।

बादशाह ने हनी सिंह से मांगी थी माफी

2024 में देहरादून में एक लाइव कॉन्सर्ट के दौरान बादशाह ने मंच से यह कहकर सबको चौंका दिया था कि वे हनी सिंह से अपनी दुश्मनी खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा था कि वो बीती बातों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना चाहते हैं और हनी सिंह के लिए शुभकामनाएं भी दी थीं। लेकिन लगता है कि हनी सिंह अब भी इस रिश्ते को पहले की तरह ही देख रहे हैं और मेल-मिलाप के मूड में नहीं हैं।

अब खुद को 'अनुराग बसु की हीरोइन' कह सकती हूं

फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान के लिए यह एक सपना सच होने जैसा है। दरअसल, अभिनेत्री फिल्म निर्माता अनुराग बसु और 2007 की फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो की प्रशंसक रही हैं। सारा ने कहा कि दूसरी फिल्म में काम करने के बाद अब वह खुद को अनुराग बसु की हीरोइन कह सकती हैं। सारा ने इंस्टाग्राम पर मेट्रो.इन दिनो के ट्रेलर लॉन्च का एक वीडियो शेयर किया। इसमें आगामी फिल्म के ट्रेलर की कुछ झलकियां भी दिखाई गई। फिल्म 4 जुलाई को रिलीज होने वाली है।

कैप्शन में सारा ने लिखा, मेट्रो देखने और उसे पसंद करने से लेकर अब इसमें काम करने तक। सपने सच होते हैं। मैं अनुराग बसु की प्रशंसक रही हूं- अब मैं कह सकती हूँ कि मैं भी अनुराग बसु की हीरोइन हूं। म्यूजिकल फिल्म का ट्रेलर 4 जून को जारी किया गया था और इसमें चार अलग-अलग उम्र के जोड़ों की दिलचस्प कहानी दिखाई गई थी। ट्रेलर के अनुसार, फिल्म का कथानक काफी हद तक अपनी पिछली फिल्म जैसा ही है। इसमें 4 जोड़ों की जिंदगी को दिखाया गया है और दिखाया गया है कि वे किस तरह से जीवन में आने वाले उतार-चढ़ावों का सामना करते हैं।

फिल्म में अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, फातिमा सना शेख, अली फजल और नीना गुप्ता हैं। अनुराग बसु, संगीत के दिग्गज प्रीतम, टी-सीरीज के निर्माता भूषण कुमार और शाश्वत सिंह, पापोन और राघव चैतन्य जैसे गायकों की उपस्थिति में फिल्म का पहला गाना 'जमाना लागे जारी किया गया था। गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत, अनुराग बसु प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, 'मेट्रो इन दिनो' का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु द्वारा किया गया है। यह फिल्म 4 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली है। सारा को आखिरी बार एक्शन ड्रामा फिल्म स्काई फोर्स में देखा गया था, जो 1965 के भारत-पाकिस्तान हवाई युद्ध में पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस पर भारत के पहले हवाई हमले के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में अक्षय कुमार, वीर पहाड़िया और निमरत कौर भी हैं।

हाउसफुल 5 शानदार ओपनिंग का सोनम ने मनाया जश्न, टाइगर श्रॉफ ने दी बधाई

बॉलीवुड में हाल ही में कदम रखने वाली पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा इन दिनों अपनी पहली हिंदी फिल्म हाउसफुल 5 की सफलता का जश्न मना रही हैं। हालांकि फिल्म तो मिले-जुले रिएक्शन्स मिल रहे हैं लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म अच्छे आकंड़े लेकर आ रही है। बस इसी खुशी का जश्न को सोनम बाजवा ने अपनी आने वाली फिल्म के सेट पर मनाया।

टाइगर श्रॉफ ने दी सोनम को बधाई

बागी 4 के सेट से सामने आए वीडियो में सोनम बाजवा बेहद खुश नजर आ रही हैं। फिल्म की ओपनिंग डे पर कमाई 24.35 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई, जिसे लेकर सभी बेहद उत्साहित थे। सोनम के साथ मौजूद टाइगर श्रॉफ ने भी इस मौके पर खास मैसेज दिया और कहा, 'हाउसफुल 5' की टीम को इतने जबरदस्त रिस्पॉन्स के लिए बधाई। सजिद सर, संजय सर और खूबसूरत सोनम को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।'

सोनम बाजवा ने जताया आभार

सोनम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'हाउसफुल 5' हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। ये मेरा पहला बॉलीवुड प्रोजेक्ट है और इससे बेहतर स्वागत मैं सोच भी नहीं सकती थी। सजिद सर और पूरी टीम का तहेदिल से शुक्रिया।' उन्होंने बागी 4 की टीम को भी इस सरप्राइज सेलिब्रेशन के लिए धन्यवाद दिया और लिखा, 'टाइगर, निम्मा हरिशा सर और पूरी बागी 4 की टीम का बहुत शुक्रिया इस यादगार जश्न के लिए। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे संजय दत्त सर के साथ दोनों फिल्मों में काम करने का मौका मिला।'

सोनम के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

हाउसफुल 5 के बाद सोनम अब टाइगर श्रॉफ के साथ बागी 4 में नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास एक दीवाने की दीवानियत नाम की एक और बॉलीवुड फिल्म है, जिसमें उनके साथ हर्षवर्धन राणे दिखाई देंगे। सोनम अब बॉलीवुड में अपने अभिनय की छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

रिलेशनशिप को लेकर अनन्या पांडे का खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। इसी बीच एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या ने खुलकर रिलेशनशिप को लेकर अपनी राय पेश की।

पार्टनर के लिए बदल जाते हैं लोग

एक खबर के मुताबिक, अनन्या पांडे ने बताया कि वह अक्सर अपने पार्टनर को खुश करने के लिए खुद को बदल लेती थीं, जैसे उनकी पसंद की फिल्में देखना या उनके जैसा कपड़े पहनना। अनन्या ने इसे अपने लोगों को खुश करने वाले व्यक्तित्व का हिस्सा बताया। इसके साथ ही उन्होंने रिलेशनशिप में धोखा देना, झूठ बोलना, और अपने पार्टनर को सार्वजनिक रूप से नीचे दिखाने को लेकर भी बात की।

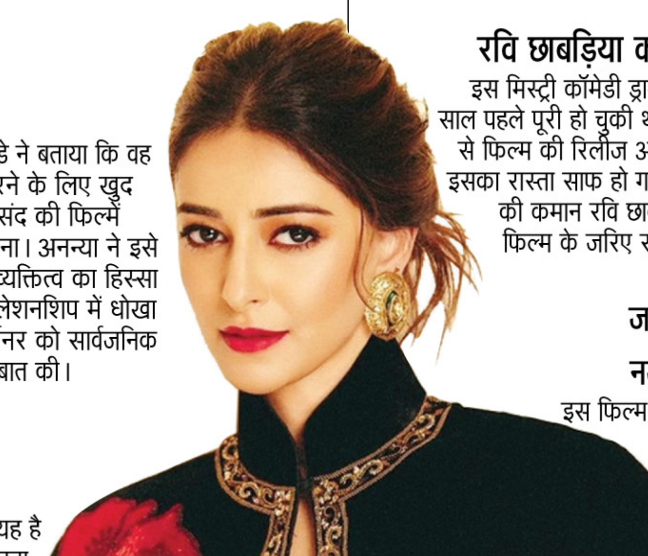

रिश्ते में क्या है सबसे बड़ा खतरा

अनन्या के लिए सबसे बड़ा खतरा यह है कि अगर कोई पार्टनर उनकी सफलता से खुश न हो। उन्होंने कहा कि रिलेशनशिप में ईमानदारी और एक-दूसरे को वैसे ही स्वीकार करना जरूरी है। कथित तौर पर पहले अनन्या का नाम ईशान खट्टर, कार्तिक आर्यन और आदित्य रॉय कपूर के साथ जोड़ा गया था। अब अफवाह है कि वह पूर्व मॉडल वॉकर ब्लैंको को डेट कर रही हैं, लेकिन उन्होंने इस पर कोई चर्चा नहीं की।

हाल ही में अनन्या एक्टर अक्षय कुमार और आर माधवन के साथ फिल्म केसरी चैप्टर 2 में नजर आईं, जिसे दर्शकों और आलोचकों ने पसंद किया। वह जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म चांद मेरा दिल में लक्ष्य के साथ और कार्तिक आर्यन के साथ रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी में नजर आएंगी। फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी 13 फरवरी, 2026 को रिलीज होगी।

इस दिन ओटीटी पर रिलीज होगी दिलजीत की डिटेक्टिव शेरदिल

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ की आगामी फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल की रिलीज डेट का एलान हो गया है। यह फिल्म इसी महीने यानी जून में दर्शकों के बीच पहुंच रही है। मगर, फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा है। इस फिल्म को अली अब्बास जफर ने प्रोड्यूस किया है।

इस तारीख को यहां होगी रिलीज

डिटेक्टिव शेरदिल की रिलीज डेट काफी वक्त से अटकी हुई थी। करीब तीन साल की लेट-लतीफी के बाद आखिर आज रविवार की इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है। अली अब्बास जफर ने फिल्म का पोस्टर रिलीज किया है। इसके साथ बताया है कि यह फिल्म 20 जून 2025 को रिलीज हो रही है। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम होगी।

रवि छाबड़िया का डायरेक्शन डेब्यू

इस मिस्ट्री कॉमेडी ड्रामा फिल्म की शूटिंग कई साल पहले पूरी हो चुकी थी। मगर, अज्ञात कारणों से फिल्म की रिलीज अटकी हुई थी, मगर आज इसका रास्ता साफ हो गया है। फिल्म के निर्देशन की कमान रवि छाबड़िया ने संभाली है। इस फिल्म के जरिए रवि निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं।

जासूस की भूमिका में नजर आएंगे दिलजीत

इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ एक अनोखे जासूस की भूमिका में नजर आएंगे। दिलजीत के अलावा सुमित व्यास, डायना पेंटी, बनिता संधू, चंकी पांडे, बोमन ईरानी और रत्ना पाठक शाह भी फिल्म में अहम भूमिकाएं अदा करते दिखेंगे।

सरदार जी 3 भी है कतार में

डिटेक्टिव शेरदिल, दिलजीत दोसांझ और अली अब्बास जफर की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों जोगी फिल्म में साथ काम कर चुके हैं। डिटेक्टिव शेरदिल में दर्शकों को सस्पेंस, रोमांच और कॉमेडी का भरपूर डोज मिलने वाला है। इसके अलावा दिलजीत दोसांझ फिल्म सरदार जी 3 में नजर आएंगे, जो 27 जून 2025 को रिलीज होगी।

पहले हीरोइनें सेट पर डरी-सहमी रहती थीं कि कहीं उनके हाथ से फिल्म ना निकल जाए

कुनिका सदानंद करीब चार दशक का लंबा सफर तय कर चुकी हैं। इसके लिए वह खुद को खुशनसीब मानती हैं। उन्होंने कई बार नकारात्मक किरदारों से दर्शकों का दिल जीता है, लेकिन असल में वह बेहद सकारात्मक सोच वाली महिला हैं। बीते दिनों वह नजाकत और नफासत के शहर से रूबरू हुईं तो सबसे मुस्कुराकर मिलीं।

सूरज बड़जात्या बिना शोर-शराबे के शूटिंग करते हैं सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित फिल्म हम साथ साथ हैं आज भी लोगों के जेहन में है। कुनिका सदानंद भी उस फिल्म का हिस्सा थीं। बातचीत में उन्होंने फिल्म से जुड़ा अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि फिल्म में शादी वाले सीक्वेंस शूट करने में बहुत मजा आया था। ऐसा लगता था कि जैसे हम किसी बहुत बड़ी शादी में मेहमान बनकर आए हों और वहां पूरा परिवार इकट्ठा हुआ हो। सूरज बड़जात्या जी के साथ क्या है ना कि वो बहुत आराम से शूटिंग करते हैं। उनके सेट पर आपको शोर-शराबा नहीं सुनने को मिलेगा। शाकाहारी खाना मिलता है। साथ ही साफ-सफाई का पूरा खयाल रखा जाता है। रमेश सिप्पी, इंदर कुमार, अब्बास-मस्तान जैसे फिल्ममेकर्स के साथ भी काम करके बहुत मजा आया है।

कई लोग आपकी सिलेब्रिटी इमेज से प्यार करते हैं

वह कहती हैं कि कई बार मेरे भाव और गंभीरता को देखकर लोगों को लगता है कि कहीं मैं एक्टिंग तो नहीं कर रही। मेरा मानना है कि सामने वाला अगर आपको ठीक से जानता है तो वो जरूर पकड़ लेगा कि आप एक्टिंग कर रहे या वाकई में सच बोल रहे हैं। होता क्या है कि जब आप सिलेब्रिटी हो जाते हैं तो कई लोग आपकी उसी छवि से प्यार करने लगते हैं। वो पूरी तरह से आपके ग्लैमर पर फिदा रहते हैं। ये बात कइयों को बहुत बाद में पता चलती है। असल में क्या है कि ऐसे लोग आपकी आत्मा को नहीं छू पाते और ना ही वह आपको भीतर से जानने की कोशिश करते हैं। ये बहुत दुखद चीज है। पार्टनर ऐसा चुनिए जो आपको भीतर से जानता हो ना कि वो सिर्फ आपके ग्लैमर पर फिदा हो।

खुशनसीब हूं कि इंडस्ट्री में काम कर रही

फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। 37 साल का लंबा करियर हो चुका है। बाकी उतार-चढ़ाव तो हर किसी के जीवन का हिस्सा है। मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि मैं इस इंडस्ट्री का हिस्सा हूं। बहुत से ऐसे लोग हैं, जो यहां काम करने का सपना देखते हैं लेकिन उन्हें मौका नहीं मिल पाता। अच्छे लोगों के साथ काम करने के साथ मुझे सीख भी काफी मिली हैं। सबसे खास सीख मुझे फिल्म इंडस्ट्री की लगती है कि वो यही है कि फिल्में सदाबहार होती हैं। उन्हें चाहे जितने साल बीत जाएं लेकिन लोग उन्हें देखना या उनके बारे में बात करना नहीं भूलते हैं।

पहले हीरोइन डरी-सहमी रहती थीं

हमारे समय से लेकर अब तक फिल्म इंडस्ट्री में काफी बदलाव हुआ है। पहले हीरोइन सेट पर डरी-सहमी रहती थीं कि कहीं उनके हाथ से फिल्म ना निकल जाए। अब उन्हें अपनी जगह पता है और अपने टैलेंट पर भरोसा है इसलिए वह किसी से नहीं डरती हैं। कई बार ऐसा भी हुआ है कि हीरोइन को फिल्म बनने के बाद भी पूरे पैसे नहीं मिले और प्रोड्यूसर उन्हें टरकाते रहे। फिर अगर कहीं फिल्म फ्लॉप हो गई तो आपके पैसे डूब गए समझो। सिर्फ सेक्शुअल इश्यूज नहीं हैं, इस तरह की घटनाएं भी इंडस्ट्री में होती रही हैं। आज सोशल मीडिया के जमाने में क्या है कि लोग खुलकर बोल सकते हैं।

...तो जिम्मेदार लोगों से सवाल किया जाना चाहिए

आज के समय में सिर्फ युवा ही नहीं, हर कोई तनाव में है। लोगों को अपने भविष्य की चिंता करनी चाहिए। कमाई का जरिया, नौकरियां, अच्छे इंस्टिट्यूशंस और बेहतर मेडिकल सुविधाएं नहीं होंगी तो हर कोई तनाव में आ जाएगा। ऐसे में जनता को जिम्मेदार लोगों से सवाल करना चाहिए कि आखिर हमारे लिए क्या किया जा रहा है। झंडा लेकर घूमना, तलवारों के साथ डांस करना और त्योहारों पर अश्लील गाने गाना ये सही नहीं है। अपने हक के लिए आवाज उठाना बेहद जरूरी है। अगर हम आवाज नहीं उठाएंगे तो हमारा इस्तेमाल ऐसे ही होता रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों के आगे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजी लड़खड़ाई

लॉर्ड्स (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 212 रनों के स्कोर पर रोकने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में बुधवार को लडखड़ाई और उसके बल्लेबाज संघर्ष करते देखे गये। दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका ने 22 ओवर में 43 रन के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिये है।

बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम(शून्य) का विकेट गवां दिया। उन्हें मिचेल स्टार्क ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद रियान रिकलटन (16) भी स्टार्क का शिकार बने। वियान मुल्डर (छह) को पैट कमिंस ने बोल्ड आउट किया। वहीं ट्रिस्टन स्टब्स (दो) को जॉश हेजलवुड ने बोल्ड आउटकर ऑस्ट्रेलिया की मैच में वापसी करा दी। दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका 43 रन पर चार विकेट गवांकर संघर्ष करती दिखी। कप्तान टेम्बा बावूमा (नाबाद तीन) और डेविड बेडिघंम (नाबाद आठ) क्रीज पर मौजूद है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने दो विकेट लिये। जॉश हेजलवुड और पैट कमिंस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले कगिसो रबाडा (पांच विकेट) और मार्को यानसन (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने बल्लेबाजी कर रही ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 212 रन के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया था। भोजनकाल के बाद स्टीव स्मिथ और बो वेब्स्टर ने ऑस्ट्रेलिया पारी को संभाला । दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिए 79 रनों की साझेदारी हुई। 42वें ओवर में एडन मारक्रम ने स्टीव स्मिथ को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टीव स्मिथ ने 10 चौकों की मदद से 66 रनों की पारी खेली। इसके बाद एलेक्स कैरी (23) रन बनाकर केशव महाराज को शिकार बने। इसके बाद रबाड़ा और यानसन ने ऑस्ट्रेलिया पारी को समेटने में देर नहीं लगाई। बो वेब्स्टर ने 11 चौकों की मदद से (72) रनों की पारी खेली। उन्हें रबाड़ा ने आउट किया। कप्तान पैट कमिंस (एक) और मिचेल स्टार्क (एक) को रबाड़ा ने बोल्ड आउट किया।

नेथन लायन (शून्य) को मार्को यानसन बोल्ड किया। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को 56.4 ओवर में 212 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया। लार्ड्स के मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और उसने सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (शून्य) का विकेट 12रन के स्कोर पर गवां दिया। उन्हें कगिसो रबाडा ने बेडिघम के हाथों कैच आउट कराया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कैमरन ग्रीन (चार) को भी रबाड़ा ने आउट किया। जमने का प्रयास कर रहे मार्नस लाबुशेन (17) को 18वें ओवर में मार्को यानसन ने आउटकर ऑस्ट्रेलिया को तीसरा झटका दिया। इसके बाद ट्रैविस हेड (11) भी मार्को यानसन का शिकार बने। यानसन के आउट होते भोजनकाल की घोषणा कर दी गई। दक्षिण अफ्रीका ने भोजनकाल तक ऑस्ट्रेलिया के 23.2 ओवर में 67 रन चार विकेट झटकर मैच में अपना दबदबा बना लिया था दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाड़ा ने पांच और मार्को यानसन ने तीन विकेट लिये। केशव महाराज और एडन मारक्रम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईएसएसएफ विश्व कप: सिफत कौर ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में जीता कांस्य

म्यूनिख (एजेंसी)। शीर्ष भारतीय निशानेबाज सिफत कौर सामरा ने बृहस्पतिवार को यहां ISSF विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक 23 वर्षीय सिफत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 453.1 अंक बनाए।

नॉर्वे की जीनेट हेग ड्यूस्टेड ने 466.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि स्विट्जरलैंड की एमिली जैगी ने 464.8 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। एमिली 590 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में नौवें स्थान पर रहीं थी लेकिन फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं क्योंकि शीर्ष आठ में शामिल दो निशानेबाज केवल रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए निशानेबाजी कर रहीं थी।

क्वालीफिकेशन में सिफत ने नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग के तीन चरण में कुल 592 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल की शुरुआत में ब्यूनस आयर्स में हुए विश्व कप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था जिससे 2024 पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इस सत्र की शानदार शुरुआत हुई। फ्रांस की अगाथे सेसिल कैमिली गिरार्ड ने भी क्वालीफिकेशन में 592 अंक हासिल किए लेकिन 10 अंक के अंदरूनी हिस्से (एक्स) में अधिक निशाने के कारण शीर्ष पर रहीं।

स्विट्जरलैंड की ऑड्रे गोगनियाट क्वालीफिकेश में तीसरे स्थान पर रहीं। अन्य भारतीयों में आशी चौकसे क्वालीफिकेशन में 589 अंक के साथ 11वें स्थान पर रहीं जबकि अंजुम मौदगिल ने 586 अंक के साथ 27वां स्थान हासिल किया। श्रीयंका सदांगी 582 अंक के साथ 53वें स्थान पर रहीं और निश्चल 60वें स्थान पर रहीं।

इंग्लैंड टीम को सीरीज से पहले ही करारा झटका, तेज गेंदबाज टंग चोटिल हुए, युवा गेंदबाज एडी जैक शामिल

-युवा गेंदबाज एडी जैक शामिल

लंदन(एजेंसी)। भारतीय टीम के खिलाफ 20 जून से शुरु हो रही टेस्ट सीरीज से पहले ही मेजबान इंग्लैंड टीम को करारा झटका लगा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टंग चोटिल हो गये हैं। ऐसे में उनका पहले टेस्ट में खेलना संभव नजर नही आता। इसको देखते हुए इंग्लैंड टीम प्रबंधन ने 19 वर्षीय युवा गेंदबाज एडी जैक को कवर के तौर पर टीम में शामिल किया है। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में शुरु होगा। टीम में शामिल एडी जैक ने अभी तक केवल दो फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, दोनों इंडिया ए के खिलाफ, और दोनों ही ड्रॉ रहे थे।. नॉर्थम्प्टन में खेले गए दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में इस गेंदबाज ने दो विकेट लिए थे। इसके बाद भी टीम प्रबंधन ने इस युवा तेज गेंदबाज पर भरोसा जताया है। छह फीट चार इंच लंबे 19 साल के इस गेंदबाज ने इंग्लैंड लॉयंस के लिए खेलते हुए अपने प्रदर्शन से कोच ब्रेडन मैक्कुलम को प्रभावित किया था। जैक ने इंडिया ए के खिलाफ पहले मुकाबले में यशस्वी जायसवाल सहित दो खिलाड़ियों को आउट किया था। इस गेंदबाज को इंग्लैंड लॉयंस में बिना किसी फर्स्ट क्लास मैच के अनुभव के शामिल किया गया था। जैक ने अभी तक 11 लिस्ट ए मुकाबलों में 19 और तीन टी20 मैचो में दो विकेट लिए हैं। इस युवा गेंदबाज ने इंग्लैंड अंडर 19 टीम की ओर से भी खेला है। इस टीम के साथ वह इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर भी पहुंचे थे। तब उनकी गेंदबाजी ने सभी का ध्यान खींचा था। मई में जिम्बाब्वे के खिलाफ अभ्यास मुकाबले में भी वह टीम में शामिल थे। तब इस गेंदबाज ने पांच विकेट लिए थे।

मौजूदा फॉर्म और गेंदबाजी संयोजन पर होगी भारतीय टीम प्रबंधन की नजर

बेकेनहैम (केंट) (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला से पहले भारत की सीनियर टीम और भारत ए के बीच शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले चार दिवसीय अभ्यास क्रिकेट मैच में टीम प्रबंधन सही संयोजन तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस मैच में कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन पर निगाह रहेगी और भारतीय टेस्ट टीम की अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए इन दोनों के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना है।

यह मैच 20 जून से हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच से पहले सीनियर टीम का एकमात्र अभ्यास मैच होगा। किसी भी श्रृंखला से पहले इस तरह के मैच टीम की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने यह मैच खाली स्टेडियम में खेलने का विकल्प चुना है ताकि विपक्षी टीम को उनकी रणनीति की भनक नहीं लग सके। यूरोपीय फुटबॉल क्लब लंबे समय से ऐसा करते रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में भी ऐसा किया था। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा था कि यह मैच भारत की तैयारी की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि सामान्य अभ्यास सत्रों से एक दिन में 90 ओवर गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण करने की क्षमता विकसित करना मुश्किल होता है। इस चार दिवसीय मैच को आधिकारिक तौर पर प्रथम श्रेणी का दर्जा प्राप्त नहीं है। इसमें यदि कोई बल्लेबाज सस्ते में आउट हो जाता है तो उसे दूसरा मौका मिलता है।

इस मैच से भारतीय टीम प्रबंधन को मैच की परिस्थितियों में अपने खिलाड़ियों विशेष कर गेंदबाजों का आकलन करने का अच्छा मौका मिलेगा। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि गेंदबाज़ चाहे वह स्पिनर हो या तेज़ गेंदबाज वास्तविक मैच में अपेक्षित लय में हों। हेडिंग्ले के लिए एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर को चुनने के लिए गंभीर को कुछ माथापच्ची करनी होगी। जडेजा का विदेश में बल्लेबाजी रिकॉर्ड अच्छा रहा है लेकिन अगर भारत को 20 विकेट हासिल करने हैं तो फिर कुलदीप की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी। कुलदीप यहां की परिस्थितियों में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अच्छे सहयोगी साबित हो सकते हैं। जडेजा बनाम कुलदीप अंतिम एकादश के लिए सबसे बड़ी पहेली है जिसे गंभीर और कोचिंग स्टाफ को सुलझाना होगा। इसी तरह इस मैच से कोचों और कप्तान शुभमन गिल को यह देखने का मौका मिलेगा कि आकाश दीप की फुल लेंथ या प्रसिद्ध कृष्णा की बैक ऑफ द लेंथ में से कौन सी गेंद इन परिस्थितियों में बेहतर काम करती है। छह महीने बाद लाल गेंद से मैच खेलने वाले बुमराह को कई स्पैल में गेंदबाजी करने और अपनी फिटनेस को परखने का मौका मिलेगा। पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट से वापसी के बाद से उन्होंने सिर्फ आईपीएल खेला है।

आईसीसी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा

दुबई ।आईसीसी की ताजा रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ी छाये हुए हैं।इसमें शीर्ष 10 में से छह भारतीय हैं जिनमें तीन बल्लेबाज शामिल है। इसमें तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा हैं।बल्लेबाजों में तिलक वर्मा ताजा रैंकिंग में एक स्थान ऊपर आकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।वहीं सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर बने हुए हैं।सूर्यकुमार छठे स्थान पर फिसल गए हैं।गेंदबाजों की रैंकिंग में रहस्यममीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती तीसरे और रवि बिश्नोई सातवें नंबर पर हैं।तिलक के 804 रेटिंग अंक हैं और वह अपने ही साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा से पीछे हैं।वहीं ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर बने हुए हैं।सूर्यकुमार एक स्थान नीचे आकर छठे स्थान पर हैं।गेंदबाजी रैंकिंग में वरुण 706 और बिश्नोई 674 के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 653 भी शीर्ष 10 में शामिल हैं।ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या 252 रेटिंग अंक के साथ सूची में नंबर एक पर हैं।इंग्लैंड के आदिल राशिद गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। राशिद के 710 अंक हैं वहीं नंबर एक पर चल रहे न्यूजीलैंड के जैकब डफी के 723 अंक हैं।राशिद के टीम के साथी ब्राइडन कार्स 16 स्थान ऊपर आकर 52वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट 48 स्थान के लाभ से 16वें स्थान पर हैं।वहीं सीरीज में नाबाद 35 और 34 रन बनाने वाले हैरी ब्रूक संयुक्त 38वें स्थान पर ।

अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में लगे हैं वैभव

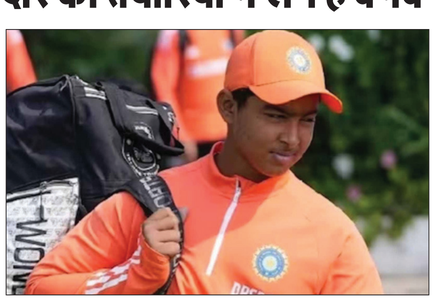

मुम्बई ।आईपीएल के इस सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से स्टार बने 14 साल के वैभव सूर्यवंशी अब अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में लग गये हैं।वैभव ने इसी दौरान 90 गेंदों में 190 रन बना दिये। वैभव ने नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अभ्यास मैच के दौरान 200 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाये।भारतीय अंडर-19 टीम 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक इंग्लैंड दौरे पर रहेगी। ये टीम इस दौरान मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांच एकदिवसय और दो चार दिवसीय मैच खेलेगी।इसके अलावा 50 ओवर का एक अभ्यास मैच भी होगा।वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड दौरे पर कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे। वैभव ने अपनी पहचान 12 साल की उम्र से ही पहली बार तब बनायी थी जब उन्होंने रणजी ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में डेब्यू कर सबको हैरान कर दिया था। वहीं जब उन्होंने आईपीएल 2025 में 35 गेंद में शतक लगाय तो सभी देखते रह गये।उन्होंने यह पारी भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेली थी. यह आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड भी है। एनसीए में खेले गए अभ्यास मैच में भी वैभव सूर्यवंशी ने वही अंदाज दिखाया जिसके लिए उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। वैभव ने मंगलवार को खेले गए इस प्रैक्टिस मैच में लॉन्ग-ऑन, मिडविकेट के ऊपर से लंबे-लंबे छक्के जड़े. इतना ही नहीं उन्होंने पॉइंट के ऊपर से भी छक्का मारा। उनकी इस पारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

डैरेन सैमी का दावा, फ्रैंचाइजी टी20 लीग में खेलने के लिए और खिलाड़ी लेंगे संन्यास

स्पोर्ट्स डेस्क। डैरेन सैमी ने निकोलस पूरन के संन्यास के बारे में बात की, जिन्होंने कई अन्य लोगों की तरह हाल ही में कई कारकों से राष्ट्रीय टीमों की तुलना में फ्रैंचाइजी-आधारित टी20 लीग खेलना ज़्यादा पसंद किया है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20आई के बाद जिसमें वेस्टइंडीज को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, सैमी ने पत्रकारों से बातचीत में जब पूरन, क्लासेन और अन्य के संन्यास के बारे में पूछा गया तो उन्होंने दावा किया कि उनकी अंतरात्मा ने उन्हें इस तरह की घटना के होने का संकेत दिया था। सैमी ने दावा किया कि उन्हें पूरन जैसे किसी खिलाड़ी को टीम में रखना अच्छा लगता, लेकिन उन्होंने कहा कि वह किसी खिलाड़ी के करियर को नियंत्रित नहीं कर सकते। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच को खुशी है कि पूरन ने अपने फैसले के बारे में पहले ही बता दिया क्योंकि टी20 विश्व कप 2026 बहुत दूर नहीं है। सैमी ने कहा, 'मेरी सहज बुद्धि ने मुझे बताया कि ऐसा कुछ होगा। आदर्श रूप से, ऐसी प्रतिभा वाले खिलाड़ी को मैं टीम में रखना पसंद करूंगा। लेकिन मैं किसी के करियर को नियंत्रित नहीं कर सकता, मैंने उन्हें शुभकामनाएं दी, और उन्होंने टीम को शुभकामनाएं दीं। अब निकोलस पूरन के बिना गेम प्लान बनाने से आगे बढ़ने की कोशिश करने की बात है। विश्व कप आने वाला है, मैं इस तथ्य का सम्मान करता हूं कि उन्होंने हमें काफी पहले ही बता दिया था इसलिए हमारे पास उनके बिना योजना बनाने के लिए अधिक समय है।' पूर्व कप्तान को लगता है कि टी20 क्रिकेट जिस तरह से काम करता है, उसे देखते हुए अधिक क्रिकेटर पूरन के रास्ते पर चल सकते हैं। दो बार टी20 विश्व कप जीतने वाले कप्तान को लगता है कि खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज के लिए खेलने के लिए प्रेरित करना व्यक्तियों के लिए एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डी कॉक और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों ने भी इसी तरह का रास्ता अपनाया है। सैमी ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि इस दिशा में और भी लोग इसी मूड में आगे बढ़ेंगे। टी20 क्रिकेट अब ऐसा ही है, और खास तौर पर वेस्टइंडीज से, जहां हम अपने खिलाड़ियों को शिखर पर खेलने के लिए प्रेरित रखने की कोशिश में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं होगा। आपने देखा होगा कि हर कोई हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डी कॉक, इन लोगों के बारे में बात करता है, जो रिटायर हो चुके हैं। यह हमारे नियंत्रण से बाहर है।'

श्रेयस को इंग्लैंड दौरे के लिए जगह मिलनी चाहिये थी : गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर शामिल किया जाना था। गांगुली के अनुसार श्रेयस का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में काफी अच्छा रहा है। इसके बाद भी उन्हें टीमें में जगह नहीं मिलना हैरानी की बात है। श्रेयस की कप्तानी में टीम इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) 2025 के अलावा कई अन्य घरेलू टूर्नामेंटों के भी फाइनल में पहुंची है। आईपीएल में उन्होंने पंजाब की ओर से सबसे अधिक 604 रन बनाये थे। गांगुली के अनुसारन श्रेयस को उनके इस प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह मिलनी चाहिये थी।

गांगुली ने कहा, पिछले एक साल में वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल रहा है और उसे इस टीम में होना चाहिए था। पिछला एक साल उसके लिए शानदार रहा है। वह ऐसा खिलाड़ी नहीं है जिसे बाहर रखा जाए। वह अब दबाव में रन बना रहा है, जिम्मेदारी ले रहा है और शॉर्ट बॉल को अच्छी तरह खेल रहा है। टेस्ट क्रिकेट हालांकि अलग होता है पर अगर मैं चयन समिति में होता तो उसे शामिल करता, जिससे पता चले वह क्या कर सकता है।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगी। पांच मैचों की इस सीरीज से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र की शुरुआत होगी। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि टीम युवा कप्तान के नेतृत्व में उतरेंगीहै। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा , विराट कोहली और आर अश्विन के बिन भारतीय टीम किस प्रकार का प्रदर्शन करती है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

स्टार्क आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, शमी का रिकार्ड तोड़ा

लॉर्ड्स ।ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में एक अहम रिकॉर्ड अपने नाम किया है। अब स्टार्क आईसीसी टूर्नामेंटों के फाइनल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं।स्टार्क ने इसी के साथ ही भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ा। स्टार्क ने यह उपलब्धि डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले ही दिन हासिल की।

स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 7 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने पहले ओवर में ही दक्षिण अफ्रीकी सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम को पेवेलियन भेज दिया।आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में सबसे अधिक 10 विकेट लेने का रिकॉर्ड शमी के नाम था पर अब स्टार्क ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया है।.शमी ने 6 पारियों में 10 विकेट लिए थे पर स्टार्क के नाम अब 11 विकेट हो गए हैं।स्टार्क ने साल 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में दो विकेट लिए थे।वहीं भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल में चार विकेट लिए थे। उन्होंने भारत के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप 2023 फाइनल में भी तीन विकेट लिए थे।वहीं सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट हैं।उनके 5 पारियों में 8 विकेट हैं।वहीं भारत के रवींद्र जडेजा के नाम भी आठ विकेट हैं।स्टार्क के डब्ल्यूटीसी 2023-2025 में कुल 74 विकेट हो गये हैं।पैट कमिंस के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड जसप्रीत बुमराह के नाम है, जिन्होंने 77 विकेट लिए हैं।स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में इयान बॉथम 383 को भी पीछे छोड़ दिया है।इस प्रारूप में उनके 384 विकेट हैं।मिचेल स्टार्क ने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऐडन मारर्कम को शून्या वहीं रेयान रिकेल्टन को 16 रनों पर ही आउट कर दक्षिण अफ्रीकी टीम को करारा झटका दिया। वही कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने भी एक-एक विकेट लिया।

भारत अच्छी तैयारी के साथ आया होगा, लेकिन हम जानते हैं कि हमें कहां पहुंचना है : मैकुलम

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि भारत पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए अच्छी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ यहां आया होगा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनके खिलाड़ी इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि 'एक टेस्ट टीम के रूप में हम कहां पहुंचना चाहते हैं।' भारत अपने नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के साथ करेगा।

मैकुलम ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट से कहा, 'वह शानदार क्रिकेट खेलने वाला देश है, जो बड़ी उम्मीदों के साथ यहां आया होगा और हम उनकी चुनौती के लिए तैयार हैं।' इंग्लैंड ने हाल ही में छह मैचों की सफ़ेद गेंद की श्रृंखला में वेस्टइंडीज़ का सफ़ाया किया। अब उनका ध्यान लाल गेंद के प्रारूप पर है क्योंकि वे भारत और इस साल के अंत में होने वाली एशेज की तैयारी कर रहे हैं। मैकुलम ने कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि खिलाड़ी तरोताजा रहें। हम जानते हैं कि टेस्ट टीम के रूप में हमें कहां पहुंचना है।'

इंग्लैंड की टीम में तेज गेंदबाज मार्क वुड नहीं होंगे, जो चोट के कारण कम से कम पहले तीन टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके साथी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी शुरुआती टेस्ट से बाहर रहेंगे, जबकि गस एटकिंसन अब भी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबर रहे हैं। मैकुलम को हालांकि इंग्लैंड के गेंदबाजी विकल्पों पर पूरा भरोसा है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, 'हमारे कुछ अच्छे तेज गेंदबाज खेलने के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे लेकिन हमारे पास क्रिस वोक्स, सैम कुक, ब्रायडन कार्स, जेमी ओवरटन, जोश टंग के रूप में तेज गेंदबाजी विभाग में अच्छा और विविधतापूर्ण आक्रमण है।'

उन्होंने कहा, 'स्पिन विभाग में हमारे पास शोएब बशीर हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में लगातार अपने खेल में सुधार कर रहे हैं। हम जानते हैं कि भारत के खिलाफ हमारी परीक्षा होगी और वे पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे।' भारत अनुभवी विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना एक नए युग की शुरुआत करेगा। यह तीनों खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। भारतीय टीम की अगुआई शुभमन गिल करेंगे और इसमें साई सुदर्शन और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी शामिल हैं।

इंग्लैंड ने ऑलराउंडर जैकब बेथेल को फिर से टीम में शामिल किया है और मैकुलम ने इस 21 वर्षीय खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'बेथेल के सामने अभी लंबा करियर है। वह अभी केवल 21 साल का है और उसके पास अपनी प्रतिभा को दिखाने का मौका है। वह ड्रेसिंग रूम में पहले ही अपनी पैठ बना चुका है।' मैकुलम ने जेमी स्मिथ और बेन डकेट का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''जेमी स्मिथ और बेन डकेट ने मुझे टेस्ट मैच में डकेट और जैक क्रॉली की जोड़ी की याद दिला दी है। हम जानते हैं कि डकेट कितने अच्छे बल्लेबाज हैं, लेकिन स्मिथ के पास जो ताकत है वह अद्भुत है।'

ख्वाजा डब्ल्यूटीसी फाइनल में सबसे अधिक गेंद खेलकर शून्य पर आउट होने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

लॉर्ड्स । ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा यहां लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में अपना खाता भी नहीं खोल पाये।ख्वाजा सबसे अधिक गेंद खेलकर शुन्य पर आउट होने वाले संयुक्त रुप से तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं। ख्वाजा सातवें ओवर में तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने अपना शिकार बनाया। उन्होंने अपनी पारी में 20 गेंदें खेली थीं। वहीं डब्ल्यूटीसी में इससे पहले तीन सलामी बल्लेबाजों डेविड वार्नर ने 22 गेंदें, शॉन मार्श ने 21 गेंदें और सैमी जोन्स ने 20 गेंदें खेली थीं।इस मैच में टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। टॉस जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा, हमने सबसे अच्छा संयोजन चुना है।ये एक बेहतर फाइनल रहेगा।वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि पहले बल्लेबाजी में समस्य नहीं है।ये विकेट अच्छा लग रहा है। सभी खिलाड़ियों ने अच्छी तैयारी की है।टीम बिना किसी दबाव के उतरी है और उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना है।